CHOICE OF MILLIONS®
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS
BEST SELLER
SHERKOTTI SPRAY PAINT
www.charminarbrush.com
SPRAY PAINT
9440297101

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 54 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.8 2080 गुरुवार, 16 मई-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गांधी परिवार को बिहार की कोई चिंता नहीं, नीतीश कुमार का नाम लेकर भ्रम फैला रहे हैं तेजस्वी : चिराग

पटना, 15 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार भले ही एनडीए में हों, लेकिन हैं हमारे साथ इस पर लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, साथ ना होने के बावजूद भी तेजस्वी यादव राजनीतिक लाभ के लिए हमारे मुख्यमंत्री का नाम ले रहे हैं। नीतीश कुमार के नाम पर तेजस्वी भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, तेजस्वी यादव जागरूक जनता को बहला-फुसला नहीं सकते। वो जमाना जा चुका है जब लोगों को बहला-फुसला कर वोट ले लिया जाता था।

पीएम मोदी ने साधा निशाना

कांग्रेस की होगी करारी हार

'संवैधानिक रूप से विपक्ष भी नहीं बन पाएंगे'

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के चार चरण के लिए मतदान हो चुके हैं। तीन चरण अब भी शेष हैं। चुनाव जीतने के लिए सभी दल जोर लगा रहे हैं। नेता एक-दूसरे के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को महाराष्ट्र पहुंचे। यहां उन्होंने नासिक के डिंडोरी में एक जनसभा को संबोधित किया।

चुनाव बाद नकली शिवसेना का नामोनिशाना नहीं रहेगा

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस यह लोकसभा चुनाव इतनी बुरी तरह से हार रही है कि उनका संविधान के तहत विपक्ष बनना भी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन के एक नेता ने सुझाव दिया था कि महाराष्ट्र के छोटे-छोटे दलों को चुनाव के बाद कांग्रेस में विलय कर लेना चाहिए। मतलब नकली शिवसेना और नकली एनसीपी कांग्रेस में विलय कर लेंगी। जब ऐसा होगा तो मुझे सबसे अधिक बाला साहब ठाकरे याद आएंगे। बाला साहब कहते थे कि जिस दिन उन्हें लगेगा कि शिवसेना कांग्रेस बन गई है, उस दिन वे शिवसेना को खत्म कर देंगे। मतलब अब नकली शिवसेना का नामोनिशान नहीं रहेगा। चुनावी रैली में पीएम मोदी ने कहा कि आपने पिछले 10 साल में मेरा काम देखा है। मैं अब आपसे अपने तीसरे कार्यकाल के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। विकसित भारत बनाने के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। मैंने पिछले 10 साल में बिना किसी भेदभाव के मुफ्त राशन, नल का पानी, पक्के घर और गैस कनेक्शन उपलब्ध कराएं हैं।

अल्पसंख्यक का मतलब कांग्रेस के लिए सिर्फ वोट बैंक

सभा में पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस के लिए अल्पसंख्यक सिर्फ एक ही हैं- उनका अपना प्रिय वोट बैंक। उन्होंने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि मैं जब मुख्यमंत्री था, तब कांग्रेस चाहती थी कि देश के कुल बजट का 15% सिर्फ मुसलमानों पर खर्च हो।

उस वक्त मैंने इसका पुरजोर विरोध किया था। पूरी भाजपा ने विरोध किया। इसलिए वे अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए। पीएम मोदी ने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण देने के खिलाफ थे। लेकिन कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय का आरक्षण छीनकर अपने वोट बैंक को देना चाहती है।

सिसोदिया की कस्टडी 15 दिन और बढ़ी

सीबीआई केस में आरोपों पर बहस नहीं हुई-अगली सुनवाई 30 मई को

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। शराब नीति केस में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 30 मई तक बढ़ा दी गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार (15 मई) की सुनवाई के दौरान स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने कहा कि मनीष के खिलाफ सीबीआई केस में 30 मई को आरोप तय किए जाएंगे। सिसोदिया ने आरोपों पर बहस रोकने के लिए एक याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में भी दायर की है। इस पर 24 मई को सुनवाई होनी है।

7 मई की सुनवाई में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ाई थी। जबकि ईडी की तरफ से दाखिल किए गए केस में उनकी हिरासत 21 मई तक है। 14 मई को दिल्ली हाईकोर्ट में भी सिसोदिया की तरफ से दाखिल जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस मामले में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सिसोदिया तरफ से सीनियर एडवोकेट दयन कृष्णन और मोहित माथुर ने दलीलें दीं, जबकि ईडी की तरफ से जोहेब हुसैन और सीबीआई की तरफ से एसपीपी रिपुदमन भारद्वाज कृष्णन ने पक्ष रखा।

मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने करीब 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने भी उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं। 7 मई 2024 को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ाई गई। उधर, दिल्ली कोर्ट ने एक्साइज ड्यूटी स्कैम केस में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 21 मई तक के लिए बढ़ा दी है। सीबीआई ने सिसोदिया को 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने न्यायिक हिरासत के दौरान उन्हें 9 मार्च, 2023 को गिरफ्तार किया था। सिसोदिया तब से तिहाड़ जेल में हैं। उन्होंने ईडी मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिसे 28 अप्रैल, 2023 को खारिज कर दिया गया था।

राहुल ने ओडिशा में संविधान की कॉपी लहराई

* भाजपा के नेता कहते हैं, चुनाव जीते तो इसे फाड़ कर फेंक देंगे

भुवनेश्वर, 15 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को ओडिशा के बलांगीर में एक रैली में कहा-भाजपा के नेता कहते हैं, अगर वे लोकसभा का चुनाव जीतते हैं तो इस किताब (संविधान) को फाड़ कर फेंक देंगे। मैं भाजपा के नेताओं से कहना चाहता हूं कि भाजपा या नरेंद्र मोदी तो दूर दुनिया की कोई भी शक्ति संविधान को नहीं छू सकती।

राहुल ने कहा-अगर वे संविधान को फाड़ने की कोशिश करेंगे तो ये देखना ये देश और कांग्रेस पार्टी उनके साथ क्या करती है। हिंदुस्तान के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों को जो भी दिया है वह इसी संविधान ने दिया है। 2024 की चुनावी लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच की है। राहुल गांधी ने 28 अप्रैल को केंद्रपाड़ा में रैली की थी। उन्होंने कहा था कि ओडिशा में बीजेपी-बीजेडी की शादी हो चुकी है। 'दिल्ली वाले अंकल' और नवीन बाबू ने इस शादी में ओडिशा की जनता को 'पीएएनएन' दिया है। पीएएनएन मतलब... पीए-पांडियन (नवीन पटनायक के करीबी आईएएस अफसर), ए-अमित शाह, एन-नरेंद्र मोदी, एन-नवीन पटनायक। इन्होंने मिलकर आपका पैसा लूटा है। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीच गठबंधन है। पीएम मोदी ने केंद्र में 22-25 अरबपतियों की सरकार चलाई। >14

14 लोगों को दिए गए सीएए के तहत नागरिकता प्रमाण पत्र

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 की अधिसूचना के बाद नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट आज जारी किया गया। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने आज नई दिल्ली में कुछ आवेदकों को नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपे। गृह सचिव ने आवेदकों को बधाई दी और नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। आज ही दिल्ली में 300 लोगों को सीएए के तहत नागरिकता दी गई। सीएए देश का कानून है।

भारत सरकार ने 11 मार्च, 2024 को नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 को अधिसूचित किया था। इन नियमों में आवेदन करने के तरीके, जिलास्तरीय समिति (डीएलसी) की ओर से आवेदन को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया और राज्यस्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (ईसी) की तरफ से आवेदनों की जांच और नागरिकता प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। इन नियमों के लागू होने के बाद, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित व्यक्तियों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो धार्मिक उत्पीड़न या इसके डर के कारण 31.12.2014 तक भारत आ गए थे। प्राधिकृत अधिकारियों के रूप में वरिष्ठ डाक अधीक्षकों/डाक अधीक्षकों की अध्यक्षता वाली जिला स्तरीय समितियों ने दस्तावेजों के सफल सत्यापन के बाद आवेदकों को निष्ठा की शपथ दिलाई है। नियमानुसार आवेदनों की प्रोसेसिंग के बाद डीएलसी ने आवेदनों को निदेशक (जनगणना संचालन) की अध्यक्षता वाली राज्यस्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (ईसी) को भेज दिया है। आवेदनों की प्रोसेसिंग पूर्णतः ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाती है।

निदेशक (जनगणना संचालन), दिल्ली की अध्यक्षता में दिल्ली की अधिकार प्राप्त समिति ने उचित जांच के बाद 14 आवेदकों को नागरिकता देने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में, निदेशक (जनगणना संचालन) ने इन आवेदकों को प्रमाण पत्र दिए। इस मौके पर सचिव, डाक, निदेशक (आसूचना) और भारत के रजिस्ट्रार जनरल सहित कई सीनियर अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा-45 किमी लंबा जाम, इंतजार में 11 की मौत

उत्तरकाशी, 15 मई (एजेंसियां)। अगर आप अभी उत्तराखंड में चारधाम यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं तो फिलहाल इसे टाल दें, क्योंकि गंगोत्री-यमुनोत्री धामों पर रिकॉर्ड तोड़ भीड़ के चलते सरकारी व्यवस्थाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। दोनों धामों के लिए जब आप हरिद्वार से आगे बढ़ते हैं तो 170 किमी दूर बरकोट तक 45 किमी लंबा जाम नजर आ जाएगा।

गढ़वाल मंडल के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बुधवार को बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 5 की जान मंगलवार को गई। तीन ऐसे हैं, जिन्होंने गाड़ी में दम तोड़ दिया। जिनकी मौत हुई, उनकी उम्र 50 साल से ज्यादा थी। 4 को डायबिटीज के साथ-साथ ब्लड प्रेशर की भी शिकायत थी। इधर, उत्तराखंड के डीजीपी अभिनव कुमार ने बुधवार को हाई लेवल मीटिंग के बाद सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को लेटर लिखा है। डीजीपी अभिनव ने अपील की है कि राज्य चारधाम यात्रा के लिए 31 मई तक किसी भी वीआईपी को न भेजें। अब तक 2 लाख 76 हजार 416 श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। 10 मई को कपाट खुलने के बाद से अब तक 1 लाख 26 हजार 306 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ पहुंचकर नया रिकॉर्ड बनाया है।

बरकोट से आगे यमुनोत्री और गंगोत्री के रास्ते हैं। सब जाम हैं। यहां से उत्तरकाशी का 30 किमी का रूट वन-वे है, इसलिए मंदिर से लौट रही गाड़ियां पहले निकाली जा रही हैं। मंदिर जाने वाली गाड़ियों का नंबर 20-25 घंटे बाद आ रहा है। विनय शंकर ने यह भी बताया कि यह खबरें भी सामने आ रही हैं कि ऑफलाइन यात्री अपनी दी गई तारीख से पहले यात्रा कर रहे हैं, इसकी जांच के निर्देश दिए गए हैं। गंगोत्री जाते वक्त उत्तरकाशी से 20 किमी आगे बढ़ते ही सड़क किनारे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग आराम करते दिखने लगेंगे। >14

न्यूज क्लिक फाउंडर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी अवैध : सुप्रीम कोर्ट

> पुलिस ने आधार नहीं बताया > चीन से फंडिंग के आरोप में अरेस्ट हुए थे

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। एंटी टेरर लॉ केस में जेल में बंद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उनकी गिरफ्तारी को अवैध बताया और रिहाई का आदेश दिया।

प्रबीर और न्यूज क्लिक के एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को चीन से फंडिंग के आरोप में पिछले साल 3 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अमित सरकारी गवाह बन गए थे। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस मेहता की बेंच ने कहा कि हमें यह कहते हुए कोई हिचकिचाहट नहीं है कि पुलिस ने गिरफ्तारी का आधार नहीं बताया। रिमांड ऑर्डर भी अवैध है। इसलिए प्रबीर को रिहा किया जाना चाहिए। न्यूज क्लिक की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलीलें रखी थीं।

गिरफ्तारी के आधार लिखित में बताना क्यों जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने पंकज बंसल बनाम भारत संघ मामले में दिए फैसले में कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 22 और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (पीएमएलए) की धारा 19(1) को सही अर्थ और उद्देश्य देने के लिए गिरफ्तारी के आधार की लिखित सूचना बिना किसी अपवाद के दी जानी चाहिए। रियल एस्टेट समूह एम3एम के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंकज बंसल और बसंत बंसल को ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के समय ईडी अधिकारी ने गिरफ्तारी के आधार मौखिक रूप से बताए थे। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि आरोपी को गिरफ्तारी के आधार सिर्फ पढ़कर सुनाने या उसे पढ़ने के लिए देने से कॉन्सिटिट्यूशनल और लीगल प्रोटेक्शन का उद्देश्य पूरा नहीं होता।

कोर्ट के मुताबिक जमानत पाने के लिए आरोपी को यह साबित करना होता है कि उसकी गिरफ्तारी उचित आधार पर नहीं हुई है। इसके लिए जरूरी है कि गिरफ्तार व्यक्ति गिरफ्तारी के आधार से पूरी तरह अवगत हो। मतलब जब व्यक्ति को गिरफ्तारी का आधार पता होगा तभी वह जमानत के लिए अदालत में दलील देने की स्थिति में होगा। सेंसिटिव केसेज के लिए कोर्ट ने यह भी कहा अगर गिरफ्तारी के आधार में किसी तरह की संवेदनशील जानकारी है, जिससे जांच प्रभावित हो सकती है तो उस हिस्से को हटाकर गिरफ्तारी के आधारों की एडिटेड कॉपी दी जानी चाहिए। इससे जांच की शुचिता की रक्षा की जा सकेगी। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ठीक उसी दिन यानी 3 अक्टूबर 2023 को आया था, जिस दिन प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती की गिरफ्तारी हुई थी।

दिल्ली पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, न्यूज क्लिक पर चीनी प्रोपगैंडा फैलाने और देश की संप्रभुता को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। >14

झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम गिरफ्तार

* ईडी ने 7 घंटे की पूछताछ के बाद अरेस्ट किया
* ईडी ऑफिस में गुजरेगी रात-आज कोर्ट में पेशी

रांची, 15 मई (एजेंसियां)। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से पहले ईडी ने बुधवार को 7 घंटे की पूछताछ की। उनके पीएस के नौकर के घर पिछले दिनों 30 करोड़ रुपए कैश मिले थे। मामला टेंडर कमीशन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का है। आलमगीर आलम को आज ईडी ऑफिस में बने हाजत में रखा जाएगा। मेडिकल जांच की जाएगी। इसके बाद उन्हें गुरुवार को 10 बजे पीएमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस दौरान ईडी कोर्ट से रिमांड की मांग करेगी।

इससे पहले ईडी के अधिकारियों ने मंगलवार को भी उनसे 9 घंटे पूछताछ की थी। ईडी ने उन्हें आज फिर पूछताछ के लिए बुलाया था। जांच एजेंसी की ओर से उन्हें पूछताछ के लिए 12 मई को नोटिस भेजा था। आलमगीर आलम झारखंड की महागठबंधन सरकार में कांग्रेस के कोटे से मंत्री हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मनी लॉन्ड्रिंग के एक अन्य मामले में ईडी की गिरफ्त में हैं।

रामचरित मानस और पंचतंत्र को यूनेस्को की मान्यता

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में शामिल किया गया

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (यूएनईएससीओ) ने रामचरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन को वैश्विक मान्यता दी है। इन साहित्यिक रचनाओं को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर (एमओडब्ल्यूसीएपी) में शामिल किया गया है। द मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (एमओडब्ल्यू) इंटरनेशनल एडवाइजरी और एग्जीक्यूटिव बोर्ड की तरफ से रिकमेंड किए गए दस्तावेजों को वैश्विक महत्व और यूनिवर्सल वैल्यू के आधार पर इस लिस्ट में शामिल करता है। रीजनल रजिस्टर में शामिल दस्तावेजों को विश्व स्तर पर पहचान बनाने में मदद मिलती है। साथ ही एक देश की संस्कृति दुनिया के कई देशों तक पहुंचती है।

38 देशों ने दी इन रचनाओं को मान्यता

इन रचनाओं को दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (आईजीएनसीए) की तरफ से रीजनल रजिस्टर के लिए नामांकित किया गया था। उलनाबटार में एमओडब्ल्यूसीएपी की बैठक में इन दस्तावेजों को प्रस्तुत करने वाले आईजीएनसीए कला विभाग के एचओडी प्रोफेसर रमेश चंद्र गौड़ ने बताया कि यूएनईएससीओ के 38 सदस्य और 40 ऑब्जर्वर देशों ने इन साहित्यिक रचनाओं के वैश्विक महत्व को पहचान कर इन्हें मान्यता दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय संस्कृति के प्रसार और संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित होगी। आईजीएनसीए की तरफ से पहली बार रीजनल रजिस्टर के लिए आवेदन भेजा गया था। जो दस बैठकों के बाद स्वीकार कर लिया गया।

दो संस्कृत और एक अवधी भाषा की रचना

संस्कृति मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन जैसी रचनाओं ने भारतीय संस्कृति और साहित्य को गहराई से प्रभावित किया है। इन साहित्यिक रचनाओं सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि भारत के बाहर के लोगों पर भी गहरा असर छोड़ा है।

पूर्व पति का दावा-स्वाति मालीवाल की जान खतरे में

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आप राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के पूर्व पति नवीन जयहिंद ने दावा किया कि स्वाति की जान खतरे में है। स्वाति के साथ जो भी हुआ उसकी प्लानिंग की गई थी। नवीन ने कहा कि स्वाति सामने आएं और अपना पक्ष रखें।

इसके अलावा उन्होंने आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को लेकर कहा, 'मैं संजय सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस सुन रहा था और मैं उन्हें यह बताना चाहता हूं कि उन्हें कैमरे के सामने एक्टिंग बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि उन्हें पूरा मामला पता था।' दरअसल, संजय सिंह ने मंगलवार (14 मई) को कबूल किया था कि मुख्यमंत्री आवास पर स्वाति मालीवाल के साथ अभद्रता हुई। उन्होंने मीडिया से कहा-13 मई को बहुत ही निंदनीय घटना घटित हुई। सुबह अरविंद केजरीवाल से मिलने स्वाति मालीवाल उनके आवास पर पहुंची थीं। ड्रॉइंग रूम में केजरीवाल का इंतजार कर रही थीं। इस बीच मुख्यमंत्री के पीए बिभव कुमार वहां पहुंचे और उनके साथ अभद्रता और बदतमीजी की।

संजय सिंह ने बताया-इस पूरी घटना को दिल्ली के सीएम ने संज्ञान में लिया है। वो इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे। जहां तक स्वाति मालीवाल का सवाल है, उन्होंने देश और समाज के लिए बहुत काम किया है। वो सीनियर और पुराने नेताओं में से एक हैं। हम उनके साथ हैं। नवीन जयहिंद ने मंगलवार शाम को एक्स पर वीडियो मैसेज पोस्ट कर कहा कि इस घटना के बारे में पूछने के लिए मेरे पास कई कॉल आ रहे हैं। >14

'पहले कश्मीर में आजादी के नारे लगते थे'

पीओके का जिक्र कर अमित शाह ने विपक्ष को घेरा

कोलकाता, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में महंगाई को लेकर हुई हिंसा के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पीओके को भारत का हिस्सा बताया। पाकिस्तान को घेरते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत इसे (पीओके) ले लेगा। पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में अमित शाह ने बुधवार को एक रैली की। इस रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने पीओके का मुद्दा उठाया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2019 में कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद वहां शांति वापस आ गई। अब पीओके के नागरिक आजादी के नारे लगा रहे हैं। पीओके को लेकर अमित शाह ने विपक्ष पर भी निशाना साधा।

अमित शाह ने कहा, सरकार द्वारा कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद क्षेत्र में शांति वापस आ गई। लेकिन अब हम पीओके में प्रदर्शन देख रहे हैं। पहले यहां आजादी के नारे गूंजा करते थे और अब यही नारे वहां (पीओके) लगाए जा रहे हैं। पहले यहां पथराव होता था और अब वहां हो रहा है। पीओके पर कब्जे की मांग का समर्थन न करने पर अमित शाह ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा, मणि शंकर अय्यर जैसे कांग्रेसी नेताओं का कहना है कि ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे ले लेंगे। भाजपा नेता ने आगे कहा कि यह लोकसभा चुनाव इंडी गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं और ईमारदार नेता नरेंद्र मोदी के बीच चयन करने का चुनाव है। नरेंद्र मोदी के खिलाफ मुख्यमंत्री और तत्कालीन प्रधानमंत्री होने के बावजूद आज तक एक पैसे का भी आरोप नहीं लगा। उन्होंने कहा, बंगाल को यह निर्णय लेना होगा कि उन्हें घुसपैठिए चाहिए या शरणार्थियों के लिए सीएए। बंगाल को तय करना है कि वह जिहाद को वोट देना चाहते हैं या विकास को।

सीएए का विरोध करने पर अमिता शाह ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी मां-माटी-मानुष नारे के साथ सत्ता में आई थीं। लेकिन यह नारा अब मुल्ला, मौलवी, मदरसा में बदल गया। वह दुर्गा विसर्जन की अनुमति देने से मना करती हैं, लेकिन रमजान में मुसलमानों को छुट्टी देती हैं। शाह ने आगे कहा कि ममता सरकार वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों के समर्थन में रैलियां निकाल रही हैं।

सांसद नवनीत राणा के घर चोरी

पुलिस ने नौकर के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बीजेपी लोकसभा सांसद और अमरावती से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा के आवास पर चोरी की शिकायत नवनीत राणा के पति रवि राणा के नौकर अर्जुन मुखिया के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। अर्जुन मुखिया बिहार का रहने वाला है और वह मुंबई के खार स्थित उसके फ्लैट से 2 लाख रुपये नकद चुराने के बाद से फरार है। नवनीत राणा के पति रवि राणा (अमरावती से निर्दलीय विधायक) के निजी सहायक संदीप सासे की पुलिस शिकायत के अनुसार, राणा घरेलू खर्चों के लिए पैसे देते हैं, ये पैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के साथ उनके फ्लैट के बेडरूम में स्थित एक अलमारी में रखे जाते हैं। इस अलमारी की चाबी पास ही एक हैंगर पर रखी हुई है। फरवरी में रवि राणा ने सासे को घर खर्च के लिए दो लाख रुपये दिए थे, जिसे सासे ने बेडरूम की अलमारी में रख दिया था।

'हम राजकुमार नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए हैं'

सीजेआई चंद्रचूड़ ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन (सर्वोच्च न्यायालय और संवैधानिक न्यायालयों के प्रमुखों की मीटिंग) को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जज न तो राजकुमार हैं और न ही संप्रभु हैं। जज का काम सेवा करना है। हम सार्वजनिक पद पर बैठे पदाधिकारी हैं। सीजेआई ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद सुप्रीम कोर्ट के कामकाज का तरीका बदल गया। कोर्ट की पारदर्शिता बढ़ गई। उन्होंने कहा कि सही और सटीक जानकारी प्रदान कर हम फेक न्यूज से निपटने में सक्षम हैं। ब्राजील के संघीय सुप्रीम कोर्ट (एसटीएफ) की अगुवाई में जी20 शिखर सम्मेलन के इस मीटिंग का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता और बेहतर न्यायिक दक्षता के लिए प्रौद्योगिकी के एकीकरण सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के हो रहे इस्तेमाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कभी-कभी वकीलों के जरिए कोर्ट की सही जानकारी लोगों तक नहीं पहुंच पाती है। सौभाग्य से आज के समय कानूनी पत्रकारों का एक मजबूत नेटवर्क है जो कार्यवाही की लाइव-रिपोर्टिंग करते हैं और दुष्प्रचार को दूर करने में मदद करते हैं। सीजेआई ने आगे कहा कि हम अपने निर्णयों के लिए एसयूवीएएस (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर), एक मशीन लर्निंग, एआई-सक्षम अनुवाद उपकरण का उपयोग कर रहे हैं। 16 क्षेत्रीय भाषाओं में अब तक 36,000 से अधिक मामलों का अनुवाद किया जा चुका है। वहीं, महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों की लाइव स्ट्रीमिंग और यूट्यूब रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध हैं जो संपूर्ण संदर्भ प्रदान करती हैं।

बंगाल में चुनावी हिंसा, 'तृणमूल के उपद्रवियों ने भाजपा नेता का कान काटा'

कोलकाता, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में पश्चिम बंगाल को एक सबसे संवेदनशील राज्य माना गया है। यहां की कुल 42 सीटों पर सीधे तौर पर भाजपा और टीएमसी के बीच मुकाबला है। संवदेनशीलता को देखते हुए ही चुनाव आयोग राज्य में सात चरणों में मतदान करवा रहा है। इस बीच आरोप लगाए गए हैं कि तृणमूल समर्थित कुछ उपद्रवियों ने कथित तौर पर बीजेपी नेता सुब्रत बाग का कान काट दिया। साथ ही उन्होंने सुब्रत बाग के भाई शुभंकर बाग का हाथ और पैर तोड़ दिया। यह घटना भगवानपुर का है। पूर्वी मिदनापुर के भगवानपुर विधानसभा क्षेत्र के इस्लामपुर में तृणमूल से जुड़े बदमाशों पर एक भाजपा कार्यकर्ता का कान काटने का आरोप लगाया गया है। गंभीर रूप से घायल भाजपा नेता का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। मतदान के बीच हुई इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल है। भाजपा नेता सुब्रत बाग के कान काटने के अलावा, तृणमूल से जुड़े बदमाशों ने कथित तौर पर सुब्रत बाग के भाई शुभंकर बाग के हाथ और पैर भी तोड़ दिए। दोनों भाइयों का तमलुक के एक सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

साल 2023 में दक्षिण एशिया में हुए कुल विस्थापन का 97 प्रतिशत अकेले मणिपुर में, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दक्षिण एशिया में साल 2023 में जितने लोग विस्थापित हुए, उनमें से 97 प्रतिशत लोग अकेले मणिपुर में विस्थापित हुए। जिनेवा आधारित आंतरिक विस्थापन मॉनिटरिंग सेंटर की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में दक्षिण एशिया में कुल 69 हजार लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा, इनमें से 67 हजार लोग अकेले मणिपुर में विस्थापित हुए। भारत में यह साल 2018 के बाद से हुआ सबसे बड़ा विस्थापन है। मणिपुर में विस्थापन की वजह वहां जारी जातीय हिंसा है। मणिपुर हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में मणिपुर के बहुसंख्यक मैतई समुदाय को एसटी वर्ग में शामिल करने की सिफारिश की थी और केंद्र सरकार से इस पर विचार करने को कहा था। 3 मई 2023 मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में इसके खिलाफ 'ट्राइबल सॉलिडेरिटी मार्च' निकाला गया। यह मार्च मैतई समुदाय को एसटी वर्ग में शामिल करने की मांग के विरोध में निकाला गया। इस मार्च के बाद मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क गई। इस हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर का कुकी समुदाय मैतई को एसटी वर्ग में शामिल करने का विरोध कर रहा है और इसकी वजह से ये दोनों समुदाय आमने-सामने हैं। राज्य के चुराचांदपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, तेंगनुपाल, कांगपोकपी हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे और हिंसा के चलते राज्य में 67 हजार लोगों को अपना घर छोड़कर शरणार्थी कैंपों में शरण लेनी पड़ी। मणिपुर के अलावा मिजोरम, नगालैंड और असम में भी इस हिंसा का असर हुआ। हिंसा बढ़ने पर केंद्र ने मणिपुर में कर्फ्यू लगा दिया। विस्थापित लोग अभी भी अपने घर नहीं लौट सके हैं और हालात सामान्य होने में अभी भी काफी वक्त लग सकता है। आईडीएमसी की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 तक दक्षिण एशिया में कुल 53 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं

मासूम से रेप करने वाले स्कूल संचालक को जेल, बच्ची की मां ने अब डॉक्टर पर लगाए गंभीर आरोप

भोपाल, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के निजी स्कूल संचालक द्वारा आठ वर्षीय मासूम से रेप करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जेल में स्कूल संचालक की पहचान कैदी नंबर 843 से होगी। जबकि इसी मामले में सस्पेंड एसआई प्रकाश राजपूत को जमानत मिल गई है। वह आज जेल से रिहा होगा। इधर बच्ची की मां ने कमिश्नर कार्यालय में लिखित शिकायत देकर मेडिकल करने वाले डॉक्टरों पर बेटी को धमकाने का आरोप लगाया है। बता दें अप्रैल महीने में राजधानी भोपाल के निजी स्कूल में एक आठ वर्षीय मासूम से रेप का मामला सामने आया था।

'राहुल के पास फर्जी लोग, 2019 में शपथ के लिए नया सूट सिलवा लिया था'- संजय निरुपम का बड़ा दावा

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के 4 चरणों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं तो वहीं, आगामी 3 चरणों के चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल अपने-अपने प्रचार में लगे हुए हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों अपनी जीत और विरोधी की हार का दावा कर रहे हैं। इस बीच हाल ही में कांग्रेस छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए संजय निरुपम ने हैरान कर देने वाला दावा किया है। निरुपम ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी और उनके साथ रहने वाले लोगों पर तीखा हमला बोला है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कुछ कहा है। संजय निरुपम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी के पास फर्जी चुनावी सर्वे करनेवाले कुछ फर्जी लोग हैं। और यही लोग पार्टी के नेता और गांधी परिवार के सदस्य राहुल गांधी को फर्जी ग्राउंड रिपोर्ट देते रहते हैं। संजय निरुपम ने दावा किया कि इन्हीं फर्जी एजेंसी के लोगों की रिपोर्ट के आधार पर कांग्रेस 4 जून के बाद केंद्र में सरकार बनाने का ख्याली पुलाव पका रही है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व नेता रहे संजय निरुपम ने एक और चौंकाने वाला दावा किया है।

उन्होंने कहा है कि इन्हीं फर्जी लोगों ने 2019 में राहुल गांधी को बताया था कि आपकी सरकार भारी बहुमत से आ रही है और आप प्रधानमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं। इसके बाद राहुल गांधी ने नया सूट भी सिलवा लिया था। इस बार भी शायद नए सूट का ऑर्डर दे दिया गया है।

अब्बास अंसारी अपने पिता की प्रार्थना सभा में हो पाएंगे शामिल, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

गाजीपुर, 15 मई (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट ने दिवंगत पिता की प्रार्थना सभा में शामिल होने की अनुमति दी है। 10 जून को मुख्तार अंसारी के पैतृक गांव गाजीपुर में ये प्रार्थना सभा होनी है। अब्बास प्रार्थना सभा के अलावा 11 और 12 जून को अपने परिवार के साथ समय बिता पाएंगे। 13 जून को वापस उन्हें कासगंज जेल शिफ्ट किया जाएगा। प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए अब्बास को 9 जून को कासगंज से गाजीपुर जेल शिफ्ट किया जाएगा। पिछले साल नवंबर महीने में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी को जमानत देने से मना कर दिया था। तब अदालत ने पाया था कि नई दिल्ली में अब्बास के ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए थे, ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। अदालत को इस बात की आशंका थी कि जमानत मिलने पर अब्बास गवाहों पर असर डाल सकते हैं और सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। अब्बास अंसारी फिलहाल उत्तर प्रदेश के कासगंज जेल में बंद हैं।

पिता की मौत के बाद के घटनाक्रम

मुख्तार अंसारी की मृत्यु 28 मार्च को हुई थी। मुख्तार अंसारी उम्रकैद की सजा काट रहे थे। मुख्तार की जान दिल का दौरा पड़ने से गई थी। अब्बास अंसारी फिलहाल विधायक हैं और आर्म्स लाइसेंस के एक मामले में न्यायिक हिरासत का सामना कर रहे हैं। प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए अब्बास को इजाजत जरुर मिली है लेकिन अब्बास को इस दौरान पुलिस हिरासत में रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अब्बास ने अपने पिता की याद में होने वाले प्रार्थना सभा में शामिल होने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस के।वी। विश्वनाथन की पीठ ने अब्बास को प्रार्थना सभा में शामिल होने की इजाजत दी। अब्बास पिता मुख्तार अंसारी के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हो पाए थे। हालांकि, बाद में अदालत ने उन्हें परिवार वालों से मिलने की अनुमति दी थी।

पीयूष गोयल बोले- प्रियंका गांधी गैर गंभीर और पर्यटक राजनेता हैं, वे काल्पनिक दुनिया में रहती हैं

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की आलोचना की। उन्होंने प्रियंका को गैर गंभीर और पर्यटक राजनेता बताया क्योंकि चुनाव के बाद वे गायब हो जाती हैं और असल भारत को अब तक नहीं समझ पाई हैं। गोयल ने कहा कि मैं स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू-गांधी परिवार की भूमिका का सम्मान करता हूं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि स्वतंत्रता के बाद से सिर्फ एक ही व्यक्ति की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा देशवासियों की इच्छा पर हावी रही। गोयल ने बुधवार को प्रचार अभियान के दौरान एक साक्षात्कार में प्रियंका के बारे में कहा कि वे गंभीर राजनेता नहीं है। वे असल भारत से जुड़ती नहीं दिखतीं। वे एक अलग ही काल्पनिक दुनिया में रहती हैं। वे सिर्फ चुनाव के दौरान कभी-कभी मैदान में दिखती है फिर गायब हो जाती हैं। बता दें, साक्षात्कार में उनसे पूछा गया था कि क्या प्रियंका भविष्य में मजबूर राजनेता के रूप में उभरेंगी। इस सवाल के जवाब में उन्होंने आगे कहा कि वे वास्तव में लोगों की सेवा नहीं कर सकतीं। सिर्फ एक पर्यटक के रूप में वे भारत को कभी नहीं समझ सकतीं। एक परिवार की महत्वाकांक्षा देशवासियों की इच्छा पर हावी हो गई 'क्या नेहरू-गांधी परिवार द्वारा अनुभव की गई शहादत पर प्रियंका के बयान लोगों को पसंद आएंगे' इस सवाल पर गोयल ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने एक व्यक्तिगत परिवार के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों के काम को भुनाया है। मैं सम्मान करता हूं कि आजादी की जंग में उनके परिवार की जो भूमिका रही पर यह भी सत्य है कि आजादी के बाद कांग्रेस के सभी लोगों ने सरदार पटेल को नेतृत्व के लिए चुना था लेकिन एक व्यक्ति की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा देशवासियों की इच्छा पर हावी हो गई।

पार्टी में सब कुछ सिर्फ एक परिवार के लिए होगा

गोयल ने साक्षात्कार के दौरान, आजादी के बाद कांग्रेस को खत्म करने और एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने की महात्मा गांधी की सलाह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सलाह के बावजूद सिर्फ एक परिवार के लिए सभी स्वतंत्रता सेनानियों के कामों को भुनाया गया। पिछले 75-77 वर्षों में साफ हो गया कि पार्टी में सब कुछ सिर्फ एक परिवार के लिए होगा। मुझे लगता है कि भारत के लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि गांधी जी की कांग्रेस को खत्म करने की इच्छा लागू हो। क्या राहुल गांधी-प्रियंका गांधी ऐसा करेंगे।

राज्य महिला आयोग ने की पुलिस की आलोचना, कहा- गंभीरता से नहीं ली नवविवाहिता की उत्पीड़न की शिकायत

कोच्चि, 15 मई (एजेंसियां)। बुधवार को केरल महिला आयोग ने नवविवाहिता महिला की शिकायत को गंभीरता से लेने के पुलिस के रवैये की आलोचना की। महिला ने अपने पति पर दहेज के लिए बेरहमी से पीटने और जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया था। केरल महिला आयोग अध्यक्ष पी सतीदेवी ने पुलिस की आलोचना करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी सोचते हैं कि पति अपनी पत्नी को शारीरिक तौर पर प्रताड़ित कर सकते हैं। उन्हें यह अधिकार है, जबकि ये उनकी ताकत का अपमान है। उन्होंने पुलिस पर तंज करते हुए कहा कि पुलिस का संवेदीकरण प्रशिक्षण की आवश्यकता है। वहीं केरल महिला आयोग को कल पीड़िता की शिकायत मिली। इसके बाद पंथिरनकावु पुलिस स्टेशन के एसएचओ को बुलाया गया। उन्होंने बताया कि प्राप्त शिकायत के आधार पर महिला ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए थे।

महिला एएसआई का आरक्षक पर आया दिल

आईजी के यहां थी ड्यूटी दोनों गायब हुए और कर ली शादी

ग्वालियर, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर रेंज के आईजी के दफ्तर में काम करने वाली महिला एएसआई और आरक्षक 6 दिन से लापता हैं। यह सभी 7 मई के दिन चुनाव ड्यूटी करने निकले थे और ड्यूटी करने के बाद से न तो वह दफ्तर आए हैं और न ही अपने घर पर पहुंचे। महिला के न मिलने पर उसकी मां काफी परेशान हो गई। महिला की मां ने कंपू में उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बाद में मिली जानकारी के मुताबिक पता चला कि एएसआई और लापता आरक्षक ने शादी कर ली। एक दिन पहले महिला पुलिसकर्मी ने अपने घर पर फोन कर बताया है, कि उन दोनों ने दिल्ली में शादी कर ली है। आईजी को जब इसके बारे में पता चला तो उन्होंने महिला एएसआई के ड्यूटी से गायब होने पर निलंबित कर दिया है।

पांच साल से साथ काम कर रहे थे दोनों

कंपू के पास पुलिस आवास में रहने वाली एएसआई निशा जैन आईजी ग्वालियर के ऑफिस में एग्जीक्यूटिव क्लर्क के पद पर काम कर रही थी। महिला एएसआई के साथ ही आरक्षक अखंड प्रताप सिंह ने भी उसी ऑफिस में ज्वाइन किया था। पांच साल से लगातार दोनों एक साथ काम कर रहे थे। 7 मई को लोकसभा चुनाव के मतदान के दिन दोनों की चुनाव में ड्यूटी लगाई गई थी। दोनों ने चुनाव की ड्यूटी की और उसके बाद वहां से चले गए। अगले दिन घर से दफ्तर के लिए निकले लेकिन दफ्तर नहीं पहुंचे और न ही घर वापस लौटे है। उसी दिन से उनके मोबाइल भी बंद हो गए। ग्वालियर निशा और अखण्ड प्रताप सिंह कहां गए। उनके सहयोगियों को भी जानकारी नहीं थी। दोनों के लापता होने पर उनके घरवालों ने 9 मई को आईजी अरविंद सक्सेना से मुलाकात कर इसके बारे में जानकारी भी दी।

दिल्ली के अवैध पेपर गोदाम में लगी आग जिंदा जला शख्स

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में एक अवैध पेपर गोदाम में बुधवार को अचानक आग लग गई। इस हादसे में 45 वर्षीय एक शख्स की जल जाने से मौत हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) की टीम पहुंची और काफी मशक्कत से आग पर काबू पाया। डीएफएस के एक अधिकारी के अनुसार शकरपुर इलाके के एक डबल स्टोरी बिल्डिंग में आग लग गई थी। डीएफएस के अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना पर जब हमलोग मौके पर पहुंचे तो जले हुए गत्तों के नीचे से एक शव बरामद हुआ।

शव की पहचान सतेंद्र पासवान के रूप में की गई। गोदाम में आग लगने की सूचना रात दो बजे मिली थी। इसके बाद छह फायर टेंडर की टीम को वहां भेजा गया। आग बुझाने का काम सुबह सात बजे तक चला। मृतक सतेंद्र पासवान की बहन सारो देवी ने एजेंसी को बताया कि उसका भाई गोदाम में काम करता था।

सचिन तेंदुलकर की सुरक्षा में तैनात जवान ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। भारत रत्न से सम्मानित देश के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की सुरक्षा में एक एसआरपीएफ जवान तैनात था जिसने बीती रात यानी 14 मई को अपने पैतृक गांव में आत्महत्या कर ली। उसने अपने पुश्तैनी घर में खुद को गोली मार ली। मृतक की पहचान प्रकाश कापड़े के रूप में हुई जिसने अपनी सर्विस गन से खुद को गोली मार ली। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच में लग चुकी है।

क्या है पूरा मामला?

प्रकाश कापड़े नाम का एक शख्स राजकीय रिजर्व पुलिस बल(एसआरपीएफ) का जवान था जो भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की सुरक्षा में तैनात था। प्रकाश छुट्टी में अपने पैतृक घर गया था। जामनेर शहर में अपने पुश्तैनी घर में उसने कल यानी 14 मई की देर रात अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सुत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना करीब 2 बजे हुई। मृतक के आत्महत्या करने के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पुलिस ने क्या कुछ कहा?

इस घटना के बारे में जब पुलिस से बातचीत कई गई तो पुलिस ने बताया कि, यह घटना 14 मई की रात की है। उसने आत्महत्या क्यों की इसके कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। मगर प्राथमिकी जांच में लगता है कि कापड़े ने कुछ निजी कारणों से खुद को गोली मारी मगर अभी हम पूरी जांच का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस ने आगे बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा जामनेर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और इसके साथ ही मृतक के परिवार के लोगों, उसके सहकर्मियमों और अन्य जान पहचाने के लोगों के पूछताछ शुरु कर दी गई है। आपको बता दें कि मृतक प्रकाश कापड़े मंत्री छगन भुजबल और नारायण राणे के बॉडीगार्ड के तौर पर भी काम कर चुका हैं। कुछ सुत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस मामले की जांच स्वतंत्र तरीके से हो सकती है क्योंकि वह वीवीआईपी सुरक्षा में था। मृतक प्रकाश कापड़े के परिवार में उसके बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी, दो नाबालिग बच्चे, एक भाई और कुछ अन्य सदस्य हैं।

महामंडलेश्वर पद बेचने वाली मंदाकिनी बुरी फंसी, किस थाने में पहुंचा एफआईआर का आवेदन

उज्जैन, 15 मई (एजेंसियां)। निरंजनीअखाड़े की निष्कासित महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। एक ओर उन पर साधु-संतों ने ठगी के आरोप लगाए हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज के पास भी कई शिकायतें पहुंची हैं। दूसरी ओर, धोखाधड़ी के प्रकरण दर्ज करने के लिए थानों मे आवेदन पहुंच रहे हैं। अब तक मंदाकिनी पुरी के खिलाफ थाना चिमनगंज और महाकाल थाने मे महामंडलेश्वर बनाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। अब शहर के चिंतामण थाने में भी मंदाकिनी पुरी के खिलाफ एक आवेदन पहुंचा है।

ऐसा क्यों किया? उत्तराखंड के सुलगते जंगलों पर सुप्रीम कोर्ट ने धामी सरकार से पूछे कई सवाल

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। उतराखंड के जंगलों में लगी भीषण आग का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारों से कई सवाल पूछे। उत्तराखंड सरकार ने जब फंड का मुद्दा उठाया तो अदालत ने केंद्र से पूछा जब आग से निपटने के लिए राज्य सरकार ने आपसे 10 करोड़ रुपए मांगे तो 3।15 करोड़ ही क्यों दिए गए। वहीं उत्तराखंड सरकार से पूछा कि जंगलों में आग के बावजूद वन कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी पर क्यों लगाया। अदालत ने कहा कि आपने हमें रोजी पिक्चर दिखाई यानी सब्जबाग दिखाए, जबकि स्थति ज्यादा भयावह है। उतराखंड मे 280 जगहों पर आग लगी है। अदालत में वकील ने कहा कि फंडिंग बहुत बड़ा मुद्दा है। हम जैव ईंधन के उपयोग को अनिवार्य बना रहे हैं।

वहीं याचिकाकर्ता राजीव दत्ता ने दलील देते हुए कहा कि कुमाऊं रेजिमेंट बिजली उत्पादन के लिए पाइन नीडल का उपयोग कर रही है। अदालत ने उत्तराखंड सरकार से कहा कि वह कुमाऊं रेजिमेंट से सीख क्यों नहीं लेती। वकील ने कहा कि आधे कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर हैं। जिस पर कोर्ट ने सवाल पूछा कि आपने वन कर्मचारियों को आग के बीच चुनाव ड्यूटी पर क्यों लगाया है। वहीं अधिकारी ने अदालत को बताया कि चुनाव ड्यूटी खत्म हो चुकी है, यह पहले चरण में थी। मुख्य सचिव ने हमें निर्देश दिया है कि वन विभाग के किसी भी अधिकारी को चुनाव ड्यूटी पर न लगाया जाए।

जानबूझकर जंगलों में लगाई जा रही आग

वकील ने कहा कि हम अब से आदेश वापस लेंगे। इस पर बेंच ने स्थिति को दुखद बताते हुए कहा कि आप केवल बहाने बना रहे हैं। उत्तराखंड के जंगलों में आग के मामले में सुनवाई के दौरान पिटिशनर इन पर्सन राजीव दत्ता ने दलील दी कि कुछ लोग जानबूझ कर जंगलों में आग लगवा कर पेड़ों से निकलने वाला लीसा बेचते हैं। ये धंधा जोरों पर है। आग लगाने के आरोप में पकड़े गए लोग तो महज उनके गुर्गे हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एसवीएन भट्टी और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के सामने सुनवाई के दौरान उत्तराखंड सरकार ने कहा कि हम आग बुझाने में लगे हैं, इस काम में नौ हजार से ज्यादा कर्मचारी जुटे हैं। हमने जंगल में आग लगाने के 420 मुकदमे दर्ज किए हैं। हर दूसरे दिन मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। हम जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: सपने देखो और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करो।

भुवनगिरी में किसानों का विरोध प्रदर्शन

धान खरीद में देरी से नाराज हैं किसान

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धान की खरीद में हो रही देरी से राज्य के किसान नाराज हैं। उनका आरोप है कि राज्य सरकार अनाज नहीं खरीद पा रही है। अपनी आंखों के सामने फसल बर्बाद होने से हताश किसान इस बात से चिंतित हैं कि उनकी देखभाल नहीं की जा रही है। वे सरकारी दफ्तरों में तालाबंदी कर और सड़कों पर धरना देकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।यादाद्री भुवनगिरी जिले में किसानों ने विरोध का रास्ता अपनाया और धरना दिया। एक महीने बाद भी सरकारी खरीद केंद्रों पर धान की खरीद नहीं होने से नाराज किसानों ने बुधवार को बीबीनगर मंडल के गुडूर गांव में हैदराबाद-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन किया। एक घंटे तक रास्ता रोको आंदोलन किया गया। नतीजतन, राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई किलोमीटर तक वाहन फंसे रहे। स्थानीय तहसीलदार श्रीधर द्वारा अनाज खरीदने का आश्वासन दिए जाने के बाद किसानों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया। इससे पहले दिन में भुवनगिरी मंडल के पचलापडु टांडा गांव के आदिवासी किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया और मांग की कि उनका धान खरीदा जाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से कई बार धान खरीदने के लिए कहा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और धान नहीं खरीदा तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना
सं.436/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी

PUB/0449

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.7/6/24 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1, टेन्डर आय़डी-2685, एसआरडीईएन/डीइएनः -पश्चिम, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 14.018 टीकेएम का नवीकरण या रिन्युएल(पी) कार्य। एसडब्ल्यू-।।- डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 1.78 टीकेएम का संपूर्ण ट्रैक नवीकरण या रिन्युएल(पी) कार्य । एसडब्ल्यू-।।।- डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 1.884 टीकेएम का संपूर्ण ट्रैक नवीकरण या रिन्युएल(एस) कार्य । एसडब्ल्यू IV - डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 0.982 टीकेएम का रेल नवीकरण या रिन्युएल(एस) कार्य । एसडब्ल्यू-V - एनडीएल यार्ड रोड नं.4 में कुल लंबाई 0.99 टीकेएम का स्लीपर नवीकरण या रिन्युएल(पी) कार्य ।
अनुमानित मूल्यः रु.18283870/-,बोली सुरक्षा- रु.241400/-

क्रम सं. 2, टेन्डर आय़डी-2686, एसआरडीईएन/डीइएनः -पश्चिम, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। एडीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 44.197 टीकेएम के लिए बीसीएम द्वारा बल्लास्ट का नवीकरण या रिन्युएल(मेन लाइनें) कार्य। एसडब्ल्यू-।।- एडीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 4.05% टीकेएम का मैन्युएल रूप से बल्लास्ट नवीकरण या रिन्युएल(लूप लाइन्स) कार्य । अनुमानित मूल्यः रु.32713886/-,बोली सुरक्षा- रु.313600/-

क्रम सं. 3, टेन्डर आय़डी-2687, एसआरडीईएन/डीइएनः -पश्चिम, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। एडीइएन/एनडीएल सेक्शन में कुल लंबाई 12.705 टीकेएम के लिए बीसीएम द्वारा बल्लास्ट का नवीकरण या रिन्युएल(मेन लाइनें) कार्य। एसडब्ल्यू-।।- एडीइएन/एनडीएल सेक्शन में कुल लंबाई 9.842 टीकेएम का मैन्युएल रूप से बल्लास्ट नवीकरण या रिन्युएल(लूप लाइन्स) कार्य । अनुमानित मूल्यः रु.18824248/-,बोली सुरक्षा- रु.244100/-

क्रम सं. 4, टेन्डर आय़डी-2688, एसआरडीईएन/डीइएनः -पश्चिम, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 57.433 टीकेएम के लिए फिट्टीन्स नवीकरण या रिन्युएल(मेन लाइनें) कार्य। एसडब्ल्यू-।।- डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-5 नग, (एफएस+टीडब्ल्यूएस)-1 नग का टर्नआउट रिन्युएल या नवीकरण कार्य । एसडब्ल्यू-III डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में इम्प्रूव्ड एसइजे सहित एसइजे-30 नग का रिन्युएल या नवीकरण कार्य ।एसडब्ल्यू-IV- डीइएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में जीजे-45 नग का रिन्युएल या नवीकरण कार्य ।अनुमानित मूल्यः रु.21578549/-,बोली सुरक्षा- रु.257900/-

क्रम सं. 5 --टेन्डर आय़डी-2689, एसआरडीईएन/डीइएनः -उत्तर, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। एडीइएन/एनएलडीए सेक्शन में कुल लंबाई 34.434 टीकेएम के लिए रेल नवीकरण या रिन्युएल(पी) कार्य। एसडब्ल्यू-।।- एडीइएन/एनएलडीए सेक्शन में कुल लंबाई 16.536 टीकेएम के लिए बीसीएम द्वारा बल्लास्ट रिन्युएल या नवीकरण(मेन लाइन) कार्य । एसडब्ल्यू-III एडीइएन/एनएलडीए सेक्शन में कुल लंबाई 8.355 टीकेएम का मैन्यूएल रूप से बल्लास्ट रिन्युएल या नवीकरण(लूप लाइन्स) कार्य ।एसडब्ल्यू-IV- एडीइएन/एनएलडीए सेक्शन में कुल लंबाई 27.685 टीकेएम का फिट्टीन्स रिन्युएल या नवीकरण कार्य । एसडब्ल्यू-V -एडीइएन/एनएलडीए सेक्शन में (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 7 नग का टर्नआउट रिन्युएल या नवीकरण कार्य। एसडब्ल्यू VI- एडीइएन/एनएलडीए सेक्शन में इम्प्रूव्ड एसइजे सहित एसइजे 16 नग का नवीकरण या रिन्युएल कार्य। अनुमानित मूल्यः रु.52121267/-,बोली सुरक्षा- रु.410600/-

क्रम सं.6 --टेन्डर आय़डी-2690, उत्तर , कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। एडीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 3.485 टीकेएम के लिए रेल नवीकरण या रिन्युएल(पी) कार्य। एसडब्ल्यू-।।- एडीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 28.447 टीकेएम के लिए बल्लास्ट रिन्युएल या नवीकरण(मेन लाइन) कार्य । एसडब्ल्यू-III एडीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 9.556 टीकेएम का मैन्यूएल रूप से बल्लास्ट रिन्युएल या नवीकरण(लूप लाइन्स) कार्य । एसडब्ल्यू-IV- एडीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन में कुल लंबाई 69.109 टीकेएम(सभी फिट्टीन्स) तथा 22.576 टीकेएम(रब्बर पैड्स मात्र) का फिट्टीन्स रिन्युएल या नवीकरण कार्य । एसडब्ल्यू-V -एडीइएन/नार्थ-जीएनटी सेक्शन में (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 13 नग का टर्नआउट रिन्युएल या नवीकरण कार्य। एसडब्ल्यू VI- एडीइएन/नार्थ-जीएनटी सेक्शन में इम्प्रूव्ड एसइजे सहित एसइजे 15 नग का नवीकरण या रिन्युएल कार्य। एसडब्ल्यू VI।- एडीइएन/नार्थ-जीएनटी सेक्शन में ग्ल्यूड जायन्ट्स(जीजे) 49 नग का नवीकरण या रिन्युएल कार्य। अनुमानित मूल्यः रु.61152641/-,बोली सुरक्षा- रु.455800/-

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति दि.7-6-2024 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु www.ireps.gov.in पर लागआन करें।

अधिक संचार जानकारी /शुद्धिपत्रों को ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in से सूचित किया जायेगा।

मंडल रेल प्रबंधक(कार्य), गुंटूर

भारतीय रेल
रेल विद्युतीकरण www.ireps.gov.in

निविदा सूचना सं. आरइएससी/इएल/टीएन/24-25/03 दि. 14/05/2024

PUB/0452

भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, मुख्य परियोजना निदेशक, रेल विद्युतीकरण, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा(आनलाइन में) आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1- टेन्डर नं. आरइएससी-इएल-सीबी-डीआरजेड-24-25-04, कार्य विवरणः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तहत रायपुर डिवीजन के टीएसएस में परिवर्तन या माडिफिकेशन्स तथा डल्लीराजहरा स्टेशन(डीआरजेड) स्टेशन पर दो साइडिन्स(राजहरा एवं कुन्डे) के लिए फीडर वायर व्यवस्था प्रावधान सहित 02 नग 25केवी सीबी की डिजाइन, आपूर्ति,इरेक्शन, टेस्टिन्ग एवं कमीशनीन्ग कार्य। अनुमानित मूल्यः रु.97,16,729.49, आनलाइन में जमा की जानेवाली पूधराःरु.1,94,300/-, निविदा प्रपत्र मूल्यः रु.श शून्य, पूरा करने की अवधिः 4 महिने(चार महिने), निविदा खोलने की जगहः सिकंदराबाद

क्रम सं.-2, टेन्डर नं.-आरइएससी-इएल-एसक्यू- जीआर208-23-24-07, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन/रेल विद्युतीकरण परियोजना/सिकंदराबाद के तहत गदवाल व निजामाबाद पर एडीइ/टीआरडी कार्यालयों एवं नार्थ लालागुडा के एडीएसटीइ कार्यालय /गदवाल व मेडचल के सिकंदराबाद एसएसइ(टेलि.) कार्यालयों, कामारेड्डी पर एसएसइ(सिग्नल) कार्यालय का विद्युतीकरणः तथा मुदखेड-मेडचल तथा महबूबनगर ढोने सेक्शन(ग्रूप -208) के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित टाइप-।। के 37 युनिट्स, टाइप ।।। के 10 युनिट्स, टाइप iv के 4 युनिट्स का विद्युतीकरण करना। अनुमानित मूल्यः रु.52,95,269/-, आनलाइन में जमा की जानेवाली पूधराःरु. 1,05,900/-, निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य, पूरा करने की अवधिः4 महिने(चार महिने), निविदा खोलने का स्थानः सिकंदराबाद

क्रम सं.1, कार्य विवरणः ई-टेन्डर (आनलाइन) द्वारा निविदा बंद करने की तिथि एवं समयः 14-06-2024, 15.00 बज

क्रम सं.2, ई-टेन्डर (आनलाइन) द्वारा निविदा खोलने की तिथि व समयः 14-06-2024, 15.30 बजे

निविदा शर्तों/विस्तृत विवरण एवं निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

निविदा दस्तावेजों/शुद्धिपत्रों/जोड परिशिष्ट कोई हो तो, उसे उपरोक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जायेगा।

मुख्य परियोजना निदेशक, रेल विद्युतीकरण, सिकंदराबाद

A0567

निविदा शर्तों/ विवरण की जानकारी(निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है) तथा तत्संबंधित की सबमिशन हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

परिसंपत्तियों और ऋणों के वितरण से संबंधित मामलों पर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दो जून को तेलंगाना राज्य के गठन के दस साल पूरे होने के संदर्भ में दोनों राज्यों के बीच पुन: विभाजन को लेकर अनसुलझे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अधिकारियों को राज्य के विभाजन के बाद परिसंपत्तियों और ऋणों के वितरण से संबंधित सभी लंबित मुद्दों पर एक रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया गया। अनुसूची 9 और अनुसूची 10 में संगठनों और निगमों को वितरण अभी तक पूरा नहीं हुआ है। दोनों राज्यों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। बिजली कंपनियों का बकाया अभी भी बकाया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से अब तक किये गये प्रयासों की जानकारी ली। आगे की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा की गई। दोनों राज्यों को कर्मचारियों के स्थानांतरण जैसे उन मुद्दों को पूरा करने का आदेश दिया गया, जिन्हें सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दोनों राज्यों के बीच सुलह के मुद्दों को सुलझाने और लंबित मुद्दों पर तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए आगे की कार्रवाई करने के लिए सचेत किया। दस साल पूरे होने पर, हैदराबाद, जो संयुक्त राजधानी है, पुनर्विभाजन अधिनियम के अनुसार तेलंगाना राज्य की राजधानी बन जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आंध्र प्रदेश को आवंटित लेक व्यू गेस्ट हाउस जैसी इमारतों को 2 जून के बाद दस साल की अवधि के लिए अपने कब्जे में लेने का निर्देश दिया है। पुनर्वितरण अधिनियम के तहत लंबित मामलों पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की जानी है, जिसका विवरण अब तक दोनों राज्यों के बीच आम सहमति से वितरित किया जा चुका है।मुख्यमंत्री ने इस महीने की 18 मई शनिवार को राज्य कैबिनेट की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। उसमें राज्य पुनर्वितरण अधिनियम में लंबित मुद्दों और एपी के साथ लंबित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा किसानों की कर्जमाफी, अनाज खरीद और अगली खरीफ फसल की योजना पर भी चर्चा होगी। राज्य में लोकसभा चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के साथ, मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक प्रशासन पर ध्यान केंद्रित किया। बुधवार को मुख्यमंत्री ने मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बात की। उन्होंने अनाज उपार्जन की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से बिना किसी परेशानी के सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

आग लगने से जूते की दुकान खाक

संगारेड्डी, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के रामचंद्रपुरम मंडल के अशोक नगर में आधी रात को आग लगने से एक जूते की दुकान जलकर राख हो गई। दुकान से धुंआ देखकर पड़ोसियों ने दुकान मालिक को सूचित किया, जिसने बाद में अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को बुलाया। इस बीच, स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की ताकि इसे पड़ोसी दुकानों तक फैलने से रोका जा सके।

मुख्यालयों पर आयोजित होंगी परीक्षाएं

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसपीएससी ग्रुप- I (प्रारंभिक) और यूपीएससी सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा राज्य में कार्यरत सभी 12 टीएस बीसी स्टडी सर्कल मुख्यालयों पर आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी टीएस बीसी स्टडी सर्कल, हैदराबाद के निदेशक डी.श्रीनिवास रेड्डी ने दी। बुधवार को उन्होंने कहा कि टीएसपीएससी ग्रुप- I के लिए ग्रैंड टेस्ट 18, 20, 22, 24, 25, 27, 29, 31 मई और 1 और 3 जून को आयोजित किया जाएगा। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 23, 26, 28, 30 मई और 2, 4, 6, 8, 10 और 12 जून को आयोजित की जाएगी। इच्छुक पात्र उम्मीदवार अपने आवेदन वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें।

यूओएच की शिल्पा ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस में शोध पत्र प्रस्तुत किया

हैदराबाद,15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. रानी रत्ना प्रभा की देखरेख में काम कर रही हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के सामाजिक विज्ञान संकाय के सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति अध्ययन केंद्र की पीएचडी स्कॉलर शिल्पा राजीवन ने 10 मई 2024 को लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) के अंतर्राष्ट्रीय असमानता केंद्र द्वारा आयोजित 'जलवायु परिवर्तन और असमानता' पर कार्यशाला में "केरल में हरित कर्म सेना (एचकेएस) के माध्यम से लैंगिक भूमिकाओं में परिवर्तन: पारिस्थितिकी देखभालकर्ता के रूप में महिलाएं" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।शिल्पा सम्मेलन की एकमात्र गैर-यूरोपीय/उत्तरी अमेरिकी प्रस्तुतकर्ता थीं। इसके अलावा, उनका शोध पत्र चयनित 12 शोध पत्रों में से एकमात्र गुणात्मक अध्ययन था।

तड़वई जंगल में मृत मिली आंगनबाड़ी शिक्षिका

मुलुगु, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 48 वर्षीय आंगनवाड़ी शिक्षिका बुधवार सुबह तडवई जंगल में मृत पाई गईं। पुलिस के अनुसार सुजाता तडवई मंडल के कथापुरम गांव में आंगनवाड़ी शिक्षिका के रूप में कार्यरत थी। मंगलवार दोपहर को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद वह अपने पैतृक गांव इटुरनगरम के लिए रवाना हो गईं। हालांकि, वह अपने गांव नहीं पहुंची और उसका शव बुधवार सुबह कुछ श्रमिकों को तडवई जंगल में मिला। पुलिस के मुताबिक, सुजाता का शव जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। उसके आभूषण, सेल फोन और हैंडबैग गायब है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

निजी और कॉरपोरेट जूनियर कॉलेजों की संबद्धता निलंबित की जाए : एआईवाईएफ

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय युवा महासंघ (एआईवाईएफ) की राज्य इकाई ने आज राज्य इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड की सचिव श्रुति ओझा को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए संबद्धता की प्रक्रिया पूरी किए बिना प्रवेश अभियान चलाने के लिए निजी और कॉरपोरेट जूनियर कॉलेजों की प्रवेश प्रक्रिया को रोका जाए। अपने ज्ञापन में संगठन ने मांग की है कि इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड को राज्य भर में गैर-मान्यता प्राप्त जूनियर कॉलेजों की सूची घोषित करनी चाहिए। एआईवाईएफ के राज्य महासचिव के. धर्मेंद्र ने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए राज्य भर में निजी और कॉरपोरेट जूनियर कॉलेजों की संबद्धता पूरी किए बिना प्रवेश प्रक्रिया शुरू करना सही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, नियमों के अनुसार, छात्रों को उस कॉलेज में शामिल होना होता है, जहां अनुमति उपलब्ध है। लेकिन, कॉरपोरेट कॉलेजों के जादू के कारण, छात्रों को उन कॉलेजों में प्रवेश लेने के कारण परेशानी हो रही है, जहां अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ये कॉरपोरेट कॉलेज एक जगह कक्षाएं चलाकर और दूसरी जगह उनकी प्रशंसा करके छात्रों और उनके अभिभावकों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "अगर इंटर-बोर्ड अधिकारी कॉलेजों की संबद्धता प्रक्रिया पूरी नहीं करते हैं, तो इस बात का खतरा है कि छात्र भ्रमित हो जाएंगे कि बोर्ड ने किन कॉलेजों को अनुमति दी है।" उन्होंने यह भी कहा कि अगर छात्र ऐसे कॉलेजों में दाखिला लेते हैं, जिन्हें अनुमति नहीं मिली है, तो उनका शैक्षणिक भविष्य खतरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉरपोरेट कॉलेजों ने पैसे ऐंठने के लिए दरवाजे खोल दिए हैं और कहा कि छात्रों से उनके अभिभावकों से फीस के रूप में लाखों रुपये वसूले जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "आईपीएल, आइकॉन, नियॉन, पास्ट ट्रैक और को-स्पार्क जैसे अनधिकृत सेक्शनों से छात्र भ्रमित हो रहे हैं, जिनके पास अनुमति नहीं है।" उन्होंने आरोप लगाया कि गर्मियों में कक्षाएं न चलाने के आदेश के बावजूद, निर्देशों की अनदेखी करके और कक्षाएं चलाकर छात्रों को उनके मन की शांति से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि बोर्ड को कॉरपोरेट कॉलेजों में छात्रों की आत्महत्या को रोकने के लिए सभी कॉलेजों में मानसिक विशेषज्ञ समितियां गठित करने के निर्देश जारी करने चाहिए। एआईवाईएफ के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष नेरलकांति श्रीकांत और राज्य उपाध्यक्ष टी. सत्य प्रसाद, नेता किरण और नागराजू ने बैठक में भाग लिया।

हमें सत्ता और अवज्ञा की नहीं बल्कि सवाल उठाने वाली आवाजों की जरूरत : केटीआर

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज कहा कि राज्य को सत्ता की नहीं बल्कि सवाल उठाने वाली आवाजों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राकेश रेड्डी जैसे व्यक्ति, जो सवाल उठाने वाली आवाज हैं, उन्हें आगामी एमएलसी उपचुनावों में राज्य विधान परिषद के लिए चुना जाना चाहिए। केटीआर ने नलगोंडा-खम्मम-वारंगल स्नातक एमएलसी उपचुनाव पर पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। बाद में उन्होंने मीडिया से बात की। केटीआर ने कहा कि उन्हें पिछले चार बार नलगोंडा-खम्मम-वारंगल संयुक्त स्नातक एमएलसी चुनावों में मौका दिया गया और कहा कि सीट से जीतने वाले बीआरएस पार्टी के एमएलसी ने विधान परिषद में सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी के एमएलसी ने नौकरियों और आने वाली सुविधाओं के मामले में प्रतिबद्धता के साथ काम किया है। उन्होंने कहा, "पिछले साढ़े नौ सालों में हमने देखा है कि हमने शिक्षा के प्रसार और बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए कैसे काम किया है। नए जिलों के निर्माण के अलावा, केसीआर सरकार ने हर जिले में शिक्षा के प्रसार और शिक्षितों के उत्थान के लिए ईमानदारी से काम किया है।" उन्होंने यह भी दावा किया कि बीआरएस सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों और शिक्षकों को देश में सबसे अधिक वेतनमान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी यह कहकर लोगों को धोखा दे रहे हैं कि उन्होंने 30,000 नौकरियां दी हैं, जो वास्तव में केसीआर सरकार ने दी हैं।

"रेवंत रेड्डी कह रहे हैं कि उन्होंने एक भी अधिसूचना जारी किए बिना या एक भी परीक्षा आयोजित किए बिना 30,000 नौकरियां दी हैं। रेवंत रेड्डी ने जीतने के एक साल के भीतर दो लाख नौकरियां देने का वादा किया था। इस सरकार का पांच महीने का कार्यकाल समाप्त हो गया है। हमें अगले छह महीनों में दो लाख नौकरियों की जरूरत है। अगर ये नौकरियां भरनी हैं, तो सवाल उठाने की आवाज उठनी चाहिए और सवाल करने वाली पार्टी होनी चाहिए," उन्होंने कहा। केटीआर ने कहा कि लोगों के साथ न्याय होना चाहिए और शिक्षितों के साथ न्याय होना चाहिए। उन्होंने पार्टी नेताओं से एमएलसी चुनावों में राकेश रेड्डी जैसे युवा और उत्साही व्यक्ति की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा, "एक व्यक्ति, जो न केवल समय-समय पर पार्टियां बदलता है, बल्कि मीडिया का इस्तेमाल करके लोगों को ब्लैकमेल भी करता है, वह कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ रहा है। मुझे नहीं पता कि वह कब किस पार्टी में होगा। मुझे नहीं पता कि कब किस पर आरोप लगाना है।"

करीमनगर में 26 फीसदी मतदाता मतदान से रहे दूर

करीमनगर, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के चुनाव आयोग के प्रयासों के बावजूद बड़ी संख्या में लोग मतदान से दूर रहे। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग और जिला प्रशासन ने लोगों को मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए 2K रन और अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। करीमनगर जिले में हाल ही में हुए चुनाव में 25.93 प्रतिशत मतदाता मतदान से दूर रहे। मतदान छोड़ने वाले अधिकांश मतदाता शहरी क्षेत्रों से हैं। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के अंतर्गत आने वाले 13 विधानसभा क्षेत्रों में नामांकित 32,16,115 मतदाताओं की तुलना में 23,15,233 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 8,34,164 मतदाताओं ने वोट नहीं डाला। जहां सबसे अधिक 77.75 प्रतिशत मतदान मानकोंदूर विधानसभा क्षेत्र में दर्ज किया गया, वहीं सबसे कम 60.51 प्रतिशत मतदान करीमनगर क्षेत्र में दर्ज किया गया।

करीमनगर, पेद्दापल्ली और निज़ामाबाद संसदीय क्षेत्रों में से प्रत्येक में 1 लाख से अधिक नए मतदाताओं ने अपना नाम दर्ज कराया, लेकिन 2024 के चुनावों में मतदान प्रतिशत में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई। करीमनगर संसद क्षेत्र में 1,37,499 नए मतदाताओं ने अपना नाम दर्ज कराया, जिससे कुल वोटों की संख्या 16,50,893 (2019) से 17,88,392 हो गई। पेद्दापल्ली में 1,14,934 नए मतदाताओं ने अपना नाम दर्ज कराया, जिससे मतदाताओं की संख्या 14,78,062 से बढ़कर 15,92,996 हो गई। इस बीच, 1,37,019 नए मतदाताओं ने निज़ामाबाद क्षेत्र में अपना नाम दर्ज कराया। मतदाताओं की संख्या 15,52,828 से बढ़कर 16,89,857 हो गयी। जहां 2019 के चुनाव में करीमनगर में 69.51 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था, वहीं 2024 में 72.54 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

इसमें केवल 3.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पेद्दापल्ली में 2019 के 65.59 प्रतिशत के मुकाबले 67.87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसमें 2.28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। निज़ामाबाद में मतदान प्रतिशत 2019 के 68.44 से बढ़कर 71.92 हो गया। इसमें 3.48 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

चचेरी बहन से नजदीकियां बढ़ाने पर ड्राइवर की हत्या

मंचेरियल, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाजीपुर मंडल केंद्र में मंगलवार रात कथित तौर पर अपनी चचेरी बहन के साथ संबंध रखने के कारण एक युवा ऑटो-रिक्शा चालक की हत्या कर दी गई। मंचेरियल ग्रामीण इंस्पेक्टर अकुला अशोक ने कहा कि आरोपी असदी चैतन्य ने ऑटो चालक मलयाला नरेश (25) पत्थर से हमला किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चैतन्य पर उसके परिवार के सदस्यों से मिली शिकायत के आधार पर नरेश की हत्या का मामला दर्ज किया गया था। कथित तौर पर नरेश चैतन्य की बहन के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा था। चैतन्य ने नरेश को फटकार लगाई और इस मुद्दे को अपने समुदाय के बुजुर्गों के सामने लाया। मंगलवार को नरेश ने लड़की से मिलने का प्रयास किया। चैतन्य ने जब नरेश को देखा तो उसने उसे धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और उसके सिर पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कलेक्टर ने कर्मचारियों को दी दावत

की कड़ी मेहनत की सराहना, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए जनगांव कलेक्टर रिजवान बाशा शेख ने वारंगल लोकसभा क्षेत्र के मतदान कर्मचारियों के लिए पालकुर्थी में समारोह हॉल में एक विशेष दावत का आयोजन किया, जिसमें 13 मई को मतदान के बाद उन्हें भोजन परोसा गया। दावत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, लोगों ने कलेक्टर के प्रयासों की सराहना की, हालांकि कुछ लोगों की भौंहें भी तन गईं।

कलेक्टर ने वीडियो को अपने आधिकारिक हैंडल 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा कि कोई शादी या समारोह नहीं। यह चुनाव के त्योहार का जश्न है। जनगांव जिले के एक स्वागत केंद्र में भोजन की व्यवस्था की गई। मतदान सामग्री

जमा करने के बाद मतदान दलों ने बहुत अच्छा समय बिताया।

प्रभारी जिला जनसंपर्क अधिकारी (डीपीआरओ) एम श्रीनिवास राव के अनुसार जिला कलेक्टर मतदान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मतदान कर्मचारियों को अच्छा व्यवहार देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने पालकुर्थी के एक समारोह हॉल में रात्रिभोज का आयोजन करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि कलेक्टर मतदान कर्मचारियों को विशेष महसूस कराना चाहते थे और इसलिए यह कार्यक्रम हुआ। वीडियो में कुछ बोतलों पर सवाल उठने पर उन्होंने स्पष्ट किया कि वीडियो में दिखाई गई सजी हुई बोतलें शीतल पेय और सोडा थीं। कहा कि कर्मचारियों को कोई शराब नहीं परोसी गई थी। श्रीनिवास ने कहा कि कर्मचारियों को शाकाहारी भोजन परोसा गया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे बोले

चार चरणों के बाद इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में, मोदी की विदाई तय

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के बारे में जानकारी देते हुए की। उन्होंने कहा कि अब तक चार चरणों के चुनाव हो चुके हैं। इंडिया गठबंधन काफी आगे है। जनता ने नरेंद्र मोदी की विदाई तय कर दी है। कहा कि ये चुनाव विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ वो लोग हैं जो कुछ अमीरों के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं और दूसरी तरह गरीबों और युवाओं के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई आरक्षण और संविधान बचाने की लड़ाई है। ये चुनाव को देश के भविष्य को संविधान को बचाने के लिए है।

संविधान बचेगा तो आरक्षण भी बचेगा। उन्होंने कहा कि तानाशाही में लोगों के वोट का अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहेगा। भाजपा के लोग लोगों को डराकर नामांकन दाखिल नहीं कर दे रहे हैं। हैदराबाद में भाजपा प्रत्याशी मुस्लिम महिलाओं का बुर्का हटाकर देख रही है। यहां तक की बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को भी डराया जा रहा है। इन सबके बावजूद इंडिया गठबंधन आगे है। भाजपा काफी पीछे है। खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने संविधान को बदलने की बात की थी। भाजपा के कई नेता संविधान बदलने की बात करते रहते हैं लेकिन इन सब लोगों को मोदी कभी नहीं मना करते हैं।

जातीय जनगणना हमारा एजेंडा

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम सत्ता में आने पर जातीय जनगणना करेंगे। इससे लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का अंदाजा लग सके।

ये हम देश को कमजोर करने के लिए नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमारे घोषणा पत्र के बारे में झूठ फैला रहे हैं। वो बताते हैं कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का सर्वे करवाएगी। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वो जितना कांग्रेस को गाली देते हैं उतना तो राम का नाम नहीं लेते हैं।

हम सत्ता में आएंगे तो पांच की जगह 10 किलो अनाज देंगे

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी कहते हैं कि देश के 80 करोड़ गरीबों को हम मुफ्त अनाज दे रहे हैं। उन्होंने ये नहीं बताया कि खाद्य सुरक्षा कानून तो हम लेकर आए। इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी तो हम 10 किलो अनाज देंगे। हमने कर्नाटक में किया है तेलंगाना में किया है। प्रेसवार्ता के बाद खरगे अमेठी व रायबरेली में जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। जबकि 17 मई को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अमेठी व रायबरेली में संयुक्त सभा भी प्रस्तावित है।

भाजपा का झूठ जितना परवान चढ़ना था चढ़ चुका है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का झूठ जितना परवान चढ़ना था चढ़ चुका है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने वाली है। 4 जून को प्रेस की स्वतंत्रता का दिन भी होगा। भाजपा 140 सीटें भी नहीं पा पाएगी। उनका रथ फंसा ही नहीं धंस गया है। वो अपने ही नकारात्मक नैरेटिव में फंस गए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन यूपी में 79 सीटें जीत रहा है और क्योटो (काशी) में लड़ाई में है। 4 जून को किसानों की सरकार बनेगी। बेरोजगार युवाओं की सरकार बनेगी।

अखिलेश बोले- अपना वोट बर्बाद न करें बसपा के लोग

बसपा द्वारा इंडिया गठबंधन के खिलाफ प्रत्याशी चुनाव में उतारने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मैं यही अपील करूंगा कि बहुजन समाज के लोग जो बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर में आस्था रखते हैं, जो उनके बनाए हुए संविधान को बचाना चाहते हैं वे अपना वोट खराब न करें। इंडिया गठबंधन की मदद करें जिससे लोकतंत्र को मजबूत किया जा सके।

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- भाजपा 200 पार नहीं कर पाएगी

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल पूछने पर कहा कि भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जितनी सीटें चाहिए वो हम लेकर आ रहे हैं। भाजपा 200 सीटें पार नहीं कर पाएगी।

आरक्षण खत्म करने के लिए 400 का नारा दे रही भाजपा

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि भाजपा 400 सीटें जीतने का नारा इसलिए दे रही है जिससे कि आरक्षण को खत्म किया जा सके। इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी तो हम आरक्षण की सीमा बढ़ाएंगे और जो वर्तमान में है उसे जारी रखेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मां एम्स में भर्ती

इन दिक्कतों के कारण हुईं एडमिट

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की मां को एम्स में भर्ती किया गया है। उन्हें जिरियाट्रिक वार्ड में चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया है। एम्स प्रशासन का कहना है कि वृद्धावस्था में होने वालीं दिक्कतों के चलते उन्हें रूटीन चेकअप के लिए भर्ती किया गया है। उन्हें भर्ती किए जाने की पुष्टि एम्स के पीआरओ ने की। 85 वर्षीय सीएम योगी की मां सावित्री देवी को दोपहर करीब 12 बजे एम्स के जिरियाट्रिक वार्ड में भर्ती कराया गया। एम्स प्रशासन का कहना है कि अधिक उम्र में होने वालीं समस्याओं के चलते रूटीन चेकअप के लिए सावित्री देवी यहां पहुंची हैं।

विभिन्न विभागों के चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य की जांच की। एम्स के पीआरओ संदीप कुमार ने सावित्री देवी के भर्ती होने की पुष्टि की है। इससे पहले बीते दिनों मदर्स डे पर सीएम योगी ने एक तस्वीर शेयर करते हुए अपनी मां को याद किया था। सीएम योगी ने मां का पौर छूते हुए वो तस्वीर शेयर की थी। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया पर वो तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- 'हम सभी की प्रथम पाठशाला, परिवार की समृद्धि का आधार, सेवा, त्याग और ममत्व की प्रतिमूर्ति समस्त मातृशक्ति को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!'

मुख्यमंत्री ने मां को किया था याद

उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा- 'माँ का आशीर्वाद एक सुरक्षा कवच की भांति सदैव हमारी रक्षा करता है। सभी माताओं को श्रद्धापूर्ण नमन।' मुख्यमंत्री की मां का इलाज एम्स ऋषिकेश के जिरियाट्रिक वार्ड में चल रहा है। विभिन्न विभागों के डॉक्टर्स ने उनका मंगलवार को चेकअप किया है। इस दौरान एम्स के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बता दें कि 60 साल से ज्यादा उम्र के मरीजों को जिरियाट्रिक वार्ड में भर्ती किया जाता है। इस वार्ड में सभी विभागों के डॉक्टर्स आकर खुद उनका चेकअप करते हैं।

मायावती ने अपने पुराने गढ़ में एक बार फिर बुंदेलखंड राज्य बनाने का किया समर्थन

कहा- बसपा के बगैर नहीं बन पाएगी

झांसी, 15 मई (एजेंसियां)। केंद्र में सरकार झांसी। बसपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा चुनावों में बसपा को प्रदेश में तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश करते हुए सत्तापक्ष व विपक्षी गठबंधन पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस बार बसपा के बगैर केंद्र में किसी की सरकार नहीं बन पाएगी। मायावती ने अपने पुराने गढ़ में वापसी की राह बनाते हुए एक बार फिर बुंदेलखंड राज्य बनाने का समर्थन किया। जालौन और झांसी लोकसभा क्षेत्र के बसपा प्रत्याशियों के समर्थन में संयुक्त चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि केंद्र की सत्ता में भाजपा इस बार आसानी से नहीं आ पाएगी। गरीबों व मध्यम वर्गीय लोगों के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि बसपा को केंद्र में आने से रोकने के लिए सभी दल मिल चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे राशन पर उन्होंने कहा कि राशन आरएसएस और भाजपा का नहीं है। बसपा अध्यक्ष ने अलग बुंदेलखंड राज्य का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार वादा कर रही है, लेकिन बुंदेलखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने के लिए बहुजन समाज पार्टी आज भी कटिबद्ध है।

'कोई माने न माने डीएनए टेस्ट हो जाए तो पांच पीढ़ी पहले आप मेरा ही खून थे'

चुनाव के बीच भावुक हो गए बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह

गोंडा, 15 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अल्पसंख्यक संवाद कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए बड़ा बयान दे दिया। उन्होंने कहा आप हमारे हैं। मेरा खून है। कोई माने या ना माने अगर डीएनए टेस्ट हो जाए तो पांच पीढ़ी पहले आप मेरा ही खून थे। जितना भी वोट यहां से जाएगा। 5 से 600 किलोमीटर दूर बैठे मेरे जीवन और मेरे राजनीति और मेरे जीवन की समाप्त होने की तमाशा देखने वाले लोगों के गाल पर तमाचा होगा और उनका गाल लाल लाल हो जाएगा। सांसद ने कहा कि वो समझ जाएंगे कि किसी व्यक्ति से पाला पड़ा है। बीजेपी सांसद ने यह भी कहा कि अगर बीज बोना है तो कमल का बीज बोइए नहीं तो कोई बीच मत बोइए।

'फ्री का राशन लेते हो और वोट नहीं देते हो', कहकर होमगार्ड ने की चौकीदार की पिटाई

बरेली, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में दो होमगार्ड ने एक चौकीदार की पिटाई की।पीड़ित का आरोप है कि वह अपनी जमीन की फर्द के लिए तहसील गया था, जहां तैनात दो होमगार्ड ने उससे कहा कि फ्री का राशन लेते हैं और वोट भी नहीं देते। इसके बाद दोनों में कहा सुनी हुई और बात हाथापाई तक पहुंच गई। फिलहाल पीड़ित ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। मामला बरेली के कस्बा नवाबगंज नगर के गांव बहोरनगला का है। यहां के रहने वाले वीरेंद्र कुमार नवाबगंज थाने में चौकीदार के पद पर तैनात हैं। वीरेंद्र कुमार अपनी जमीन की फर्द निकलवाने तहसील पहुंचे थे। चौकीदार के मुताबिक, यहां कार्यालय में तैनात होमगार्ड उन्हें देखकर टिप्पणी करने लगा। इस दौरान होमगार्ड ने चौकीदार से कहा कि सरकार से फ्री का राशन लेते हैं और वोट भी नहीं देते।

दोनों होमगार्ड ने पीटा चौकीदार को

चौकीदार के मुताबिक, इस दौरान होमगार्ड उन्हें गाली देने लगा, जब उन्होंने इस बात का विरोध किया तो होमगार्ड ने चौकीदार को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद दोनों में कहा-सुनी हो गई। देखते ही देखते यह कहा सुनी मारपीट में बदल गई। इसी बीच मामले को देख दूसरा होमगार्ड भी मौके पर पहुंच गया। दोनों होमगार्ड ने चौकीदार को तहसील परिसर के बाहर जमीन पर पटक कर लात घूसों और रायफल की बटों से पीटा और घायल कर दिया। जबकि वहां मौजूद लोग खड़े हुए देखते रहे।

समस्तीपुर में स्नान कर रहे 3 जवान गंगा नदी में डूबे, 2 को लोगों ने बचाया, एक की तलाश जारी

समस्तीपुर, 15 मई (एजेंसियां)। समस्तीपुर में गंगा नदी में स्नान के दौरान शाम असम राइफल्स के तीन जवाब डूब गए थे। दो को लोगों ने बचा लिया था जबकि तीसरे की तलाश दूसरे दिन बुधवार (15 मई) को भी जारी है। स्थानीय गोताखोर सहित एसडीआरएफ की टीम तलाश कर रही है। लापता जवान की पहचान मिंटू राय के रूप में की गई है। लोगों का अनुमान है कि जवान पानी की लहर में बहकर पटना के इलाके में चला गया होगा क्योंकि नदी के दूसरी तरफ पटना जिला है। मंगलवार की दोपहर चुनाव ड्यूटी के लिए आए हुए असम राइफल के तीन जवान मोहनपुर कैंप से निकलकर गंगा नदी में स्नान करने निकले थे। स्नान करने के दौरान तीनों गहरे पानी में जाकर डूबने लगे। जवानों को पानी में डूबते देख स्थानीय लोगों ने पानी में कूदकर दो जवानों को बाहर निकाल लिया था।

वहीं मिंटू का कुछ पता नहीं चल सका क्योंकि पानी का बहाव काफी तेज था। घटना की सूचना पर पहुंचे पटोरी एसडीओ सहित स्थानीय थाने की पुलिस ने एसडीआरएफ को इसकी सूचना दी। मंगलवार की देर शाम अंधेरा होने के बावजूद भी एसडीआरएफ की टीम डूबे जवान की तलाश में लगी रही। बावजूद उसका पता नहीं चल सका। रात में तलाशी रोक दी गई। अगले दिन फिर से शुरू हुई।

स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ उनके बेटे ने किया नामांकन, पिता-पुत्र होंगे आपने-सामने!

कुशीनगर, 15 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के बाद अब उनके बेटे उत्कृष्ट मौर्य ने भी यूपी की कुशीनगर लोकसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उत्कृष्ट ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन पत्र भरा है। जिसके बाद अब पिता और पुत्र दोनों एक ही सीट से चुनाव लड़ेंगे। उत्कृष्ट मौर्य मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपना पर्चा दाखिल कर दिया। हालांकि इस दौरान पिता स्वामी प्रसाद मौर्य उनके साथ दिखाई नहीं दिए। इससे पहले 9 मई को स्वामी प्रसाद मौर्य भी कुशीनगर सीट से अपना पर्चा दाखिल कर चुके हैं। वो अपनी पार्टी आरएसपी के उम्मीदवार होंगे। लेकिन, अब उनके बेटे के भी निर्दलीय चुनाव मैदान में आने के बाद पिता और पुत्र एक सीट पर आमने-सामने दिखाई देंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य काफी समय से अपने बेटे की राजनीति में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके बेटे दो बार यूपी की ऊंचाहार सीट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन दोनों बार मामूली अंतर से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2022 विधानसभा चुनाव के दौरान भी सपा में रहते हुए मौर्य ने अखिलेश यादव से उनके बेटे को टिकट देने की मांग की थी हालांकि सपा अध्यक्ष ने अपने करीबी रहे मनोज पांडेय पर भरोसा जताया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने राज्यसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी पर दोहरा रवैये का आरोप लगाते हुए इस्तीफ़ा दे दिया था, जिसके बाद उन्होंने अपनी नई पार्टी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी का गठन कर लिया है। नई पार्टी बनाने के बाद लोकसभा चुनाव में उन्होंने इंडिया गठबंधन को समर्थन देने का एलान किया था।

सपा के साथ जाने की तैयारी में राजा भैया! बीजेपी से नहीं बनी बात

प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बीच कुंडा विधायक राजा भैया का रोल अहम होते जा रहा है। पहले कुंडा विधायक से बीजेपी ने समर्थन मांगा था। लेकिन राजा भैया ने समर्थकों के साथ बैठक की और फिर किसी भी पार्टी को समर्थन नहीं देने का ऐलान किया। लेकिन अब सूत्रों की मानें तो राजा भैया की बात समाजवादी पार्टी के साथ बनती नजर आ रही है। सूत्रों की मानें तो कुंडा विधायक राजा भैया का रोल पूर्वांचल की कौशांबी, प्रतापगढ़ और इलाहाबाद सीट पर काफी अहम होने जा रहा है। इस वजह से सपा ने राजा भैया से संपर्क साधा है। वहीं सूत्रों की मानें तो राजा भैया सपा का समर्थन भी कर सकते हैं। हालांकि इससे पहले राजा भैया ने मंगलवार को किसी भी पार्टी का समर्थन नहीं करने का ऐलान किया था। यह ऐलान उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बैठक करने के बाद किया था। गौरतलब है कि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुंडा विधायक

रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया था। राजा भैया ने बेंती राजभवन में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस दल के प्रत्याशी को आप कसौटी पर खरा पाते हों, उसको वोट दें। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नोटा नहीं बल्कि वोट देने का विकल्प चुनें। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री डॉ। संजीव बालियान के साथ कौशांबी से भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर ने राजा भैया से मुलाकात करके उनका समर्थन मांगा था।

यूपी के इस मंडल में 70 पुलिसकर्मियों पर एक साथ हुई कार्रवाई, वजह जानकर आप भी कहेंगे- सही हुआ

गोरखपुर, 15 मई (एजेंसियां)। पासपोर्ट सत्यापन में मनमानी करने वाले गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज जिले में तैनात 70 पुलिसकर्मियों को दंडित किया गया है। डीआइजी रेंज आनंद कुलकर्णी को पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति से मिले फीडबैक के आधार पर यह कार्रवाई हुई है। गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज जिले में हर माह 12 से 15 हजार लोग पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन करते हैं।

थाना स्तर पर होने वाले सत्यापन के दौरान आवेदक से किसी ने रुपये तो नहीं लिए या उसे परेशान किया इसका फीडबैक रोजाना डीआइजी कार्यालय से लिया जा रहा है। आवेदक से फोन पर बातचीत करने के बाद फीडबैक सेल डीआइजी को रोजाना रिपोर्ट देते हैं। पिछले चार माह में रैंडम आधार पर आवेदक से फोन पर हुई बातचीत

में गोरखपुर रेंज के थानों पर तैनात 70 पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली खराब पायी गई जिसमें कई लोग सत्यापन के लिए रुपये मांग रहे थे। वहीं कुछ पुलिसकर्मी आवेदक को बेवजह परेशान कर रहे थे। समीक्षा के बाद डीआइजी ने जांच कराई आरोप की पुष्टि होने पर पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के साथ ही सात को लाइन हाजिर किया गया। 21 को लघुदंड देने के बाद सत्यापन के लिए आवेदक के घर न जाने वाले 17 पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई। आवेदक को परेशान करने वाले 20 पुलिसकर्मियों का पटल परिवर्तन कर दिया गया।

डीआइजी के निर्देश पर हुई कार्रवाई के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है। डीआइजी रेंज आनंद कुलकर्णी ने कहा कि पासपोर्ट सत्यापन में कोई पुलिसकर्मी मनमानी न करे इसके लिए रेंज कार्यालय में फीडबैक सेल बनाया गया है। आवेदक की डिटेल लेने के बाद फोन पर उससे बातचीत की जाती है। कहा कि फीडबैक में मनमानी या रुपये मांगने की जानकारी मिलने पर जांच कराकर कार्रवाई कराई जा रही है। सत्यापन के नाम पर अगर कोई रुपये की मांग करता है तो आवेदन संख्या के साथ उक्त पुलिसकर्मी का नाम व नियुक्ति स्थान बताएं, कार्रवाई होगी।

झाड़-फूंक कराने गई थी मौलवी ने किया रेप, महिला ने पुलिस को बताई आपबीती

बदायूं, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दरगाह पर झाड़-फूंक कराने पहुंची एक महिला ने मौलवी पर बलात्कार का आरोप लगाया है। साथ ही मौलवी ने महिला का अश्लील वीडियो भी बनाया। वहीं, जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम मामले की जांच में जुट गई है। मामला बदायूं जिले में सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित बड़े सरकार की दरगाह का है। पुलिस उपाधीक्षक आलोक मिश्रा के मुताबिक, महिला इस दरगाह पर झाड़-फूंक के जरिए इलाज करा रही थी। महिला बिजनौर की रहने वाली है। पुलिस ने बताया कि बीते मंगलवार को महिला ने सीनियर पुलिस अधिकारी से शिकायत की। महिला के मुताबिक, वह लगभग एक साल से झाड़-फूंक के जरिये इलाज कराने के लिए बदायूं में रह रही है। महिला का आरोप है कि दरगाह में चुनरी और चादर की दुकान लगाने वाले मौलवी राहत ने उसे इलाज के नाम पर झांसा दिया और अपने कमरे में ले गया, जहां मौलवी ने अपने कमरे में ले जाकर महिला के साथ रेप किया।

जहानाबाद लोकसभा सीट पर लालू यादव की बढ़ गई टेंशन, आरजेडी के बागी ने किया नामांकन

जहानाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में बिहार के जहानाबाद में एक जून को मतदान होना है। जैसे-जैसे वोटिंग डे नजदीक आ रहा है चुनाव रोचक होता जा रहा है। अब तक एनडीए के जदयू प्रत्याशी चंद्रेश्वर चंद्रवंशी और महागठबंधन के राजद प्रत्याशी सुरेंद्र यादव के बीच सीधी लड़ाई मानी जा रही थी। लेकिन, अब जहानाबाद की जंग में अचानक ट्विस्ट आ गया है और यहां से एक नेता ने जहानाबाद संसदीय क्षेत्र में सियासी हलचल मचा दी है। दरअसल, जहानाबाद लोकसभा चुनाव से पहले राजद को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश महासचिव और पूर्व विधायक मुनिलाल यादव ने पार्टी से बगावत का झंडा बुलंद करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। माना जा रहा है कि पिछले कई चुनाव से जहानाबाद लोक सभा क्षेत्र से दूसरे नंबर पर रहने वाली राजद पार्टी और इसके प्रत्याशी के लिए मुनिलाल मुसीबत खड़ी कर सकते हैं। बता दें कि राजद के पूर्व विधायक और प्रदेश महासचिव मुनिलाल यादव ने नामांकन के अंतिम दिन अपनी पार्टी से बगावत कर दिया है। मंगलवार को उन्होने अपने समर्थकों के साथ समाहरणालय पहुंच कर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। नामांकन के बाद उन्होंने बताया कि इंडिया और एनडीए गठबंधन ने बाहरी कैंडिडेट को टिकट दिया है, जिससे आम लोगों में निराशा है। उन्होंने खुद को लोकल बताते हुए कहा कि वो लोगों के बीच में रह कर उनके सुख दुख के भागीदार बनेंगे। नामांकन के बाद बड़ी तादाद में पहुंचे उनके समर्थकों ने जमकर नारेबाजी करते हुए उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। मुनीलाल यादव ने नॉमिनेशन के बाद काको रोड स्थित ईटी कॉलेज में सभा का आयोजन किया। गौरतलब है कि चुनाव आते ही नेताओं का पार्टी बदलने और एक तरफ से दूसरी तरफ जाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। कभी सदन में पहुंचने की ख्वाहिश तो कभी क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दिखाने को लेकर अपनी पार्टी से भी बगावत का झंडा बुलंद कर लेते हैं।

राजद के प्रदेश महासचिव मुनिलाल यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जहानाबाद सीट से नामांकन दाखिल किया

अब भले ही जहानाबाद लोकसभा का चुनाव बाहरी और लोकल के नाम पर लड़ने का बिगुल फूंक जा रहा है, मगर इतना तो तय है कि एक ही दल के दो नेताओं के चुनाव मैदान में उतर जाने से विरोधी दल के नेता भी खुश हैं। अब मुनिलाल यादव के मैदान में उतर जाने से मुकाबला एक बार फिर से रोचक होने वाला है। वहीं, इससे पहले एनडीए गठबंधन में शामिल लोजपा के नेता अरुण कुमार ने पार्टी छोड़ कर बहुजन समाज पार्टी से उम्मीदवारी पेश की है। जहानाबाद लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी के रूप में जहानाबाद से दो बार सांसद रहे अरुण कुमार ने भी अपना नामांकन दाखिल किया है जिसके बाद सियासी लड़ाई चतुष्कोणीय होती दिख रही है। अरुण कुमार ने दावा किया है कि जहानाबाद में उनकी लड़ाई किसी से नहीं है। यहां के एक प्रत्याशी वर्तमान सांसद एंबुलेंस घोटाला वाला है तो दूसरे पूर्व सांसद महागठबंधन के प्रत्याशी महिला बिल को संसद में फाड़ने वाले हैं।

बंगाल गवर्नर पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का एक और केस

क्लासिकल डांसर से होटल में शोषण का दावा राजभवन की कर्मचारी भी आरोप लगा चुकी

कोलकाता, 15 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ सेक्शुअल हैरेसमेंट का एक और केस सामने आया है। इस मामले में बोस के खिलाफ अक्टूबर 2023 में शिकायत दर्ज कराई गई थी। बंगाल पुलिस ने पिछले हफ्ते राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपी है। मंगलवार (14 मई) को मामला सामने आया है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि एक ओडिशी डांसर ने पिछले साल बंगाल के राज्यपाल पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। डांसर ने अपनी शिकायत में बताया कि वह विदेश यात्रा से जुड़ी दिक्कतों को लेकर राज्यपाल से मदद मांगने गई थी। राज्यपाल ने उसे मदद का भरोसा दिया और कहा कि वह विदेश मंत्रालय से भी संपर्क करें। जनवरी 2023 में राज्यपाल की तरफ से ओडिशी डांसर को दिल्ली आने-जाने के लिए फ्लाइट्स के टिकट मिले थे। आनंद बोस के एक रिश्तेदार ने 5 और 6 जनवरी के लिए दिल्ली के एक 5 स्टार होटल में डांसर के लिए कमरा भी बुक कराया। बोस तब दिल्ली के बंग भवन में रह रहे थे। आरोप है कि राज्यपाल ने होटल जाकर महिला के साथ बदसलूकी की। जांच रिपोर्ट में दावा किया गया कि सीसीटीवी फुटेज में राज्यपाल के होटल में एंट्री और एग्जिट का समय और महिला की शिकायत में बताए गए समय के मिलान की पुष्टि हुई है। हालांकि, ओडिशी डांसर ने यह नहीं बताया कि उसने 10 महीने बीतने के बाद अक्टूबर में शिकायत क्यों दर्ज कराई।

राजभवन की महिला कर्मी ने भी यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया

हाल ही में, आनंद बोस पर राजभवन की महिला कर्मी ने भी यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उसने 2 मई को हरे स्ट्रीट थाने में राज्यपाल के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। महिला का आरोप है कि वो 24 मार्च को स्थायी नौकरी का निवेदन लेकर राज्यपाल के पास गई थी। तब राज्यपाल ने बदसलूकी की। 2 मई को फिर यही हुआ तो वह राजभवन के बाहर तैनात पुलिस अधिकारी के पास शिकायत लेकर गई। हालांकि, राज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महिला के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा, 'ये मुझे बदनाम करने की साजिश है। मेरे ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं। सत्य की जीत होगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं बनावटी नरेटिव से डरने वाला नहीं। कोई मुझे बदनाम करके चुनावी फायदा चाहता है तो भगवान भला करे। मैं भ्रष्टाचार-हिंसा के खिलाफ लड़ाई नहीं रोक सकता।'

टीएमसी ने कहा- क्या मोदीजी राज्यपाल से सफाई मांगेंगे

तृणमूल कांग्रेस सांसद सागरिका घोष ने महिला के आरोपों को लेकर एक वीडियो बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ एक गंभीर आरोप लगाया गया है। एक महिला जब राजभवन गई तो राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उनके साथ छेड़छाड़ की, यौन उत्पीड़न किया और गलत व्यवहार किया। महिला अब पुलिस स्टेशन पहुंच चुकी है, जहां वह अपनी शिकायत दर्ज करा रही है। उन्होंने आगे कहा कि ये गंभीर आरोप तब लग रहे हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता पहुंच रहे हैं। मोदी जी राजभवन में ही ठहरेंगे। क्या मोदी जी राज्यपाल से सफाई मांगेंगे? क्या मोदी जी पूछेंगे कि राजभवन में इस तरह की घटना कैसे घटी?

शुभेंदु अधिकारी बोले- आरोप साजिश तो नहीं

राज्यपाल पर लगे आरोपों को लेकर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह देखना होगा कि आरोप सही हैं या फिर कोई साजिश है। 26,000 शिक्षकों की नौकरी चली गई, संदेशखाली मुद्दे पर तृणमूल घिरी है। देखना होगा कि ये शिकायत राजनीतिक साजिश है या नहीं। अगर यह सच है तो निश्चित तौर पर केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी।

2009 में लड़ा चुनाव, रेप सहित 23 केस, मुंबई होर्डिंग हादसे के आरोपी भावेश भिंडे की कुंडली

घाटकोपर, 15 मई (एजेंसियां)। मुंबई के घाटकोपर में बीते 13 मई को दर्दनाक हादसा हो गया। तेज आंधी के चलते एक बड़ी सी होर्डिंग पेट्रोल पंप पर आ गिरी। इस हादसे में 14 लोगों की मौत और 74 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिस कंपनी ने यह होर्डिंग लगाई थी, पुलिस ने उसके मालिक भावेश भिंडे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, भावेश पर दर्ज यह मामला पहला नहीं है, उसके खिलाफ पहले से भी क्रिमिनल केस दर्ज हैं, जिनमें एक मामला यौन शोषण का भी है। मुंबई के पंत नगर पुलिस ने भावेश भिंडे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी भावेश फरार है और उसका मोबाइल भी बंद है। पुलिस की कई टीमें आरोपी भावेश की तलाश में जुटी हैं। भावेश ने 2009 में मुलुंड निर्वाचन क्षेत्र से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था। भावेश ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में बताया था कि उसके खिलाफ 23 मामले दर्ज हैं, जिनमें मुंबई नगर निगम अधिनियम का उल्लंघन, चेक बाउंस सहित अन्य मामले शामिल थे। घाटकोपर हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हुई है। अब भी एनडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे को हटाया जा रहा है। पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि पेट्रोल पंप के पास लगी होर्डिंग अवैध थी। बीएमसी ने 40 गुणे 40 फीट की होर्डिंग लगाने की ही अनुमति दी थी, लेकिन होर्डिंग का आकार 120 गुणे 120 फीट का था।

बीएमसी के अफसरों पर होनी चाहिए कार्रवाई- संजय राउत

इस हादसे को लेकर महाराष्ट्र में सियासत भी गरमाई हुई है। बीजेपी विधायक राम कदम ने होर्डिंग के साथ कंपनी के मालिक भावेश और उद्धव ठाकरे की फोटो शेयर की। इस बीच, महाराष्ट्र के शिवसेना(यूबीटी) (उद्धव बाबासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत का दावा है कि 14 नहीं, अब 18 लोगों की डेथ हुई है। मुंबई महानगर पालिका का एडमिनिस्ट्रेटर बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा। बीएमसी के अधिकारियों के ऊपर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

स्माइलैक्स कंपनी का नारकोटिक ड्रग लाइसेंस रद्द, दवा निर्माता संघ ने छीनी सदस्यता

बरोटीवाला, 15 मई (एजेंसियां)। (सोलन)ड्रग लाइसेंस अथॉरिटी ने स्माइलैक्स फार्मा कंपनी का नारकोटिक ड्रग (नशीली दवाओं) का लाइसेंस रद्द कर दिया है। नोटिस का जवाब न मिलने पर ड्रग लाइसेंस अथॉरिटी ने यह कार्रवाई की है। इसी कंपनी की दूसरी इकाई बायोजेनिटक कंपनी को भी नोटिस दिया है। अगर वह भी समय पर जवाब नहीं देती तो उसका भी लाइसेंस रद्द किया जाएगा। विभाग ने बीते सप्ताह ही कंपनी को नोटिस जारी किया था, मगर कंपनी प्रबंधकों ने कोई जवाब नहीं दिया। मोहाली में प्रतिबंधित दवाएं मिलने के बाद पंजाब के नारकोटिक सेल व एसटीएफ की टीम ने बद्दी की स्माइलैक्स फार्मा कंपनी में दबिश दी थी। यहां पर टीमों को प्रतिबंधित दवाओं के साथ-साथ ट्रामाडोल और कफ सिरप में इस्तेमाल होने वाला कोडिन भी मिला, जिसे पंजाब से आई टीमों ने कब्जे में ले लिया। कोडिन का इस्तेमाल नशे के लिए भी किया जाता है। ऐसे में इस सारे स्टॉक के प्रयोग करने और दवा उत्पादन में ब्योरे का रिकॉर्ड कई सालों तक रखना पड़ता है। राज्य दवा नियंत्रक कार्यालय की टीम ने भी जांच में पाया कि कंपनी के पास दवा निर्माण का लाइसेंस था, लेकिन इसे बेचने के लिए पहले विभाग, पुलिस अधीक्षक व संबंधित राज्य के ड्रग नियंत्रक को अवगत कराना था। राज्य दवा नियंत्रक कार्यालय की टीम ने स्माइलैक्स कंपनी को नोटिस जारी किया था और तीन दिन के भीतर इसका जवाब मांगा था, लेकिन कंपनी की ओर से निर्धारित समय में कोई भी जवाब नहीं दिया गया। इस पर ड्रग विभाग की लाइसेंस अथॉरिटी ने नारकोटिक ड्रग निर्माण का लाइसेंस रद्द कर दिया है।

इंदौर; रिमूवल गैंग को सेना जैसी वर्दी पहनाने पर विवाद

कांग्रेस बोली- लोगों में डर फैलाने की कोशिश; महापौर बोले- ऐसी वर्दी पहनना अपराध नहीं

इंदौर, 15 मई (एजेंसियां)। इंदौर नगर निगम ने रिमूवल गैंग के लिए सेना के कमांडो जैसी वर्दी का ड्रेस कोड लागू कर दिया है। इससे विवाद पैदा हो गया। कांग्रेस ने इसे सेना का अपमान बताकर आम लोगों में डर फैलाने का प्रयास बताया है। इधर, महापौर ने कहा कि ऐसी ड्रेस पहनना कोई अपराध नहीं है। दरअसल, रिमूवल गैंग फील्ड में अतिक्रमण हटाता है। रोजाना यह कार्रवाई किसी ने किसी क्षेत्र में चलती है और विवाद की स्थिति बनती है। निगम कर्मचारी अभी सामान्य ड्रेस में होते हैं। उनका तर्क है कि कार्रवाई से नाराज होकर कुछ नागरिक हाथापाई, अपशब्द का प्रयोग करने लगते हैं। इस नए ड्रेस कोड से ऐसी स्थिति से बचा जा सकेगा। निगम कर्मचारी भी अभद्रता नहीं कर सकेंगे। इंदौर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा का कहना है कि यातायात सुधार, अतिक्रमण सहित अन्य कार्रवाई के दौरान विवाद होते हैं। ड्रेस कोड होने से इससे बचा जा सकेगा।

नगर निगम के प्रयोग ने विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने कहा कि यह अपराध है और सेना का अपमान है। फौज की ड्रेस कोड हर कोई नहीं पहन सकता। इस तरह की वर्दी क्विक रिस्पांस टीम और पैरामिलिट्री वाले भी पहनते हैं। एक्ट के तहत ही उन्हें मंजूरी है। इससे पहले ग्वालियर निगम द्वारा रिमूवल गैंग को चार साल पहले आर्मी की तरह दिखने वाली डांगरी को वर्दी के रूप में अपनाया गया था। कोविड के समय इंदौर में पुलिस अधिकारियों ने इसी तरह की आर्मी वर्दी पहनना शुरु किया था। दस दिन में ही आर्मी ने इस पर आपत्ति ले ली और पुलिस मुख्यालय को पत्र लिख दिया। आपत्ति के बाद पुलिस ने तत्काल इसके पहनने से रोक लगा दी। आर्मी के एक सीनियर अधिकारी ने कहा था कि लोगों को आर्मी वर्दी जैसे कपड़े न पहने का ऑर्डर नहीं निकाला गया है, क्योंकि आर्मी सिर्फ अपनी फोर्स के लिए ही ऑर्डर निकाल सकती है। कई बार अपील की गई है, बाकी नियम है। निगमकर्मियों के सेना जैसी ड्रेस पहनने पर शहर के सोशल मीडिया ग्रुप्स पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

कांग्रेस बोली- जनता को डराने के लिए किया यह प्रयोग

कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि सेना की वर्दी देश की जनता में सुरक्षा का भाव देती है। आपने ये वर्दी का उपयोग जनता में डर पैदा करने के लिए किया है। आप उस वर्दी का डर दिखाना चाहते हैं जो निंदनीय है। कृपया संज्ञान लें। अपने निर्णय पर पुनः विचार करें। धारा-140 और 171 के तहत दर्ज किया जा सकता है केस कांग्रेस की ओर से गृह मंत्रालय के इस संबंध में सभी राज्यों के सेक्रेटरी को जारी हुए निर्देश का हवाला भी दिया है। उस पत्र के अनुसार जो लोग भी अनाधिकृत तरीके से आई फोर्स (आर्मी, नेवी, एयरफोर्स) की वर्दी या उसके जैसी दिखने वाली यूनिफॉर्म पहनते हैं, उन्हें आईपीसी की धारा-140 और 171 के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है।

500 रुपए का जुर्माना हो सकता है, तीन माह की सजा

आईपीसी की धारा-140 के मुताबिक, अगर कोई यह दिखाने के लिए कि वह आई फोर्सेस का हिस्सा है और आर्मी, नेवी या एयरफोर्स की तरह दिखने वाले कपड़े पहनता है या प्रतीक चिन्ह का इस्तेमाल करता है तो उसे अधिकतम तीन महीने तक की जेल और 500 रुपए का जुर्माना हो सकता है।

महापौर बोले- अनुशासन और एकरूपता के लिए प्रयोग किया

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि रिमूवल गैंग के कर्मचारियों को विशेष प्रकार की ड्रेस है। इससे अनुशासन और एकरूपता रहे। लोगों को भी लग जाए कि यह निगम की रिमूवल गैंग के लोग हैं। उनसे कोई भी अभ्रदता या अन्य प्रकार की स्थिति नहीं बने और उनका प्रभाव भी लोगों के बीच में जाए। इसे सेना की वर्दी से जोड़ना गलत है। उस कलर की वर्दी पहनने की मनाही नहीं है। सेना की वर्दी और स्टार कोई और पहन ले, तो अपराध है लेकिन उस कलर की ड्रेस पहनना कोई अपराध नहीं है।

लड़ाई-झगड़े नहीं करती, लेकिन मुझ पर हमला होता है तो..., चुनाव के बीच कंगना रनौत ने दी चेतावनी

शिमला, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अभिनेत्री कंगना रनौत को हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से टिकट दिया है। कंगना ने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। कंगना ने नामांकन के बाद इंटरव्यू दिया और कहा कि मंडी लोकसभा सीट से उनकी जीत उनके जीवन का सबसे बड़ा महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी। इंटरव्यू में कंगना ने मंडी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह पर भी तीखी टिप्पणी की है। कंगना ने विक्रमादित्य को इशारों में चेतावनी भी दे दी है।दरअसल, कंगना रनौत मंडी सीट से अपने विरोधी विक्रमादित्य सिंह के बयानों का जिक्र कर रही थीं। कंगना ने विक्रमादित्य पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए लेकिन अगर वह अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें उसी तरह की भाषा सुनने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कहां गया केजरीवाल का ये एमएलए

सीएम के जेल से बाहर आने पर भी नहीं की मुलाकात, प्रचार से भी है दूर, आखिर क्यों

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रचार के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली है। मुख्यमंत्री केजरीवाल चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। वह विधायकों से लेकर पार्षद और पार्टी के नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं लेकिन उनका एक विधायक इन दिनों लापता है। वह न तो मुख्यमंत्री के जेल से बाहर आने के बाद उनसे मिला है और न ही लोकसभा चुनाव प्रचार में शामिल हो रहा है। आपको बता दें कि दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर 25 मई को मतदान होना है। आम आदमी पार्टी के सभी नेता अपनी अपनी पार्टी को मजबूत बनाने के इरादे से जनता के बीच उतर चुके हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्ला खान गायब हैं। न वह किसी जनसंपर्क अभियान का हिस्सा बन रहे हैं न रैली का और न ही दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने उनसे मुलाकात की है। माना यह जा रहा है कि वह दिल्ली से बाहर छिपे बैठे हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो उनका आखिरी लोकेशन कुछ दिन पहले लुटियन जोन के आसपास पाया गया है। उसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पा रहा है। माना जा रहा है कि वह आम आदमी पार्टी शासित दूसरे राज्य पंजाब में हो सकते हैं। फिलहाल इसके अभी कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन फिर भी पुलिस और जानकारी जुटाने में लगी हुई है। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और उनके बेटे की तलाश में नोएडा पुलिस की तीन टीमें लगातार दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही हैं। उनके ठिकानों का पता लग रही हैं। इसके साथ-साथ नोएडा पुलिस अमानतुल्लाह और उनके साथ एफआईआर में नामित अन्य लोगों के आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। इसी सिलसिले में नोएडा पुलिस की एक टीम दिल्ली पुलिस से भी मिली है। उनसे विधायक अमानतुल्लाह और उनसे जुड़े लोगों के पुराने सभी एफआईआर और दस्तावेज लिए जा रहे हैं।

विहिप नेता विकास प्रभाकर की हत्या की जांच करेगी एनआईए, केस दर्ज कर पंजाब पुलिस से किया संपर्क

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। पंजाब के नंगल में बीते दिनों विश्व हिंदू परिषद के नेता विकास प्रभाकर की हत्या के मामले में नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी(एनआईए) ने जांच शुरू कर दी है। एनआईए दिल्ली ने विकास प्रभाकर की हत्या के मामले में केस दर्ज कर पंजाब पुलिस से भी सम्पर्क कर इनपुट मांगा है। एनआईए के अधिकारी मामले में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करेंगे। पंजाब पुलिस ने प्रभाकर की हत्या मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जोकि न्यायायिक हिरासत में हैं। नंगल के विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के नेता विकास प्रभाकर उर्फ विकास बग्गा की हत्या पाकिस्तान के इशारे पर हुई थी। हत्या की पुर्तगाल बैठे विदेशी हैंडलर्स की ओर से फंडिंग की गई थी। यह दावा पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने किया था। मामले में पकड़े गए दोनों आरोपियों से पंजाब पुलिस ने बड़े खुलासे किये थे। पाकिस्तान के आईएसआई और आतंकी संगठनों का इस हत्या के पीछे हाथ है। पाकिस्तान के इशारे पर विहिप नेता की हत्या हुई है। देश में इस आतंकी संगठन के नेटवर्क के बाकी नेक्सेस को जल्द तोड़ा जाएगा। एनआईए अब इस हत्या को अंजाम देने में जो और लोग शामिल हैं, उन्हें जल्द ही दबोचेगी।

इससे आतंकवादी मॉड्यूल की जड़ों तक जाने में मदद मिलेगी। पंजाब पुलिस ने जिन दो हमलावरों को गिरफ्तार किया है, उसमे आरोपियों की पहचान मनदीप कुमार उर्फ मंगी और सुरिंदर कुमार उर्फ रिक्का के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने आरोपियों के पास से 32 बोर के दो पिस्टल जिसमें से एक अपराध में इस्तेमाल किया गया था, समेत 16 कारतूस और एक खाली कारतूस बरामद किए थे।

ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर, दो की मौत, चार घायल

अनूपपुर, 15 मई (एजेंसियां)। शहडोल मुख्य मार्ग के मध्य चचाई थाना अंतर्गत बाबाकुटी के पास बुधवार सुबह मेडियारास से काम करके 15 मजदूर लौट रहे थे। उनके ऑटो को अनूपपुर की ओर से जा रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक बालक की घटनास्थल पर तथा एक वृद्ध की जिला अस्पताल अनूपपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना में चार अन्य मजदूर घायल हैं, जिनका जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है।

नेहा हीरेमथ जैसा हाल होगा, धमकी के बाद युवती के घर में घुसकर सिरफिरे ने मचाया तांडव, ऐसे ली जान

हुबली, 15 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के हुबली से एक सन्न कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां बुधवार तड़के एकतरफा प्यार में पागल एक युवक ने एक लड़की के घर में घुसकर उसे चाकू मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी ने पहले भी युवती को चेतावनी दी थी कि उसका भी नेहा हीरेमथ जैसा हाल होगा, जिसकी हाल ही में हुबली के एक कॉलेज परिसर में निर्दयतापूर्वक चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी तड़के 5:30 बजे युवती के घर में घुस गया और सो रही पीड़िता पर हमला कर दिया।

परिवार के लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह युवती को मारकर भागने में कामयाब रहा। उस समय युवती की दादी और दो बहनें घर में मौजूद थीं। आरोपी ने युवती को पूरे घर में घसीटा, उसे लात मारी और चाकू से वार किए। इसके बाद उसने उसे रसोई घर में धक्का दिया और फिर चाकू से वार किए। घटना बेंदीगेरी थाने के वीरापुरा ओनी इलाके की है। मृतक महिला की पहचान अंजलि अंबिगेरा के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान विश्वा उर्फ गिरीश के रूप में हुई है।

एमसीए की छात्रा नेहा हीरेमथ की हत्या के बाद इस तरह की एक और घटना ने शहर को स्तब्ध कर दिया है। विश्वा अभी पुलिस की पहुंच से बाहर है। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि उसने अंजलि को उसकी बात न मानने पर नेहा हीरेमथ का अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। वह अंजलि पर बिना अपने परिवार को बताए उसके साथ मैसुरू जाने के लिए ब्लैकमेल कर रहा था। प्राथमिक जांच में पता चला है कि आरोपी का चोरी के मामलों में आपराधिक रिकॉर्ड है। वह बाइक चोर के रूप में जाना जाता है। अंजलि की दादी गंगम्मा ने कुछ दिन पहले पुलिस को आरोपी की धमकियों के बारे में बताया था,

ग्वालियर राजघराने की राजमाता माधवी का निधन, सीएम समेत अन्य नेताओं ने जताया दुख

भोपाल, 15 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर राजघराने की राजमाता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया का बुधवार सुबह निधन हो गया। वह 70 वर्ष की थीं। माधवी राजे लंबे समय से बीमार चल रही थीं। 15 फरवरी को उन्हें एम्स में भर्ती किया गया था और तब से ही उनकी तबियत खराब चल रही थी। दिल्ली के एम्स से जुड़े सूत्रों ने कहा कि माधवी राजे ने सुबह 9:28 बजे अंतिम सांस ली। पिछले कुछ दिन से वह वेंटिलेटर पर थीं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही थीं। उन्हें 15 फरवरी को एम्स में भर्ती किया गया था। उन्हें सेप्सिस के साथ निमोनिया भी हो गया था।

ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना-शिवपुरी संसदीय सीट से भाजपा के प्रत्याशी हैं, जहां सात मई को मतदान हुआ था। चुनाव प्रचार के दौरान भी सिंधिया का लगातार दिल्ली दौरा होता रहा था। भाजपा के कद्दावर नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया मूल रूप से नेपाल की रहने वाली थीं। उनका नेपाल के राजघराने से संबंध था। उनके दादा जुद्ध शमशेर बहादुर नेपाल के प्रधानमंत्री थे। साल 1966 में उनका माधवराव सिंधिया के साथ उनका विवाह हुआ था।

15 फरवरी को किया गया था भर्ती

माधवी राजे को सांस में तकलीफ होने पर 15 फरवरी को दिल्ली के एम्स में भर्ती किया गया था। वह लाइफ सपोर्ट सिस्टम (वेंटिलेटर) पर थीं। खुद ज्योतिरादित्य ने गुना में चुनाव प्रचार के दौरान राजमाता के बीमार होने की जानकारी दी थी। दो मार्च को 195 प्रत्याशियों की सूची में भाजपा ने सिंधिया को गुना-शिवपुरी से उम्मीदवार बनाया था। इसके तीन दिन बाद सिंधिया ने अपने क्षेत्र में पहला कार्यक्रम किया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि राजमाता पिछले कुछ दिनों से बीमार है। आप लोगों में भी तो मेरा भाई, बहन, मां-पिता हैं। मैं परिवार को परेशानी में नहीं देख सकता। ओलावृष्टि ने फसलों को बर्बाद किया है। ऐसे दुख के समय में मुझे भी आपसे मिलने आना ही था।

मां के करीब थे ज्योतिरादित्य

ज्योतिरादित्य को अपनी मां के काफी करीब माना जाता है। मां की तबियत ठीक नहीं होने की वजह से ज्योतिरादित्य भी भाजपा के कार्यक्रमों से दूर ही रहे। सिर्फ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद से वे लगातार दिल्ली में ही बने हुए थे। चुनाव प्रचार के दौरान भी बीच-बीच में दिल्ली दौरा करते रहे। चुनाव प्रचार थमते ही ज्योतिरादित्य का पूरा परिवार दिल्ली आ गया था।

सिंधिया कार्यालय से यह बयान किया गया जारी

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि बड़े दुःख के साथ ये साझा करना चाहते हैं कि राजमाता साहब नहीं रहीं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता व ग्वालियर राज घराने की राजमाता माधवी राजे सिंधिया जी का इलाज पिछले दो महीनों से दिल्ली के एम्स अस्पताल में चल रहा था। पिछले दो सप्ताह स्थिति बेहद क्रिटिकल थी। आज सुबह 9 ।28 बजे उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में आखिरी सांस ली।

कल ग्वालियर में होगा अंतिम संस्कार

राजमाता माधवी राजे सिंधिया का अंतिम संस्कार ग्वालियर में होगा। इससे पहले आज दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक उनका पार्थिव शरीर नई दिल्ली स्थित आवास 27 सफदरजंग रोड पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बादा उन्हें अंतिम संस्कार के लिए ग्वालियर लाया

बैंककर्मी ने लुटवा दिया था अपना ही बैंक, पुलिस ने किया साजिश का खुलासा, 41 लाख रुपये बरामद

दमोह, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिले के एक बैंक में हुई लूट का मास्टरमाइंड उसी बैंक में काम करने वाला शख्स निकला। कमाल की बात है कि उसी कर्मचारी ने पुलिस के पास जाकर बैंक में लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। बता दें कि मंगलवार देर शाम फतेहपुर मध्यांचल ग्रामीण बैंक में हुई 41 लाख रुपये की लूट हुई थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस तुरंत जांच में जुट गई और कुछ ही घंटों के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में बैंक के एक कर्मचारी सहित 3 आरोपियों को हिरासत में लेकर लूट के पूरे पैसे भी बरामद कर लिए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, दमोह जिले के फतेहपुर मध्यांचल ग्रामीण बैंक में मंगलवार की देर शाम लूट की वारदात हुई थी। बताया गया था कि 5 बदमाश आए और हथियार के दम पर बैंक लूट लिया। यह भी कहा गया था कि लुटेरों ने बैंक के एक कर्मचारी पर हमला भी किया। लुटेरे बैंक से 41 लाख रुपये से ज्यादा की रकम लूटकर ले गये थे। 41 लाख रुपये की लूट की सूचना मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने जब मौके का मुआयना किया तो उसे नाली में 100-100 के नोट की 2-3 गड्डी मिली।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 16 मई - 2024

लापरवाही पर लगाम नहीं

सोमवार को मुंबई में तेज आंधी के साथ बेमौसम बारिश क्या हुई कि पंद्रह लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे। जाहिर है ये मौतें किसी हादसे से कम नहीं है। वजह साफ है कि इस हादसे के पीछे संबंधित महकमों की बहुस्तरीय लापरवाही देखने को मिल रही है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसे हादसों की वजहें आम जन से लेकर सरकार तक को मालूम होता है लेकिन पता नहीं क्यों सारा महकमा आंखें मूंद लेता है। किसी बडे हादसे के बाद जब मामला तूल पकड़ लेता है तब जिम्मेदार अफसरों की नींद खुलती है। मुंबई के घाटकोपर स्थित हादसे वाली जगह पर जब लोग आंधी व तूफान से बचने के लिए विशाल होर्डिंग के नीचे खडे थे तभी वह अचानक गिर पडा। लोग भाग पाते उससे पहले ही कई लोग घायल हो गए। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई जबकि बडी संख्या में लोग घायल हो गए हैं। मुंबई में धूलभरी आंधी के दौरान घाटकोपर में एक पेट्रोल पंप के पास खड़ा सौ फुट से ज्यादा लंबा बिलबोर्ड गिर गया। वहीं खड़े सौ से ज्यादा लोग उसकी चपेट में आ गए, जिनमें चौदह लोगों की मौत हो गई और चौहत्तर घायल हो गए। बाद में एक घायल की अस्पताल में मौत हो गई। प्रथम दृष्टया इस हादसे की वजह तेज आंधी को कहा जा सकता है। लेकिन केवल बिगड़े मौसम पर इसकी जिम्मेदारी थोप देना भी बेईमानी होगी। हैरानी की बात यह है कि मुंबई में लगे इस होर्डिंग को बाद में अवैध बताया गया, जिसे लगाने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। विचित्र किन्तु सत्य है कि मुंबई जैसे महानगर में, जहां किसी इलाके में फुटपाथों तक पर लगने वाली दुकानों के वैध-अवैध होने के बारे में प्रशासन को पूरी जानकारी दी जाती हो, वहां सौ फुट से ज्यादा ऊंचा होर्डिंग खड़ा था और उसके अवैध होने के बारे में किसी को जानकारी तक नहीं थी। जब हादसा हुआ तो जांच पडताल में बात खुली कि उक्त होर्डिंग अवैध रूप से लगाया गया था। अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के दौरे के बाद शहर में सभी होर्डिंग्स के संरचनात्मक आडिट का आदेश दिया गया है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका राजकीय रेलवे पुलिस की जमीन पर लगे बाकी सभी होर्डिंग को हटाएगी और पुलिस ने होर्डिंग के मालिक पर गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। देखा जाए तो यह सिर्फ मुंबई का ही मामला नहीं है। देश के लगभग सभी बडे शहरों-महानगरों की यही रामकहानी है। हर शहर में हर तरफ अवैध होर्डिंग खतरनाक तरीके से खड़े कर दिएजाते हैं। जब कोई बडा हादसा होता है तब जाकर समूचा प्रशासन नींद से जागता है। यदि अफसरों की नींद हादसे से पहले ही खुल जाए तो जाहिर है ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। अगर संबंधित महकमों ने समय रहते अपनी ड्यूटी और जिम्मेदारी के प्रति ईमानदारी बरती होती तो शायद पंद्रह लोगों की जान इस हादसे से बचाई जा सकती थी। अब भी समय है देश के सारे ही शहरों व महानगरों के होर्डिंग्स के आडिट कराए जाएं ताकि लोगों को हादसे के अंदेशे से बचाया जा सके।

राहुल नहीं सोनिया ही फर्स्ट

अनिल धर्मदेश

राजनीति सत्ता प्राप्ति का उपक्रम है जबकि कूटनीति का कार्य राजनीतिक विचारधारा का क्रियान्वयन। चुनावी हार-जीत के आधार पर राजनीति मुद्दों को पकड़ और छोड़ सकती है मगर सबसे विपरीत परिस्थिति में भी विचारधारा से समझौता नहीं किया जा सकता। इसीलिए कूटनीति सम-विषम परिस्थितियों में भी वैचारिक स्थिरता के संकेत खड़े करती रहती है।

अन्यथा भारत में राष्ट्रवाद के जागरण के इस दौर में कांग्रेस पार्टी की तरफ से सावरकर और 370 पर अनर्गल बयानबाजी बहुत पहले बंद कर दी जाती। एक दशक में दर्जनों चुनाव हार जाने के बावजूद कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से राम मंदिर, सनातन, सावरकर और 370 आदि मुद्दों पर वही अलोकप्रिय टिप्पड़ियां जारी हैं। ऐसे बयान राजनीति का नहीं बल्कि कूटनीति का हिस्सा हैं। कांग्रेस की तरफ से कुछ ऐसा ही संकेत लोकसभा चुनावों में रायबरेली सीट को लेकर भी दिया गया है। राहुल गांधी का रायबरेली से चुनाव लड़ना तो राजनीति का हिस्सा है परंतु सोनिया गांधी का उनकी परंपरागत सीट को छोड़ देना एक पूर्णतः कूटनीतिक कदम है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से इतर यह धरातल का सत्य है कि सोनिया गांधी ने संसदीय राजनीति से अभी सन्यास नहीं लिया है। वह कोई इतना गंभीर रूप से अस्वस्थ भी नहीं कि रायबरेली से पर्चा दाखिल करने में असमर्थ हों।

अन्यथा वह राहुल गांधी का नामांकन कराने स्वयं रायबरेली नहीं आतीं। अभी अप्रैल में ही उन्होंने राजस्थान में जनसभा की थी तो यह भी नहीं कहा जा सकता कि वह चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने में असमर्थ हैं। वह अभी भी डिजिटल माध्यमों से पार्टी और गठबंधन के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रही हैं। जबकि सभी जानते हैं कि कांग्रेस कोर कमेटी की अहम बैठकें भी सोनिया गांधी के बिना पूरी नहीं होतीं। यही सारे चुनावी कार्य हैं, जो उन्हें रायबरेली से चुनाव लड़ने की स्थिति में भी करने होते। इसलिए यह निश्चित है कि सोनिया गांधी लोकसभा चुनावों में प्रत्यक्ष भागीदारी से स्वास्थ्य या आयु संबंधी कारणों से बाहर नहीं हुई हैं। बल्कि उन्हें चुनाव न लड़ाकर एक सुनियोजित रणनीति के तहत सुरक्षित किया गया है।

यही कारण है कि लोकसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किए जाने के पूर्व ही कांग्रेस पार्टी ने उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेज दिया। पार्टी की कूटनीति जानती है कि भारतीय राजनीति में सोनिया का अजेय क्रम कभी टूटना नहीं चाहिए।

अक्सर यह दिखाई पड़ता है कि कांग्रेस में सोनिया गांधी के बाद राहुल गांधी ही दूसरा सबसे बड़ा चेहरा हैं। राजनीतिक दबाव में खड़गे को पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद भी राहुल ही सभी महत्वपूर्ण फैसले करते हैं। उसी तरह पार्टी और विपक्षी खेमे में सोनिया गांधी का प्रभुत्व और महत्व स्थापित रखने के लिए उन्हें किसी भी राजनीतिक उठापटक से बचाकर रखना जरूरी है।

राहुल गांधी को रायबरेली सीट से चुनावी मैदान में उतारे जाने का निर्णय स्वयं सोनिया का है या पार्टी थिंकटैंक का, यह तो कांग्रेस ही जाने परंतु यह तय है कि सोनिया गांधी की सहमति के बिना यह निर्णय पार्टी थिंकटैंक के लिए भी संभव नहीं था। क्योंकि उस स्थिति में स्वयं राहुल वायनाड के बाद दूसरी सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर सकते थे और उन्हें इसके लिए मनाने-समझाने की शायद ही किसी अन्य में ताकत हो। सोनिया गांधी का आभामंडल और पार्टी में उनका वर्चस्व सुरक्षित करने के दृष्टिकोण से कांग्रेस के रणनीतिकारों ने संभवतः सही निर्णय लिया हो। हालांकि इस अनिवार्यता की पूर्ति करते समय थिंकटैंक ने इसके दूरगामी द्वितीयक प्रभावों की व्यापक समीक्षा नहीं की। रायबरेली के चुनावी रण में राहुल के उतरने से पार्टी में उनका नंबर दो का तमगा तो बरकरार रहा परन्तु देश में इसका यह संदेश भी गया है कि खुद कांग्रेस पार्टी इस बार रायबरेली सीट जीतने को लेकर सशंकित है। उत्तर प्रदेश में तीन फीसद से भी कम जनाधार और मात्र 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस के लिए सोनिया गांधी का मैदान छोड़ना कोई अच्छा संकेत नहीं है।

विपक्ष के चुनाव में बार-बार बदलते मुद्दे

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो चुके हैं। इस बार वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है। कश्मीर में भी 1987 के बाद वोटिंग का प्रतिशत बढ़ा है। विश्लेषकों का मानना है कि ये चरण भाजपा के लिए काफी निर्णायक है। सत्ताधारी पार्टी भाजपा की सीटों का आकलन अब काफी हद तक संभव हो जाएगा। भाजपा दावा कर रही है कि वोटर्स उसके पक्ष में निकल रहे हैं, पार्टी आसानी से 400 प्लस का लक्ष्य हासिल कर लेगी। वहीं, विपक्षी गठबंधन का कहना है कि उसके पक्ष में वोटर्स निकल रहे हैं। फिलहाल लोक सभा चुनाव के चार चरण संपन्न हो चुके हैं। इन चार चरणों के चुनाव के बाद कई विश्लेषकों का यह दावा है कि गैर एनडीए पार्टियां मुकाबले को रोचक बनाने की भरसक कोशिश कर रही हैं। इसके पीछे के उनके कई तर्क हैं जिनमें वोटरों का लो टर्नआउट, स्थानीय मुद्दों का हावी रहना, मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण ... प्रमुख हैं। हालांकि ये उनके नैरेटिव हैं। हकीकत में क्या है । ये तो चुनाव परिणाम ही बतायेंगे। लेकिन ग्राउंड से जो रिपोर्ट आ रही हैं उससे इतना तो स्पष्ट है कि चुनाव से पहले के मुकाबले कांग्रेस और गैर एनडीए पार्टियों का आत्मविश्वास बढ़ा है ऐसे विपक्ष का मानना है । वैसे देखा जाय तो लोक सभा चुनाव से ठीक पहले ओपिनियन पोल एनडीए की शानदार जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे। मोदी के दावे के अनुरूप कई ओपिनियन पोल का तो अनुमान था कि भाजपा की अगुवाई में एनडीए को 2024 के लोक सभा चुनाव में 400 के करीब सीटें आ सकती है। ये ओपिनियन पोल अपने इन दावों का आधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में इजाफे को बता रहे थे। ओपिनियन पोल का मानना था कि अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के अलावा कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और सीएए को लागू करने के फैसले से मोदी की लोकप्रियता बढ़ी है। ओपिनियन पोल के मुताबिक लोक सभा चुनाव 2019 के मुकाबले एनडीए को इस लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटें दिलाने में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और दक्षिण के राज्य तेलंगाना आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु की बड़ी भूमिका हो सकती है। जबकि गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली और कर्नाटक जैसे राज्यों में एनडीए अपने पुराने प्रदर्शन को दोहरा सकती है। यही ओपिनियन पोल यह भी बता रहे थे कि महाराष्ट्र में एनडीए को बेहद कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। ओपिनियन पोल के अनुमानों के मद्देनजर बहुत सारे राजनीतिक विश्लेषक मान रहे थे कि शायद इस बार चुनाव प्रचार में मोदी हिंदुत्व के बजाय विकास पर ज्यादा फोकस करें। मोदी के चुनाव प्रचार की शुरुआत में ऐसा ही कुछ देखने को भी मिला लेकिन पहले और दूसरे चरण के चुनाव के बाद मोदी पूरी तरह से हिंदुत्व की ओर शिफ्ट हो गए। फिलहाल मुस्लिम आरक्षण के बहाने वह विपक्षी पार्टियों खासकर कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीतियों पर जमकर वार कर रहे हैं। इसके अलावा हिंदुत्व से जुड़े अन्य प्रमुख मुद्दे मसलन राम मंदिर, धारा 370, सीएए... वगैरह को भी वह जोर -शोर से उठा रहे हैं।

पहले दो चरण के चुनावों के बाद शायद मोदी को इस बात का अहसास हो गया कि हिंदुत्व और राष्ट्रवाद जैसे भावनात्मक मुद्दों के ही सहारे जनता से सीधे कनेक्ट किया जा सकता है और विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ना जोखिम भरा हो सकता है। पहले और दूसरे चरण के दौरान हुए कम मतदान से भी शायद उन्हें इस जोखिम का अहसास हुआ होगा। क्योंकि ग्राउंड से जो रिपोर्ट आ रही हैं वह बता रही हैं कि इस बार खासकर फ्लोटिंग वोटर्स में चुनाव को लेकर खासा उत्साह नहीं है।दूसरी ओर मतदाताओं को अपनी ओर खींचने के लिए कांग्रेस लगातार जाति जनगणना, बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दे को उठा रही है। इन मुद्दों का चुनाव परिणामों पर क्या असर होगा यह कहना तो जल्दबाजी होगी लेकिन बहुत सारे जानकार मानते हैं कि ये मुद्दे सुनने में जितना असरकारी लग रहे हों लेकिन ये मतदाताओं के रुख बदल नहीं सकते। उनकी मानें तो ज्यादातर वोटर्स चुनाव से पहले अपना मन बना चुके हैं कि उन्हें एनडीए या गैर एनडीए पार्टियों में से किसे वोट करना है। इसलिए यह मानना कि वे चुनाव के वक्त बदल जाएंगे बेमानी होगी। जहां तक कम मतदान का प्रश्न है, चुनाव की शुरुआत से पहले इसके परिणामों के पूरी तरह एकतरफा रहने का जो प्रचार हुआ उसकी वजह से भी कुछ वोटर्स शायद अभी तक मतदान से दूर रहे हों क्योंकि शायद उन्हें लग रहा हो कि चुनाव परिणाम तो पहले से ही जगजाहिर हैं इसलिए उनके वोट खास मायने नहीं रखते लेकिन यह स्थिति सत्ता और विपक्ष दोनों के लिए नुकसान भरा हो सकता है क्योंकि एक तरफ एनडीए के वोटरों को शायद ऐसा लग रहा हो कि चुनाव में तो एनडीए की भारी जीत तय है इसलिए यदि वह वोट नहीं भी करते हैं तो परिणामों पर इसका कोई खास असर नहीं होगा। वहीं गैर एनडीए वोटर्स को शायद यह लग रहा हो कि ओपिनियन पोल के मुताबिक यदि एनडीए को इतनी ज्यादा बढ़त है तो वे वोट कर भी देंगे तो परिणामों पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस वजह से शायद ऐसे वोटर मतदान प्रक्रिया के प्रति उदासीन रहे हों। चुनावी विश्लेषक हालांकि मानते हैं कि वैसे फ्लोटिंग वोटर्स जो चुनाव को लेकर उदासीन हैं उन्हें भावनात्मक मुद्दों के जरिये एक हद तक अपने पाले में लाया जा सकता है। मोदी का जोर-शोर से हिंदुत्व के मुद्दे की ओर लौटना शायद ऐसे उदासीन वोटरों को अपनी तरफ लाने का प्रयास हो। राहुल गांधी और कांग्रेस भी इस बात को भलीभांति समझ रही है तभी तो वह जाति जनगणना के मुद्दे को चुनाव प्रचार के दौरान जमकर उठा रहे हैं।वैसे भी फ्लोटिंग वोटर्स की सामाजिक पृष्ठभूमि पर गौर करें तो इनमें ज्यादातर वोटर्स दलित और पिछड़ी जातियों के हो सकते हैं। इसलिए जाति जनगणना और मुस्लिम आरक्षण जैसे दोनों मुद्दे इस वर्ग के वोटरों के साथ भावनात्मक तौर पर जुड़े हैं। अब यह देखना होगा कि कांग्रेस और भाजपा में से कौन इन भावनात्मक मुद्दों के सहारे ऐसे फ्लोटिंग वोटर्स को अपनी ओर खींचने में सफल होती हैं।लेकिन यदि लोक सभा चुनाव से ठीक पहले आए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा के चुनाव परिणामों की बात करें तो पाते हैं कि इन विधान सभा चुनावों में कांग्रेस ने जाति जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठाया लेकिन इसका मतदाताओं के ऊपर कुछ खासा असर नहीं हुआ और इन तीनों राज्यों में भाजपा (BJP) की बंपर जीत हुई।

मोदी के चुनाव प्रचार में हिंदुत्व के मुद्दे के साथ साथ मुस्लिम आरक्षण के जरिये दलित और ओबीसी आरक्षण में सेंधमारी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने का उद्देश्य भी उन्हीं वोटरों को अपनी ओर करना है। जाति जनगणना का मुद्दा पिछड़ी जातियों के वोटरों को प्रभावित न करे इसलिए मोदी हिंदुत्व और मुस्लिम आरक्षण के मुद्दों के जरिये इस मुद्दे को पूरी तरह बेअसर करना चाहते हैं।आने वाले चरणों में चुनाव प्रचार के दौरान मोदी शायद इन मुद्दों को लेकर और आक्रामक हो सकते हैं। वहीं कांग्रेस जाति जनगणना के मुद्दे पर भाजपा को और ज्यादा घेरने की कोशिश करेगी।

कई चुनावी विश्लेषक बताते हैं कि कांग्रेस और गैर एनडीए पार्टियां इस चुनाव को स्थानीय मुद्दों खासकर जाति पर भी केंद्रित करना चाह रही हैं क्योंकि इन पार्टियों को लगता है कि चुनाव में स्थानीय फैक्टर्स जितना ज्यादा हावी होंगे, भाजपा और एनडीए के लिए चुनौती उतनी ही ज्यादा होगी। मोदी भी इस बात को समझ रहे हैं तभी तो वे चुनाव को पूरी तरह से बड़े मुद्दों के इर्द गिर्द रखना चाहते हैं। पहले और दूसरे चरण के चुनाव के बाद जो उनकी रणनीति दिख रही है वह तो कम से कम इसी बात की ओर इशारा कर रही है।वैसे जानकार मानते हैं कि क्योंकि यह लोक सभा का चुनाव है इसलिए वोटर्स स्थानीय मुद्दों की बात चाहे जितना करें, इन मुद्दों को लेकर भले ही नाखुशी का इजहार करे लेकिन अंततः वोट वे बड़े यानी राष्ट्रीय मुद्दों को ध्यान में रखकर ही दे रहे है ।

बिना पुलिस के 15 मिनिट से लेकर 15 सेकेंड तक?

विजय सहगल

9 मई 2024 को भाजपा की सांसद और अमरावती से लोकसभा की उम्मीदवार नवनीत राणा ने हैदराबाद की एक चुनावी सभा मे एआईएमआईएम प्रमुख असुद्दीन ओवैसी के छोटे भाई अकबरुद्दीन ओवैसी को उन्ही की भाषा मे ललकारते हुए जबाव दिया, ₹छोटे₹ 15 सेकेंड के लिए ही पुलिस हटा लो, छोटे, बड़े का पता नहीं लगेगा कि कहाँ से आये और कहाँ को गए? दरअसल नवनीत राणा का ये जवाब एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी के उस भाषण के जवाब मे था जो उन्होने हैदराबाद मे 2013 की एक घृणास्पद और धार्मिक वैमनस्य बढ़ाने वाली स्पीच मे मुस्लिमों के स्वयंभू और स्वघोषित नेता बनते हुए देश को ललकारते हुए कहा था कि, ₹हम (मुस्लिम) 25 करोड़ हैं न, तुम (हिन्दू) 100 करोड़ हो न, 15 मिनिट पुलिस हटा लो, बता देंगे कि किसमे हिम्मत हैं?

अकबरुद्दीन ओवैसी और नवनीत राणा, इन दोनों ही नेताओं के वक्तव्यों की प्रशंसा नहीं की जा सकती। दोनों नेताओं के राजनैतिक बयान लोगो के बीच धर्म के आधार पर नफ़रत, घृणा और द्वेष फैलाने वाले हैं। अपने फौरी सियासी फायदे के लिये देश के लोगो के बीच आपस मे इस तरह के बैर और शत्रुता बढ़ाने वाले वक्तव्य घोर निंदनीय हैं। इसकी जितनी भी निंदा की जाय, कम है। स्वाभाविक था एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को नवनीत राणा के इस वक्तव्य से तीव्र चुभन हुई और तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होने कहा, ₹कि 15 सेकेंड क्या.... 15 घंटे ले लीजिये, डरता कौन हैं, हम तैयार है। पीएम मोदी से कह कर 15 दिन ले लीजिये? लेकिन अपने भाई अकबरुद्दीन ओवैसी के 15 मिनिट के भाषण पर कोई भी टिप्पणी न कर अपरोक्ष रूप से अकबरुद्दीन का बचाव ही किया। खेद और अफसोस हैं कि अकबरुद्दीन को एक वर्ग के लोगों को धमकाने, घृणास्पद और वैमनस्य फैलाने के बावजूद न्यायालय ने उन्हे सबूत के अभाव मे बरी कर दिया या व्यवस्था ने सबूतों का जानबूझ कर अभाव पैदा किया, ये जांच का विषय है? ऐसी ही लचर व्यवस्था के चलते इस तरह के नेताओं का दुस्साहस लोगो के बीच घृणा और आपत्ति जनक माहौल पैदा कर कानून व्यवस्था को चुनौती देने का कारण बनता हैं।

अब आते हैं असली मुद्दे पर! एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी, भले ही जिन्हे हैदराबाद स्थित उनकी अपनी विधान सभा क्षेत्र के पूरे मुस्लिमों का भी समर्थन न हो, वे देश के 25 करोड़ मुस्लिमों के स्वघोषित और स्वयंभू नेता होने की हैसियत से देश को ललकारते हुए 15 मिनिट पुलिस को हटाने की ख्वाहिश रखते हों? या नवनीत राणा जो चुनावी फायदे के लिये देश की सौ करोड़ हिन्दू आबादी की प्रतिनिधि होने का दावा कर 15 सेकेंड के लिये पुलिस हटाने की इच्छा और आकांक्षा रखती हों, दोनों ही नहीं जानते कि देश का कानून उन्हे 15 मिनिट या 15 सेकेंड की तो क्या, 1 सेकेंड या एक क्षण की इजाजत बिना कानून, बिना पुलिस के रहने की इजाजत नही देता। इन लोगों के वक्तव्य से इतना तो स्पष्ट है कि इन्हे कहीं न कहीं देश की पुलिस और कानून से डर और भय लगता हैं। तब इनके समर्थकों को तो साफ हो जाना चाहिए कि उनके नेता अकबरुद्दीन हों या नवनीत राणा कितने कायर और डरपोक हैं जो कानून या दूसरे अर्थों मे पुलिस से कितने भयक्रांत हैं कि कानून को 15 मिनिट या 15 सेकेंड को हटा कर अराजकता फैलाना चाहते है। दोनों बड़बोले नेताओं को कहीं न कहीं पुलिस से डर और भय लगता हैं जो एक अच्छी बात है!, एक अच्छी चीज है! जब दोनों ही तुर्रम खाँ बुजदिल नेताओं का ये हाल हैं, तब क्या संदेश ये अपने समर्थकों या अपने अनुयायियों को देना चाहते हैं? इन डरपोक और बुजदिल नेताओं को ये याद रखना होगा कि वे अपने घृणास्पद वक्तव्यों या अपनी गीदड़ भभकियों से देश के कानून को डरा नहीं सकते हैं। जब देश के संविधान मे अंतर्निहित कानून और उनको लागू करने वाली शक्तियाँ जिनमे पुलिस भी शामिल हैं, ने बड़े बड़े आतंकियों, आततइयों को धूल चटा कर मिट्टी मे मिला दिया तो इन छुटभैयों की क्या बिसात!!

यहाँ ओवैसी बंधुओं और नवनीत राणा जैसे अन्य गैरजिम्मेदार और लापरवाह नेताओं और उनके समर्थकों को यह बताना आवश्यक हैं कि देश का प्रति जनसंख्या-पुलिस अनुपात लगभग 643 हैं अर्थात प्रति 643 नागरिकों पर एक पुलिस पदस्थ हैं। आप समझ सकते हैं कि इन दिशाहीन नेताओं को पुलिस और कानून का कितना भय हैं जो क्षेत्र से 15 मिनिट हटाने की बात करते हैं। देश के संविधान और उसमे निहित कानून ने एक निहत्थे पुलिसकर्मी को भी इतनी शक्ति प्रदान की है कि कानून व्यवस्था लागू करने के लिये अकबरुद्दीन या नवनीत राणा जैसे बाहुबली और धनसंपन्न नेता भी 15 मिनिट या 15 सेकेंड को पुलिस को हटा कर अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहे है और पुलिस के सामने याचक बने है। वास्तव मे देश मे यदि कानून व्यवस्था न हो या इन जैसे नेताओं द्वारा कानून की अवेहलना होने लगे तो देश का क्या हाल होगा? और यदि ये ही पुलिस फोर्स पूरी ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता से अपना कार्य करे तो असामाजिक तत्वों, गुंडों और अपराधियों को आसानी से नियंत्रित कर कानून व्यवस्था को सुचारु रूप से लागू किया जा सकत है फिर चाहे, अकबरुद्दीन ओवैसी या नवनीत राणा जैसे दायित्वहीन नेता ही क्यों न हों?

जब संविधान सम्मत कानूनों ने लालू यादव जैसे केन्द्रीय मंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री को अपराधों मे लिप्त होने के कारण जेल की सजा दी और वर्तमान मे भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे दिल्ली और झारखंड के मुख्यमंत्रियों तथा राज्य सरकारों के अनेक आरोपित मंत्रियों को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया, तब ये अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि आम जीवन मे राजनीति करने वाले नेताओं को अपनी जवाबदेही और दायित्वों का बोध होना ही चाहिये और अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करना होगा अन्यथाः यदि उन्हे कानून और पुलिस की उपस्थिति से डर लगता है तो ये डर अच्छा है!!

डेंगू के जोखिम की न हो अनदेखी

योगेश कुमार गोयल

डेंगू वैसे तो प्रतिवर्ष खासकर बारिश के मौसम में लोगों पर कहर बनकर टूटता है लेकिन कुछ राज्यों में इसके कारण महामारी जैसे हालात नजर आने लगे हैं और सैंकड़ों लोगों की मौत भी होती है। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। हालांकि डेंगू की दस्तक तो हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन-चार वर्ष के अंतराल पर डेंगू एक महामारी के रूप में उभरकर सामने आता है और तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुम्भकर्णी नींद से जागते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोवेश सभी राज्यों में जगह-जगह पर फैले कचरे और गंदगी के ढ़ेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ-सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप हर साल देखकर स्पष्ट रूप से मिलता रहा है।

डेंगू बुखार एक वायरल संक्रमण है। यह एक खतरनाक बीमारी है, जो ऐडीस मच्छर के काटने से होती है, जो हमारे घरों के आसपास खड़े पानी में ही पनपता है। ऐडीस मच्छर काले रंग का स्पॉटेड मच्छर होता है, जो प्रायः दिन में ही काटता है। डेंगू का वायरस शरीर में प्रविष्ट होने के बाद सीधे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र पर हमला करता है। इस मच्छर का सफाया करके ही इस बीमारी से पूरी तरह से बचा जा सकता है। प्रायः मानसून के बाद ही डेंगू के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं। डेंगू प्रायः दो से पांच दिनों के भीतर गंभीर रूप धारण कर लेता है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो सकता है और रोगी समझने लगता है कि वह ठीक हो गया है लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है बल्कि यह स्थिति और भी खतरनाक होती है। अतः बेहद जरूरी है कि आपको पता हो कि डेंगू बुखार होने पर शरीर में क्या-क्या प्रमुख लक्षण उभरते हैं। डेंगू के अधिकांश लक्षण मलेरिया से मिलते-जुलते होते हैं लेकिन कुछ लक्षण अलग भी होते हैं। तेज बुखार, गले में खराश, ठंड लगना, बहुत तेज सिरदर्द, थकावट, कमर व आंखों की पुतलियों में दर्द, मसूडों, नाक, गुदा व मूत्र नलिका से खून आना, मितली व उल्टी आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, हीमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि, शरीर पर लाल चकते (खासकर छाती पर लाल-लाल दाने उभर आना), रक्त प्लेटलेट (बिम्बाणुओं) की संख्या में भारी गिरावट इत्यादि डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।

कैसे हो डेंगू से बचाव?

बीमारी कोई भी हो, उसके उपचार से बेहतर उससे बचाव ही होता है और डेंगू के मामले में तो बचाव ही सबसे बड़ा हथियार माना गया है। इसीलिए बारिश के मौसम से पहले ही लोगों को इसके बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी हो जाता है क्योंकि उचित सावधानियां और सतर्कता बरतकर ही इस जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है। घर की साफ-सफाई का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है। आपके घर या आसपास के क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप न हो, इसके लिए जरूरी है कि मच्छरों के उन्मूलन का विशेष प्रयास हो। डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का पनपना रोकें। कुछ अन्य जरूरी बातों पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है।

असंगठित क्षेत्र में आधी आबादी की बड़ी हिस्सेदारी

डॉ. राजेन्द प्रसाद शर्मा

असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति की बागड़ोर महिलाओं ने ही संभाल रखी है। देश की आर्थिक गतिविधियों के संचालन में असंगठित क्षेत्र की अपनी भूमिका है और इसमें कोई दो राय नहीं कि असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति को भले ही मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता हो पर असंगठित क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार के अवसर है। बहुत बड़े वर्ग की रोजी रोटी असंगठित क्षेत्र पर ही टिकी हुई है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं। इसमें रोजगार की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, नियमित आय का ना होना, स्वास्थ्य सुरक्षा सहित बहुत सी समस्याओं से दो चार होना पड़ता है। हांलाकि सरकार असंगठित क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए समय समय पर योजनाएं लाती है और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराकर उनकी वास्तविक संख्या व आवश्यक जानकारी जुटाते हुए योजनाओं को अंतिम रुप दिया जाता रहा है। खैर बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबलें महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है।

केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देष में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है।

भारत सरकार के ई-श्रम पोर्टल के आंकड़ों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है।

गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय-पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले, चौकटियों में कारीगारी-बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और अस्थाई काम करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना तो बेमानी होगी। मोटे रुप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कोड़ी ही मानी जा सकती है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।

अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब-करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी व सामाजिक संगठनों को आगे आते हुए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा।

अब तो चूंकि असंगठित क्षेत्र में पुरुषों की अपेक्षा महिला श्रमिक अधिक है तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। इसके साथ ही महिलाओं की समस्याओं को भी समझना होगा। सरकार को भी इस क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समधान के लिए फोकस करना ही होगा।

व्यवसाय के लिए सिंहमुखी और निवास के लिए गोमुखी भूखंड शुभ

जब कोई नया भूखण्ड क्रय करना हो अथवा नया घर निर्मित करना हो तब वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों को ध्यान में रखकर ही उचित एवं अनुकूल भूखण्ड या घर का चुनाव करना चाहिए। सिद्धांतों की समुचित जानकारी न होने के कारण अनजाने में कभी-कभी ऐसे भवन का निर्माण हो जाता है, जिसमें कहीं-न-कहीं वास्तु सम्बन्धी कोई त्रुटि रह जाती है। ऐसी त्रुटि का दुष्प्रभाव व इसके कारण दुष्परिणाम गृहस्वामी को तथा उस भवन का उपयोग करने वालों को कभी-न-कभी सहना ही पड़ता है।

वास्तु एक प्राचीन विज्ञान है, जिसके अन्तर्गत किसी भी भूमि पर कुछ सहज सिद्धांतों का आधार लेकर भवन निर्माण किया जाता है। इस वस्तुपरक निर्माण से वहां के रहने वालों के स्वास्थ्य एवं समृद्धि में पर्याप्त वृद्धि होती देखी गई है। जमीन खरीदने से पहले इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जो जमीन आप लेने जा रहे हैं, उसका उद्देश्य क्या है, क्या वह जमीन आप निवास हेतु मकान बनवाने के लिए ले रहे हैं या फिर आप उस भूमि को व्यापारिक दृष्टिकोण से खरीदना चाहते हैं। अगर व्यवसाय के लिए सिंहमुखी प्लॉट और निवास के लिए गोमुखी प्लॉट आप लेते हैं तो वास्तु द्वारा लक्ष्मी प्रवेश की संभावनाएं आपके घर-व्यापार में प्रबल रहती हैं। गोमुखी और सिंहमुखी भूखंड में अंतर क्या है, आइए जानने की कोशिश करते हैं।

गोमुखी भूखण्ड – (निवास के लिए शुभ लेकिन व्यापार के लिए अशुभ) - जो भूमि सामने (आगे) से कम व पीछे से अधिक हो, ऐसी भूमि गोमुखी कहलाती है। गोमुखी जमीन पर रहना (निवास करना) लाभप्रद रहता है परन्तु व्यवसायिक कार्य के लिए गोमुखी भूखण्ड अच्छा नहीं माना जाता है। अतः व्यापार करने के लिए कभी भी गोमुखी जमीन पर दुकान नहीं बनवाना चाहिए क्योंकि गाय (गौ) घर के लिए शुभ जीव होती है अतः निवास के लिए ऐसी जमीन बेहद शुभ साबित होती है, जबकि उस भूखण्ड पर व्यवसाय करने पर अक्सर संघर्षमय व्यापार चलता है।

अक्सर कई व्यापारियों का व्यापार गोमुखी जमीन पर बन्द होने के करीब देखा गया है।

सिंह मुखी भूखण्ड – (सिंह मुखी प्लाट पर व्यापार करने से व्यापार में उन्नति होती है।) - जो भूमि सामने (आगे) से अधिक चौड़ी व पीछे से कम चौड़ी हो उसे सिंह मुखी कहते हैं। कुछ भूमि रहने योग्य होती है तो कुछ भूमि उद्योग के लिए अति उत्तम होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सिंह मुखी भूखण्ड व्यापारिक दृष्टि से उपयोग के लिए अति शुभ रहता है। अगर सिंह मुखी दुकान वास्तु के अनुसार व्यवस्थित हो तो ऐसी दुकानों को सोना उगलते हुए देखा गया है, क्योंकि सिंह स्वतंत्र विचरण करने वाला आक्रामक जानवर है अतः ऐसी भूमि पर व्यापार भी स्वतंत्र रूप से विचरण करता है और आगे बढ़ता है, दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की होती है। सिंहमुखी भूखंड में निवास स्थल कभी नहीं बनवाना चाहिए।

सिंहमुखी भवन में जो जावै।
तन धन अपार सकल नसावै।।

अर्थात सिंहमुखी भवन में जो निवास करता है, उसके शरीर और धन दोनों का नाश होता है, ऐसा विद्वानों का मत है। सिंहमुखी और गोमुखी भूखण्ड की जानकारी के बाद वास्तुशास्त्र के अन्य सिद्धांतों के द्वारा यह जानना चाहिए कि जो भूमि आप लेने जा रहे हैं कि वह आपके लिए कितनी फलदायी है। जिस भूमि पर आप मकान अथवा दुकान कार्यालय बनवा रहे हैं, तो उनकी आयु वास्तुशास्त्र के अनुसार कितनी होगी, यह जानना भी आवश्यक है।

सीता नवमी आज

सीता नवमी को जानकी नवमी के नाम से भी जाना जाता है। सीता नवमी हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। सीता जी का जन्म वैशाख शुक्ल नवमी, मंगलवार, पुष्य नक्षत्र कालीन तथा मध्याहन के समय हुआ था। यह हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल सीता नवमी 16 मई, गुरुवार को है।

सीता नवमी का महत्व

पौराणिक मान्यता है कि इस दिन माता सीता धरती के गर्भ से प्रकट हुई थीं। इस कारण मनुष्य रूप में माता सीता के धरती पर प्रकट होने के दिन पर उनका जन्मदिवस मनाया जाता है। इस पावन दिन को सीता नवमी के अलावा जानकी नवमी नाम से भी जाना जाता है।

सीता नवमी का शुभ मुहूर्त

सीता नवमी व्रत का आरम्भ 16 मई गुरुवार को सुबह 6 बजकर 22 मिनट पर होगा। वहीं, सीता नवमी के शुभ मुहूर्त की बात करें, तो सीता नवमी का मध्याहन मुहूर्त सुबह 11 बजकर 4 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 43 मिनट तक रहेगा।

सीता नवमी पर इस मंत्र के साथ करें सीता जी की स्तुति

सीता नवमी पर सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें और इसके बाद सीता माता और श्रीराम की तस्वीर के सामने रोली, चंदन, पुष्प और मिठाई अर्पित करके उनकी आरती उतारें। साथ ही आप इस मंत्र का जाप करके भी सीता माता की स्तुति कर सकते हैं।

पुष्पान्वितायां तु कुजे नवम्यां श्रीमाधवे
मासि सिते हलाग्रतः
भुवोःचर्यित्वा जनकेन कर्षणे सीता-विरासीत
व्रतमत्र कुर्यात

सीता नवमी के व्रत का महत्व

सीता नवमी के व्रत का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि जो महिलाएं सीता नवमी पर व्रत करती है, उनके पति की लम्बी आयु होती हैं। वहीं, सीता नवमी पर विधि-विधान के साथ पूजा करने पर सुहागिनें सदैव सुखी रहने के साथ सौभाग्यशाली रहती हैं। सीता नवमी के व्रत को करने से आर्थिक तंगी भी दूर होती है। सीता नवमी पर दान-पुण्य का भी विशेष महत्व होता है।

सीता नवमी

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 16 मई 2024 दिन गुरुवार सुबह 6 बजकर 22 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 17 मई 2024 दिन शुक्रवार सुबह 08 बजकर 48 मिनट पर इसका समापन होगा। इस कारण से सीता नवमी का 16 मई को ही मनाई जाएगी।

वास्तु के पांच तत्व और मानव शरीर

प्राकृतिक ऊर्जा, सूर्य रश्मियां, गुरुत्वाकर्षण बल, भूगर्भीय ऊर्जा, चुम्बकीय शक्ति इत्यादि का मानव जीवन के बीच समन्वय एवं संतुलन स्थापित करना ही वास्तु शास्त्र का प्रमुख उद्देश्य है। भवन निर्माण में वास्तु सिद्धांतों का परिपालन करते हुए निर्धारित वास्तु सम्मत दिशाओं से प्राकृतिक तत्वों एवं उर्जा का तालमेल व्यक्ति के सुखी जीवन के लिए आवश्यक है। वास्तु शास्त्र में जल तत्व, अग्नि तत्व, वायु तत्व, पृथ्वी तत्व एवं आकाश तत्व, इन्हीं तत्वों को संतुलित करने का प्रयास किया जाता है ताकि नवनिर्मित भवन अथवा पहले से निर्मित भवन आदि परिसर, परिवार के लिए सुख, समृद्धिदायक और उन्नतिशील सिद्ध हो सके।

मानव शरीर में स्थित मूलाधार चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र, मणिपूर चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्ध चक्र, आज्ञा चक्र एवं सहस्त्रार चक्र का संबंध प्रकृति के जल तत्व, अग्नि तत्व, वायु तत्व, पृथ्वी तत्व एवं आकाश तत्व से है।

वास्तु शास्त्रों में विभिन्न दिशाओं का संबंध अलग– अलग तत्वों से है, जैसे ईशान कोण के लिए जल तत्व, आग्नेय के लिए अग्नि तत्व, वायव्य के लिए वायु तत्व, नैऋत्य के लिए पृथ्वी तत्व एवं ब्रह्मस्थल के लिए आकाश तत्व का विशेष महत्व है।

जल तत्व – वास्तु के अनुसार, भूमिगत पानी के स्त्रोत ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में होना अति उत्तम माना गया है, क्योंकि ईशान कोण में सुबह के समय सूर्य से मिलने वाली प्राणदायी किरणें जल को शुद्ध करती हैं और वही सूर्य रश्मियां व्यक्ति को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती हैं।

अग्नि तत्व – सूर्य सृष्टि का संचालक है, इसलिए सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा शक्ति का मानव जीवन में अत्यधिक महत्व है। सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव भवन के पूर्व, उत्तर, ईशान, पश्चिम-वायव्य एवं दक्षिण-आग्नेय दिशा में सर्वाधिक होता है। इन ऊर्जा शक्तियों से शुभ परिणाम प्राप्त करने के लिए उपरोक्त दिशाओं को अन्य दिशाओं की अपेक्षा खुला रखना अत्यंत आवश्यक होता है।

वायु तत्व – प्राण वायु, आक्सीजन के बिना सृष्टि का चलना असंभव है। मकान में हवा के आवागमन के लिए उचित स्थान बनाया जाना चाहिए क्योंकि शुद्ध वायु का सेवन जीवन के स्वास्थ्य एवं दीर्घायु हेतु बहुत आवश्यक है। हालांकि हवा हर दिशा से आती है, लेकिन उत्तर-पश्चिम दिशा, जिसे वायव्य कोण भी कहा जाता है, सर्वश्रेष्ठ है। इस कोण की पश्चिमी-वायव्य दिशा, वायु के संचारण हेतु मुख्य रूप से उपयोगी मानी गई है। इस दिशा से वायु-तत्व प्राप्त करना दीर्घायु सूचक है।

पृथ्वी तत्व – समस्त संसार आकर्षण और विकर्षण से प्रभावित होता है। पृथ्वी के उत्तर-दक्षिण दिशा में चुम्बकीय ध्रुव विद्यमान रहते हैं। इससे हमें गुरुत्वाकर्षण की शक्ति मिलती है। यह चुम्बकीय ऊर्जा उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव की तरफ चलती है।

मानव शरीर के मस्तिष्क में उत्तरी ध्रुव विद्यमान है, इसलिए वास्तु में दक्षिण में मस्तिष्क एवं उत्तर दिशा की तरफ पैर करके शयन का निर्देश दिया गया है, जिससे शरीर को चुम्बकीय शक्ति एवं नैसर्गिक ऊर्जा शक्ति का लाभ मिलता रहे।

आकाश तत्व – आकाश तत्व का सम्बंध देवगुरू बृहस्पति से माना गया है। वास्तु शास्त्र में विषय में इसे ब्रह्म स्थान कहा जाता है। इस तत्व की पूर्ति करने के लिए पुराने जमाने में मकान के मध्य में खुला आंगन रखा जाता था, ताकि अन्य सभी दिशाओं में इस तत्व की आपूर्ति हो सके।

आकाश तत्व से अभिप्राय यह है कि गृह निर्माण में खुलापान रहना चाहिए। मकान में कमरों की ऊंचाई के कारण उत्पन्न वास्तुदोष आकाश तत्व को प्रभावित करता है। ब्रह्म स्थान खुला होने पर दूषित वायु यहीं से आकाश की ओर विसर्जित होती हैं।

सूर्य यंत्र घर में रखने से सोने की तरह चमक उठता है भाग्य

सूर्य को धरती का जीवन माना जाता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य नवग्रहों का राजा भी है। कुंडली में सूर्य के मजबूत होने से व्यक्ति जीवन में तेजी से तरक्की करता है। वहीं, उसके भाग्य का द्वार खुल जाते हैं। हर काम में कामयाबी मिलने के साथ सूर्य की स्थिति मजबूत होने पर व्यक्ति न सिर्फ बहुत पैसे कमाता है बल्कि समाज में उसका मान-सम्मान भी काफी बढ़ जाता है। वास्तुशास्त्र में भाग्य को प्रबल बनाने के लिए सूर्य यंत्र को भी सूर्यदेव की इन्हीं विशेषताओं से जोड़कर देखा जाता है। घर में सूर्य यंत्र करने से नौकरी और व्यापार में उन्नति होती है। साथ ही भाग्य हर कदम पर साथ देता है। आइए, जानते हैं सूर्य यंत्र क्या होता है और इससे जुड़ीं खास बातें और लाभ।

सूर्य यंत्र किस काम आता है

ब्रह्मांड में सूर्य एक ऐसा चमकता तारा है, जिसके इर्द-गिर्द सभी सितारे, ग्रह और नक्षत्र घूमते हैं। पृथ्वी के सभी जड़ और चेतन पदार्थों पर इसकी रश्मियों का प्रभाव पड़ता है। सूर्य यंत्र को सूर्य ग्रह की शुभता के लिए विशेष रूप से घर में स्थापित करके साधना की जाती है। इस यंत्र के दर्शन मात्र से ही लाभ हो जाता है। कुंडली में सूर्य ग्रह अशुभ स्थिति में हो, तो सूर्य यंत्र की पूजा करके लाभ उठाया जा सकता है।

सूर्य यंत्र को घर में रखने से मजबूत होता है भाग्य

क्या आपकी मेहनत सफल नहीं होती? या फिर बहुत ही काम करने के बाद भी आपको अपनी उम्मीद के अनुसार फल नहीं मिलता? अगर ऐसा है, तो आपको घर में सूर्य यंत्र जरूर रखना चाहिए। सूर्य यंत्र को घर में रखने और इसकी पूजा करने से आपका सोया भाग्य भी जाग जाता है और आपके रूके हुए काम भी बनना शुरू हो जाते हैं।

नौकरी में तरक्की पाने के लिए सूर्य यंत्र

आपको अगर नौकरी में काफी मेहनत करने के बाद भी तरक्की नहीं मिल पा रही है, तो आपको सूर्य यंत्र का प्रयोग जरूर करना चाहिए। आपको घर की स्टडी टेबल या पूजा घर में सूर्य यंत्र जरूर रखना चाहिए। सुबह ऑफिस जाने से पहले सूर्य यंत्र की पूजा जरूर करें, इससे आपको नौकरी में तरक्की जरूर मिलेगी।

सूर्य यंत्र से बिजनेस में होता है मुनाफा

आप अगर नया बिजनेस शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको सूर्य यंत्र को उस जगह पर रखना चाहिए, जहां पर आपने अपना ऑफिस बनाया है या फिर बिजनेस से जुड़े पेपर या चीजें रखते हैं, वहां पर आपको सूर्य यंत्र रखना चाहिए। सुबह काम शुरू करने से सबसे पहले सूर्य यंत्र की पूजा करें।

घर से वास्तुदोष को दूर करने के उपाय

घर से वास्तुदोष दूर करने के लिए आपको तांबे के पत्र पर सूर्य यंत्र चिपकाकर स्थापित करना चाहिए। इससे वास्तुदोष दूर होते हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। साथ ही व्यक्ति के जीवन से भय, चिंता और शंका भी दूर हो जाती है।

ईशान कोण में न बनवाएं शौचालय, होता है धन का नाश

वास्तुशास्त्र भवन आदि निर्माण की एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें सभी सिद्धांतों के मूल का आधार समृद्धि पर टिका हुआ है। अक्सर देखा गया है, कि वास्तु के अनुसार घर के पवित्र स्थान, ईशान कोण में, शौचालय होने के कारण व्यक्ति के उपर धन का संकट बना रहता है। पूर्व-उत्तर की दिशा को ईशान कोण कहते हैं, ईशान कोण में शौचालय कभी भी नहीं होना चाहिए। घर का मध्य भाग ब्रह्म स्थान कहलाता है, मध्य भाग में भी शौचालय नहीं होना चाहिए। शौचलय निर्माण के लिए विश्वकर्मा के अनुसार, 'याम्य नैऋत्य मध्ये पुरीष त्याग मंदिरम' अर्थात दक्षिण और नैऋत्य दक्षिण-पश्चिम दिशा के मध्य में पुरीष यानी मल त्याग का स्थान होना चाहिए।

कुछ वास्तुशास्त्री नैऋत्य कोण में शौचालय तथा स्नानाघर दोनों एक साथ बनवाने का निर्देश देते हैं, लेकिन अगर प्राचीन ग्रंथों की मानें तो स्नानघर और शौचालय एक साथ नहीं बनवाने चाहिए, परन्तु आजकल जगह की समस्या एवं फलैट आदि कल्चर में स्नानघर और शौचालय अलग-अलग बनना एक अत्यन्त ही कठिन कार्य है। विश्वकर्मा प्रकाश में स्नानघर के लिए स्पष्ट उल्लेख मिलता है, 'पूर्वम स्नानं मंदिरम' अर्थात भवन के पूर्व में स्नानघर होना चाहिए। अधिकांश प्राचीन वास्तु ग्रंथों में स्नानघर और शौचालय दोनों के स्थान अलग-अलग दिए गए हैं और जो स्थान बताए गए हैं, वे उस स्थान के आधिपत्य देवताओं की रूचि एवं प्रकृति के अनुसार ही बताए गए हैं।

वास्तुशास्त्र के अनुसार स्नानघर में चन्द्रमा का वास है तथा शौचालय में राहु का वास है। यदि किसी घर में स्नानघर और शौचालय एक साथ है तो चन्द्रमा और राहु एक साथ होने के कारण चन्द्रमा को राहु से ग्रहण लग जाता है जो कि अनेक प्रकार की समस्याओं एवं मुसीबतों को न्यौता देता है। पहले जमाने के लोग आज भी शौचालय से जुड़े स्नानघर में स्नान करना कम पसन्द करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि स्नान के पास शौचालय होने से पवित्रता दूषित हो जाती है।

एक वास्तुशास्त्री को ज्योतिष का ज्ञान होना भी परम आवश्यक है, तभी वास्तुशास्त्र की उपयोगिता पूर्ण रूप से सिद्ध होती है। जिन लोगों की जन्मपत्री में ग्रहण दोष है, अथवा चन्द्रमा नीच राशि में अथवा पाप ग्रहों से युक्त एवं दृष्ट हो, उन्हें अक्सर सलाह दी जाती है कि वे शौचालय और स्नानघर का प्रयोग अलग-अलग करें।

शास्त्रों में ऐसी कई बातों का उल्लेख मिलता है, जिसका अगर नियम के साथ पालन किया जाए तो घर की समृद्धि बनी रहती है। ऐसी मान्यता है किसी भी शुभ काम को करने के लिए दाहिने हाथ का ही इस्तेमाल किया जाता है। इसमें सबसे पहले बात आती है आशीर्वाद की। इसमें भी दाहिने हाथ से आर्शीवाद देने का महत्व बताया गया है। बात चाहे पूजा-पाठ, आर्शीवाद की हो या फिर मांगलिक आयोजन की, हर शुभ कार्यों को दाहिने हाथ से ही संपन्न किया जाता है।

दाहिने हाथ को क्यों माना जाता है शुभ?

दाहिना हाथ सूर्य ऊर्जा से संबंध रखता, इसलिए दाहिने हाथ को शुभ माना जाता है। ऐसे में अगर दाहिने हाथ से आशीर्वाद दिया जाए तो इससे सकारात्मकता का संचार होता है।

सकारात्मकता से संबंध

मान्यता है कि मनुष्य के शरीर का दाहिना हिस्सा ताकत और सकारात्मक गुणों से भरपूर होता है। इसके विपरीत बायां हिस्सा कमजोरी और नकारात्मकता से संबंध रखता है।

दूर रहती है नकारात्मक ऊर्जा

दाहिने हाथ से आशीर्वाद, यह किसी भी नकारात्मक एनर्जी को दूर रखता है। हिंदू धार्मिक परंपराओं में दाहिने हाथ को सौर ऊर्जा के विस्तार के साथ जोड़कर भी देखा जाता है। जो आशीर्वाद के रूप में सकारात्मकता को बढ़ावा देता है। इसी वजह से अक्सर दाहिने हाथ से आशीर्वाद देना शुभ माना जाता है।

दाहिना हाथ एक्टिव होता है

इसके अलावा व्यक्ति का दाहिना हाथ एक्टिव होता है और बाएं हाथ के अपेक्षा मजबूत भी, इसलिए हम अक्सर अपने कार्य दाहिने हाथ से ही करते है। ऐसे कार्य जिसमें ज्यादा ऊर्जा की आवश्कता होती है, वे काम दाहिने हाथ से होते हैं। दाहिने हाथ का इस्तेमाल पवित्र कार्य को संपन्न करने के लिए भी होता है।

ज्योतिष दृष्टिकोण भी है खास

व्यक्ति का शरीर का दाहिना हाथ ज्योतिषीय उल्लेख में भी आशीर्वाद देने के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। ज्योतिष मान्यताएं हैं कि हमारे शरीर के कुछ विशेष अंग ग्रहों से संबंध रखते हैं। वहीं दाहिने हाथ की बात करें तो इसका संबंध सिंह राशि और उसके शासक ग्रह सूर्य से होता है। सिंह शरीर के ऊपरी अंगों पर प्रभाव रखता है, जिससे वो साहस, मजबूती का प्रतिनिधित्व करता है।

बाएं हाथ से आशीर्वाद क्यों नहीं देते है?

बाएं हाथ से कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। इसकी वजह ये है कि बायां हाथ शुद्ध नहीं होता है। इससे कोई भी पवित्र कार्य करने की मनाही होती है।

बायां हाथ अपवित्र होता है

आपने अक्सर पूजा-पाठ में दाहिने हाथ का इस्तेमाल ही देखा होगा क्योंकि दाहिने हाथ को शुभ कार्य के लिए पवित्र माना गया है। इसके विपरित बायां हाथ अपवित्र होता है, इसलिए पूजा-पाठ या कोई भी शुभ कार्य बाएं से करने की पूर्णता मनाही होती है।

शास्त्रों में भी है इस बात का उल्लेख

इन्ही वजहों से शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि किसी भी प्रकार का शुभ काम बाएं हाथ से न किया जाए। वो कार्य सिर्फ दाहिने हाथ से ही संपन्न हों। ताकि आपकी पूजा सफल रहे और आपको इसका पूरा लाभ मिले, इसलिए आर्शीवाद जैसे शुभ काम को भी दाहिने हाथ से ही किया जाता है। ताकि व्यक्ति को इसका पूरा सकारात्मक लाभ मिले।

57 साल की हुईं माधुरी दीक्षित

5 फ्लॉप पर लोग बोले-ये हीरोइन मटेरियल नहीं, आज गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है नाम

हिंदी सिनेमा में धक-धक गर्ल नाम से मशहूर एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित आज 57 साल की हो चुकी हैं। उम्र के इस पड़ाव में भी माधुरी फिल्मों में एक्टिव हैं। 2022 में माधुरी थिएटर में रिलीज हुई फिल्म मजा मां और नेटफ्लिक्स की फिल्म द फेम गेम में नजर आई थीं। इन दिनों वो रियलिटी शो डांस दीवाने 4 में बतौर जज नजर आ रही हैं। 1984 में रिलीज अबोध से फिल्मों में आईं माधुरी का शुरुआती सफर बेहद मुश्किल रहा। उनकी कई फिल्में फ्लॉप होती चली गईं और उन्हें साइड रोल दिया जाने लगा। देखने वालों ने कहा कि ये लड़की हीरोइन मटेरियल नहीं है। फिर माधुरी ने अपने हुनर से खुद को टॉप पर जगह दिलाई। यही वजह रही कि फिल्म साजन में माधुरी को संजय दत्त से ज्यादा और हम आपके हैं कौन में माधुरी को सलमान से भी ज्यादा फीस दी गई थी। खूबसूरती और डांस की मिसाल बनीं माधुरी 90 के दशक की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस थीं, जिसके चलते उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। एक दौर में माधुरी की पॉपुलैरिटी का वो आलम था कि उन्हें बुर्का पहनकर अपनी फिल्म देखने जाना पड़ता था।

जब राजश्री प्रोडक्शन वाले अचानक पहुंच गए घर

माधुरी दीक्षित की बड़ी बहन की दोस्त राजश्री प्रोडक्शन में काम करने वाले एक शख्स की बेटी थी। उस समय राजश्री प्रोडक्शन वाले फिल्म अबोध के लिए एक नई लड़की की तलाश में थे। बात निकली तो माधुरी की बड़ी बहन ने उनके नाम का सुझाव दिया और दोस्त ने उनका पता प्रोडक्शन वालों तक पहुंचा दिया। 12वीं के एग्जाम खत्म हुए थे और गर्मी की छुट्टियों के दिन थे कि एक दिन अचानक राजश्री प्रोडक्शन की कास्टिंग टीम माधुरी के घर पहुंच गई। जैसे ही घरवालों को पता चला कि वो लोग माधुरी को फिल्मों में लेना चाहते हैं, तो घरवालों ने इससे साफ इनकार कर दिया। वो नहीं चाहते थे कि माधुरी फिल्मों में काम करें। प्रोडक्शन के लोग माधुरी को फिल्म में लेने का मन बना चुके थे, ऐसे में उन लोगों ने माधुरी के परिवार को प्रोडक्शन के दफ्तर बुलाया, जहां बहुत देर समझाने के बाद उनके परिवार वाले राजी हो गए।

माधुरी ने फिल्म साइन तो की, लेकिन वो उस समय तक हीरोइन बनने में कोई खास दिलचस्पी नहीं रखती थीं। गर्मी की छुट्टियों में फिल्म अबोध की शूटिंग खत्म कर माधुरी ने विले पार्ले के सथाए कॉलेज में दाखिला ले लिया।

बड़ी फिल्मों के ऑफर मिले तो 6 महीने में छोड़ा कॉलेज

कॉलेज में दाखिला लेने के बाद 10 अगस्त 1984 को माधुरी की फिल्म अबोध रिलीज हुई। फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई, लेकिन गौरी का रोल कर माधुरी ने कई फिल्ममेकर्स का ध्यान खींच लिया। यही वजह रही कि उन्हें लगातार फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। ये देख माधुरी ने भी कॉलेज की पढ़ाई अधूरी छोड़ दी और फिल्मी करियर को चुन लिया। सबसे पहले माधुरी ने साल 1985 की फिल्म आवारा बाप साइन की थी। इस फिल्म में राजेश खन्ना और मीनाक्षी शेषाद्रि लीड रोल में थे, जबकि माधुरी का साइड रोल था।

फिल्म आवारा बाप की शूटिंग कश्मीर में हुई थी। जहां उसी समय सुभाष घई की फिल्म कर्मा की शूटिंग भी चल रही थी। दरअसल, फिल्म कर्मा के एक गाने में दिखाया जाना था कि श्रीदेवी और जैकी श्रॉफ एक गाने की शूटिंग देखकर उन किरदारों में ढल जाते हैं। शूटिंग वाले सीन के लिए सुभाष घई को एक लड़की की तलाश थी, जो डांस करना बखूबी जानती हो।

फ्लॉप फिल्मों के बावजूद बनीं सेंसेशन

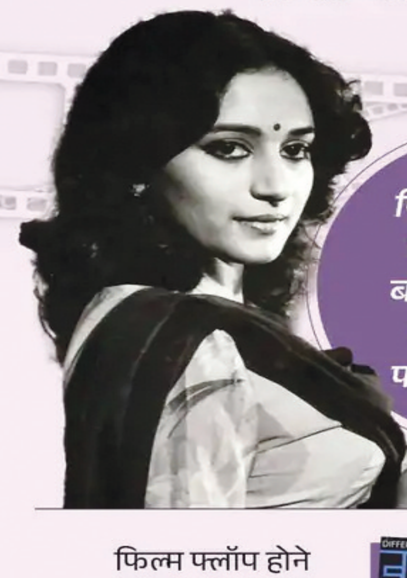

फिल्म आवारा बाप (1985) बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी।

फिल्म फ्लॉप होने के बावजूद माधुरी दीक्षित को पहली बार **1986** की फिल्मफेयर मैगजीन के कवर पेज पर जगह मिली थी।

माधुरी दीक्षित- द न्यू सेंसेशन

कवर पेज पर माधुरी की मोनोक्रॉम तस्वीर के साथ लिखा था।

77वां कांस फिल्म फेस्टिवल

> ओपनिंग सेरेमनी में सम्मानित हुईं 74 साल की एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप

> रेड कारपेट पर नजर आईं इंडियन एक्ट्रेस दीप्ति सधवानी

77वें कांस फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत हुई। ग्रैंड थिएटर लुमियेर में हुई इस ओपनिंग सेरेमनी में 74 साल की अमेरिकी एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप को गेस्ट ऑफ ऑनर पाम डी'ओर अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्हें यह अवॉर्ड देते हुए फ्रेंच एक्ट्रेस जूलियट बनोच भावुक हो गईं। इस मौके पर ज्यूरी प्रेसिडेंट ग्रेटा गर्विग को भी सम्मानित किया गया। ओपनिंग सेरेमनी में फ्रेंच सिंगर जाहो दे सागाजान ने म्यूजिकल परफॉर्मेंस भी दी।

खुशनसीब हूं जो आप लोग मेरे चेहरे से बोर नहीं हुए : स्ट्रीप

मेरिल स्ट्रीप जब स्टेज पर आईं तो उनके सम्मान में थिएटर में मौजूद तकरीबन 2 हजार गेस्ट खड़े हो गए। सभी ने ढाई मिनट तक उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया। इस मौके पर स्ट्रीप ने कहा- 'आपने यहां मेरे सम्मान में जो क्लिप चलाई उसे देखकर ऐसा लगा जैसे मैं किसी बुलेट ट्रेन की खिड़की के बाहर झांक रही हूं। मैंने कुछ ही पलों में अपने आप को यंग और मिडिल एज से गुजरते हुए, जहां मैं आज खड़ी हुई हूं वहां पाया।' स्ट्रीप ने आगे कहा- 'मैं खुशनसीब हूं जो आप लोग मेरे चेहरे से बोर नहीं हुए और ना ही ट्रेन से नीचे उतरे।'

जूलियट बोलीं-आपने लोगों का नजरिया बदला है

स्ट्रीप की स्पीच सुनकर उन्हें सम्मानित करने वाली एक्ट्रेस जूलियट बनोच ने कहा कि आपने लोगों का महिलाओं को देखने का नजरिया बदला है। यह सुनकर स्ट्रीप भावुक हो गईं। इसके बाद स्ट्रीप और बनोच ने साथ मिलकर कांस को ऑफिशियली ओपन डिक्लेयर किया।

2002 में हुई थी इस अवॉर्ड की शुरुआत

बताते चलें कि ऑनरी पाम डी'ओर अवॉर्ड की शुरुआत 2002 में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह जेन फोंडा, क्लिंट ईस्टवुड, जूडी फोस्टर, टॉम क्रूज और माइकल डगलस समेत कई दिग्गज कलाकारों को दिया जा चुका है। इस साल मेरिल स्ट्रीप को इस अवॉर्ड से नवाजा गया है। इसके लिए मेरिल ने 35 साल बाद कांस अटैंड किया है। उन्होंने 1989 में हुए कांस में फिल्म 'ईविल एंजेल्स' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता था।

रेड कारपेट पर नजर आई इंडियन एक्ट्रेस दीप्ति सधवानी

इससे पहले इवेंट की शुरुआत रेड कारपेट सेरेमनी से हुई जिसमें हेलेना क्रिस्टेनसेन, हेइडी क्लम, जेन फोंडा और विक्टोरिया हर्वी जैसे कई सेलेब्स नजर आए। इंडियन एक्ट्रेस और सिंगर दीप्ति सधवानी भी रेड कारपेट पर फ्लोरल ट्रेल गाउन में नजर आईं। इस मौके पर पिछले साल कांस में पाम डॉग अवॉर्ड विनर रहे मेसी द डॉग ने भी रेड कारपेट पर वॉक की।

धनुष और ऐश्वर्या के तलाक पर बोलीं सिंगर सुचित्रा

दोनों एक दूसरे को चीट कर रहे थे, उनके एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर थे

साउथ सुपरस्टार धनुष और रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या ने 2022 में अलग होने की अनाउंसमेंट की थी। उनके 18 साल बाद अलग होने की सही वजह सामने नहीं आई है। वहीं अब सिंगर सुचित्रा ने अपने इंटरव्यू में उनके अलग होने को लेकर बयान दिया है।

सुचित्रा ने दावा किया है कि धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के दौरान एक-दूसरे को धोखा दिया। वो एक-दूसरे को चीट कर रहे थे और उनके एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर थे। सुचित्रा का कहना है कि शादी के रिश्ते में रहते हुए भी दोनों अलग-अलग लोगों के साथ डेट पर जाते थे। उन्होंने कहा कि ऐश्वर्या एक अच्छी मां नहीं हैं। वहीं धनुष पिता होने का फर्ज निभा रहे हैं। सुचित्रा ने ऐश्वर्या द्वारा धनुष पर लगाए जाने वाले आरोपों पर भी बयान दिया है।

'मिस्टर एंड मिसेज' माही के लिए जान्हवी ने इन दो लोगों को दिया क्रेडिट, बोले-उन्होंने हिम्मत दी

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। यह फिल्म इसी महीने रिलीज होने जा रही है। अभिनेत्री फिल्म में राजकुमार राव के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। दोनों सितारे फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। इस फिल्म के लिए जान्हवी कपूर ने जीतोड़ मेहनत की है। जान्हवी कपूर ने खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कई तकलीफें हुईं और चोटें आईं।

जान्हवी कपूर के मुताबिक इस फिल्म की तैयारी के दौरान ट्रेनिंग करते हुए उनके दोनों कंधे चोटिल हुए। इस फिल्म की शूटिंग करीब दो साल तक चली। एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान जान्हवी कपूर ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि शूटिंग शुरू होने से पहले उन्होंने क्रिकेट सीखा था। अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म के निर्देशक शरण शर्मा इस फिल्म को वास्तविक रूप से शूट करना चाहते थे। 'मिस्टर एंड मिसेज माही' 31 मई 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। जान्हवी कपूर ने कहा, 'मिली के टाइम मैंने ट्रेनिंग शुरू की थी। दो साल लग गए। हमारे निर्देशक काफी ईमानदारी से काम करते हैं। वे चाहते थे कि मैं पूरी तरह से क्रिकेटर बन जाऊं। वो किसी तरह की चीटिंग नहीं करना चाहते थे कि वीएफएक्स में डाल देंगे या आधे अधूरे काम हो। पूरी तरह से चाहते थे कि मैं इस दुनिया में मिल जाऊं और जुड़ जाऊं'।

जान्हवी कपूर ने आगे बताया, 'फिल्म की शूटिंग और ट्रेनिंग के दौरान मुझे काफी चोटें भी आईं। मेरे दोनों कंधे चोटिल हो गए। लेकिन पूरा क्रेडिट मेरे दोनों कोच-अभिषेक नैयर और विक्रांत सर को जाता है। इन दोनों ने बहुत मेहनत की है। हर मोड़ पर मुझे लगता था कि अब छोड़ देती हूं, नहीं हो रहा है। मेरी बॉडी गिव अप कर रही थी। पर उनसे मुझे बहुत हिम्मत मिलती थी'। इस फिल्म में जान्हवी कपूर एक डॉक्टर की भूमिका निभा रही हैं, जो क्रिकेट के लिए अपना जुनून तलाशती हैं। उन्हें फिल्म में अपने पति (राजकुमार राव) से प्रेरणा मिलती है। इस तरह वे अपनी यात्रा पूरी करती हैं।

मां पराठे बनाकर देती थीं, वरुण उन्हें बेच देते थे

उन पैसों से छोटे-भटूरे खाते थे; शाहरुख की फिल्म बाजीगर देख एक्टर बनने की चाहत हुई

एक्टर वरुण शर्मा ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया है। इन दिनों वे फिल्म 'द गारफील्ड' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर ने फिल्म के हिंदी संस्करण में अपनी आवाज दी है। यह फिल्म 17 मई को थिएटर में रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर वरुण बेहद उत्साहित हैं। खास बातचीत के दौरान वरुण शर्मा ने 'द गारफील्ड' के अलावा अपनी आने वाली फिल्मों और अपने संघर्ष के दिनों के बारे में भी बात की।

जब 'द गारफील्ड' के लिए से संपर्क किया गया तो आप की पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

गारफील्ड के किरदार को बचपन से ही पढ़ता आ रहा हूं। स्कूल जाने से पहले जब अखबार पढ़ते थे तो उसमें गारफिल्ड की चार-पांच तस्वीरें और एक स्टोरीलाइन लिखी होती थी। अगले दिन का इंतजार फिर होता था कि आज क्या लिखा आएगा? गारफिल्ड के साथ मेरी बहुत पुरानी यादें हैं। मुझे पता नहीं था कि बड़े होकर उसकी आवाज बनने का मौका मिलेगा। मैं सोनी पिक्चर्स का बहुत शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने फिल्म के हिंदी संस्करण में आवाज देने का मौका दिया।

यह पहला मौका है जब आपने एनिमेशन किरदार की डबिंग की है, कितना चैलेंज रहा?

टेक्नीकली बहुत ही चैलेंजेज आते हैं। एनिमेशन में डबिंग करना मेरे लिए भी पहला ही अनुभव रहा है। एक - दो दिन समझने में लग गया कि डबिंग कैसे होता है। कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो अंग्रेजी से हिंदी में ट्रांसलेट करने पर बदल जाते हैं। उनके चार शब्द हमारे आठ बन जाते हैं।

या फिर उनके 10 शब्द हमारे 5 में ही खत्म हो जाते हैं। उस हिसाब से बैलेंस करना होता है। क्योंकि स्टोरी लाइन उनके हिसाब से लिखी गई है।

कभी ऐसा हुआ है कि 'गारफिल्ड' की वजह से बचपन में आपको डांट पड़ी हो?

पढ़ाई ही सबकुछ जीवन में नहीं होता है। एंटरटेनमेंट भी बहुत जरूरी है। सुबह उठकर पहले गारफिल्ड पढ़ते थे और उसके बाद सीधे स्कूल चले जाते थे। जीवन में बैलेंस बहुत जरूरी होता है। गारफील्ड के अलावा टॉम एंड जेरी मुझे शुरू से बहुत पसंद रहे हैं। लेकिन कभी ऐसा नहीं हुआ कि इसकी वजह से स्कूल या फिर घर पर डांट पड़ी हो।

वैसे आपके स्कूल के किस्से बहुत फेमस रहे हैं, मम्मी के दिए आलू के पराठे बेच देते थे ?

मुझे कैंटीन में खाने का बहुत शौक था। मेरी मम्मी आलू के पराठे बहुत अच्छे से बनती थी। स्कूल में मेरे दोस्तों को मम्मी के हाथ के पराठे बहुत पसंद थे। मैं उन्हें 5- 5 रुपए में पराठे बेच देता था। उससे जो पैसे इकट्ठे होते थे, छोले भटूरे और कैम्पा कोला खरीदता था। इस तरह से मेरा बहुत मजेदार बिजनेस चल रहा था। लेकिन जब मम्मी को पता चला तो ब्रेड बटर देने शुरू कर दिए। जिसका स्कूल में कोई खरीदार नहीं था।

फिल्म 'चंदू चैंपियन' का पहला पोस्टर आउट

नेवरसीन अवतार में दिखे कार्तिक आर्यन, 14 जून को फिल्म रिलीज होगी

कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'चंदू चैंपियन' का फर्स्ट लुक सामने आया है। कार्तिक ने यह पोस्टर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। पोस्टर में कार्तिक आर्यन को एक रेसलर के रूप में लंगोट पहने हुए देखा जा सकता है। कार्तिक फर्स्ट लुक में बेहद कॉन्फिडेंट लगने के साथ खुलकर सामने आए हैं। उन्हें पहले कभी इस तरह के लुक में नहीं देखा गया है। यह कैरेक्टर उनके पिछली फिल्मों में निभाए गए किरदार से अलग मालूम होता है। साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा एक साथ प्रोड्यूस की गई चंदू चैंपियन, इस साल की सबसे बड़ी रिलीज होने वाली फिल्मों में से एक है।

कार्तिक ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- चैंपियन आ रहा है। मैं बहुत एक्साइटेड हूं और ये पोस्टर शेयर करते हुए बहुत प्राउड महसूस कर रहा हूं। ये मेरे करियर की सबसे चैलेंजिंग और स्पेशल फिल्म का पहला पोस्टर है। कार्तिक को इस लुक में देखना सरप्राइजिंग है। वहीं लोगों का मानना है कि वो एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी परफॉर्मेंस देने वाले हैं। 'चंदू चैंपियन' 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बता दें इन दिनों कार्तिक 'चंदू चैम्पियन' की डबिंग में जुटे हुए हैं। कार्तिक जल्द ही इस फिल्म का प्रमोशन शुरू करेंगे।

क्या होगी 'चंदू चैंपियन' की कहानी

इस फिल्म की कहानी मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है। मुरलीकांत पेटकर स्वर्ण पदक विजेता है, जिन्होंने 1970 के राष्ट्रमंडल खेलों में और फिर 1972 में जर्मनी में हुए पैरालंपिक में उन्होंने देश का नाम रोशन किया था।

कार्तिक आर्यन का वर्कफ्रंट

कार्तिक की आखिरी फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' रिलीज हुई थी, जिसमें उन्होंने कियारा आडवाणी के साथ स्क्रीन शेयर किया था।

वहीं, उन्होंने फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में कैमियो किया था। वहीं, इन दिनों कार्तिक फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में कार्तिक के साथ तृप्ति डिमरी और विद्या बालन भी नजर आएंगी।

ममूटी के खिलाफ सोशल मीडिया यूजर्स का वार

बचाव में उतरे केरल के नेता, बोले-'वे राज्य का गौरव हैं'

चर्चित अभिनेता ममूटी की सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है। अभिनेता की दो साल पहले रिलीज हुई फिल्म को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। इसे लेकर केरल के कई राजनेता अभिनेता के बचाव में आए हैं। उन्होंने अभिनेता को राज्य का गौरव बताते हुए उनका बचाव किया है। लोकप्रिय अभिनेता के खिलाफ सोशल मीडिया पर चल रहे पोस्ट को खारिज करते हुए राज्य के मंत्री वी शिवनकुट्टी, के राजन और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित कई लोगों ने ममूटी का साथ दिया है।

सोशल मीडिया पोस्ट से उपजा विवाद

ममूटी के खिलाफ विवाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा हुई उस पोस्ट के बाद उपजा, जिसमें दावा किया गया कि 2022 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'पुझु' ब्राह्मण विरोधी थी। इसके बाद मलयालम सुपरस्टार ममूटी की सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है। कुछ यूजर्स उनके जन्म के नाम मुहम्मद कुट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं। फिल्म को लेकर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता की आलोचना पर कई नेता उनके समर्थन में आए हैं।

इस दावे के बाद बढ़ा मामला!

पुझु फिल्म का निर्देशन रथीना पीटी ने किया था। यह साइकोलॉजिकल ड्रामा फिल्म है। निर्देशक के पति ने हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान दावा किया कि फिल्म एक विशेष समुदाय के खिलाफ थी और फिल्म करने को लेकर ममूटी की आलोचना की थी। इसके बाद विवाद ने जोर पकड़ा।

अभिनेता ने नहीं दी है प्रतिक्रिया

अब अभिनेता का समर्थन करते हुए वरिष्ठ सीपीआई (एम) नेता और सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने एक फेसबुक पोस्ट में अभिनेता के साथ एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ लिखा है, 'ममूटी मलयालम के गौरव हैं'। सीपीआई नेता और राजस्व मंत्री के राजन ने भी ममूटी को केरल और मलयाली का गौरव बताया है। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी ममूटी का समर्थन किया है। ममूटी को तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। इसके अलावा भी उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। फिलहाल उन्होंने इस पूरे विवाद पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

क्या ज्यादा नमक खाने से हड्डी खराब हो सकती है? जानें और खुद का बचाव करें इस गंभीर बीमारी से

अगर आप ज्यादा नमक खाते हैं तो आपको थोड़ा सावधान हो जाना चाहिए। दरअसल, ज्यादा नमक का सेवन आपकी हड्डियों को प्रभावित कर सकता है। एक रिपोर्ट बताती है कि अगर आप ज्यादा नमक खा रहे हैं तो ये आपकी हड्डियों को अंदर से खोखला करने लगता है। इतना ही नहीं ये ऑस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर बीमारी का भी कारण बन सकता है। कैसे, जानते हैं इस बारे में विस्तार से। तो, पहले जानते हैं नमक में ऐसा क्या होता है जिससे हड्डियां खराब हो सकती हैं।

क्या ज्यादा नमक खाने से हड्डी खराब हो सकती है?

नमक, जिसे सोडियम क्लोराइड भी कहा जाता है इसमें लगभग 40% सोडियम और 60% क्लोराइड होता है। यह भोजन को स्वादिष्ट बनाता है और इसका उपयोग बाइंडर और स्टेबलाइजर के रूप में किया जाता है। साथ ही नमक एंटीबैक्टीरियल कंपाउंड के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं मांसपेशियों को सिकोड़ने और आराम देने और पानी और खनिजों का उचित संतुलन बनाए रखने के लिए थोड़ी मात्रा में सोडियम की आवश्यकता होती है और इसलिए नमक खाना जरूरी है। लेकिन, जब आप ज्यादा नमक खाते हैं तो शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ने लगती है और कैल्शिम की मात्रा लगातार घटने लगती है।

सोडियम कैसे कैल्शियम को घटाता है

सोडियम, कैल्शियम का दोहन करता है। यानी कि ये हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण करता है और इसे मल-मूत्र के जरिए शरीर से बाहर निकाल देता है। इससे धीमे-धीमे हड्डियां कमजोर पड़ने लगती हैं और फिर होती है ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी। इस बीमारी में हड्डियां अंदर से कमजोर होने लगती हैं और फिर खोखली होने की वजह फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा ज्यादा नमक के सेवन से हड्डियों में सूजन की समस्या भी बढती है।

तो सीडीसी के अनुसार आपको प्रतिदिन 6 ग्राम से अधिक नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। वर्तमान में नमक का औसत सेवन प्रतिदिन 8 ग्राम नमक है, हालांकि कई लोग इससे अधिक खा रहे हैं, जिन्हें इसे कम करने की जरूरत है। इसके अलावा आपको उन चीजों से भी बचना चाहिए जिनमें नमक इनडायरेक्ट तरीके से मिला होता है। जैसे चटनी, सॉस, चिप्स और हाई सोडियम वाले प्रोसेस्ड फूड।

इम्युन रेजीलेंस की वजह से बार-बार बीमार पड़ते हैं लोग

इस सिस्टम के कमजोर होने से शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता

देर-सबेर बीमारी हम सबका दरवाजा खटखटाती है, लेकिन कुछ लोगों पर इसका असर नहीं दिखता, कुछ ऐसे भी होते हैं, जो अक्सर बीमार पड़ते-रहते हैं। पहली बार इसकी सटीक वजहों का पता चला है। नेचर में प्रकाशित स्टडी के मुताबिक इसके लिए हमारे शरीर में मौजूद 'प्रतिरक्षा लचीलापन' सिस्टम जिम्मेदार है।

यह शरीर की प्रतिरक्षा गतिविधियों को बहाल करने, सूजन/जख्म को नियंत्रित करने की क्षमता, संक्रमण या अन्य बीमारियों को प्रभावित कर सकता है। जिन लोगों में यह सिस्टम मजबूत होता है, उनमें रोगों से लड़ने की क्षमता अधिक होती है। यह लंबे जीवन के लिए सबसे अहम फैक्टर है।

स्टडी के मुख्य शोधकर्ता और टेक्सास यूनिवर्सिटी में मेडिसिन के प्रोफेसर कहते हैं- इस खोज से दिल की बीमारी, संक्रमण, कैंसर जैसे रोगों की रोकथाम के लिए नए कारगर इलाज तलाशने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने सभी उम्र के 50 हजार लोगों के ब्लड सैंपल को एनालाइज करके ये रिजल्ट निकाला है।

अनुशासन : नियमित व्यायाम से ही इस सिस्टम को और प्रभावी बना सकते हैं

डॉ.बताते हैं कि मुझे खुशी होती है जब मैं अब भी बुजुर्ग दिग्गजों को मास्क में देखता हूं क्योंकि वे मूल सिद्धांत को समझते हैं कि उनका प्रतिरक्षा सिस्टम कमजोर है। यह सिस्टम आनुवंशिक है। अच्छे भोजन और नियमित व्यायाम से इसे और प्रभावी बना सकते हैं। मध्यम आयु वर्ग के समूह को छह महीने कसरत कराई और फिर दो हफ्ते के लिए प्रैक्टिस रोक दी।

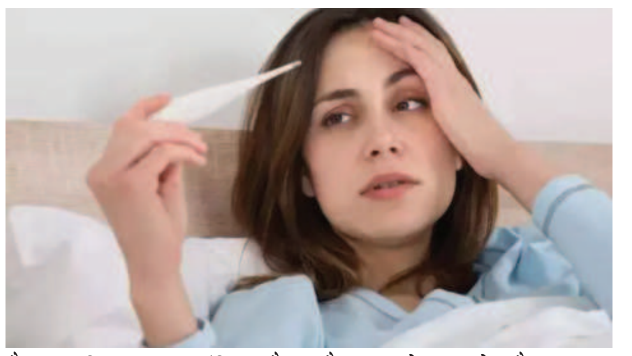

व्यायाम करते वक्त और न करने के दौरान लिए गए ब्लड सैंपल के विश्लेषण से पता चलता है कि जब लोग लगातार व्यायाम करते हैं, तो मृत्यु दर और दीर्घायु से जुड़े मापदंडों में सुधार होता है। जैसे ही व्यायाम बंद करते हैं तो दोबारा प्वाइंट जीरो पर पहुंच जाते हैं। यानी व्यक्तिगत अनुशासन बेहद अहम है।

'प्रतिरक्षा लचीलापन': ये सिस्टम ही तय करता है शरीर बीमारी से कैसे निपटेगा

ज्यादा बीमार पड़ने के 3 फैक्टर हो सकते हैं। पहला आनुवंशिक संवेदनशीलता, दूसरा माहौल (पर्यावरण या गंदगी) और तीसरा किसी इनफ्लेमेटरी स्ट्रेस (सूजन या जख्म) पर शरीर किस तरह प्रतिक्रिया देता है। जब शरीर चोट या किसी संक्रमण पर प्रतिक्रिया देता है तो 'सूजन का विस्फोट' होता है।

जख्मी या संक्रमित जगह सूज जाती है, लाल हो जाती है। इसे फैलने से रोकने के लिए सफेद रक्त कोशिकाओं की जरूरत होती है। कीमोकाइन्स प्रक्रिया श्वेत रक्त कोशिकाओं को आकर्षित करती हैं। स्टडी बताती है कि मजबूत 'प्रतिरक्षा लचीलापन' सिस्टम वाले लोग संक्रमित होते हैं फिर भी बीमार नहीं पड़ते हैं।

मातृत्वशक्ति : महिलाओं में पुरुषों से ज्यादा मजबूत यह सिस्टम, यही लंबी उम्र का राज

हम लोगों को 4 समूहों में बांट सकते हैं। जिनमें उच्च प्रतिरक्षा लचीलापन व संक्रमण जोखिम कम होता है, वे दीर्घायु होते हैं। कम प्रतिरक्षा क्षमता व उच्च संक्रमण वाले लोग दुर्भाग्य से कम जीते हैं। जिनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा और संक्रमण का जोखिम उच्च है, उनका जीवनकाल मध्यम होता है।

चौथा ऐसा वर्ग है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम व संक्रमण का जोखिम कम होता है। ऐसे लोग भी मध्यम जीवन जीते हैं। महिलाओं में यह क्षमता पुरुषों से अधिक मिली। मातृ और भ्रूण के स्वास्थ्य के लिए प्रतिरक्षा क्षमता के महत्व को देखते हुए अनुमान लगाया जा सकता है कि प्रतिरक्षा संबंधी गुण इनमें अधिक प्रमुखता से विकसित हुए होंगे। यही लंबी उम्र का राज है।

हैकर्स की नजर हमेशा हम पर रहती है इसलिए इंटरनेट पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले सावधान

हम सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं। कभी घर में खींची हुई सेल्फी, कभी दोस्तों के साथ कैफे वाली फोटो और कभी घूमने-फिरने की तस्वीरें। परंतु कहते हैं न कि सोशल मीडिया पर तस्वीर हमेशा सोच-समझकर डालनी चाहिए। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि इन तस्वीरों का ग़लत इस्तेमाल हो सकता है, बल्कि इसलिए कि इनमें मौजूद छोटी-छोटी जानकारियां आपका बड़ा नुक़सान कर सकती हैं। इन जानकारियों की बदौलत हैकर्स आप पर और आपके खाते पर नज़र रख सकते हैं। यहां हम उन्हीं जानकारियों की बात करेंगे जिसका अंदाज़ा आपने पहले कभी नहीं लगाया होगा।

इसे उदाहरण से समझते हैं...

आपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें आपकी दोस्त या साथी आपका पूरा नाम ले रही है। सोशल मीडिया पर कई लोग रोचक नाम चुनकर यूज़र आईडी बनाते हैं इसलिए असली नाम का अंदाज़ा लगाना मुश्किल होता है। परंतु साथी ने जब आपको पुकारा तो आपने हैकर को अपने सही नाम की पुष्टि कर दी।

हैकर आपकी प्रोफाइल पर जाएगा और सारी तस्वीरें और वीडियो देखेगा। एक तस्वीर आपने अपने ग्रेजुएशन की भी डाली है जिसमें आप अपना सर्टिफिकेट लेकर खड़ी हैं। यहां से हैकर टीसी नंबर निकाल सकता है जिससे आपकी अन्य जानकारी भी मिल जाएगी।

घर के बाहर ली गई सेल्फी घर का पता उजागर कर सकती है।

दोस्तों के साथ फोटो खींचते समय यदि ग़लती से भी आपका एटीएम कार्ड या कोई दस्तावेज़ उसमें आते हैं तो हैकर इसे चुरा सकता है। कार्ड नंबर पता चल सकता है। जन्मदिन की तस्वीरें जिनमें केक में उम्र की संख्या वाली मोमबत्ती है, हाथ में अंकों के गुब्बारे पकड़े हुए आपकी तस्वीर है, हैकर को आपकी आयु का पता देगी। तस्वीर किस दिन पोस्ट की गई है उससे जन्म तिथि निकाली जा सकती है।

अब आपका नाम, एटीएम कार्ड का नंबर, जन्म तिथि, घर का पता आदि सब हैकर के पास है।

सुरक्षा का ध्यान रखें

अपनी प्रोफाइल पब्लिक न रखते हुए प्राइवेट रखें ताकि कोई अनजान व्यक्ति पोस्ट न देख पाए। क्योंकि अगर यह पब्लिक होगी तो आपके दोस्त के द्वारा तस्वीर को लाइक और कमेंट करने पर ये उससे जुड़े लोगों तक पहुंच जाएगी। इसलिए इसे निजी रखने की कोशिश करें।

केवल उन्हीं की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करें जिन्हें आप जानते हैं, क्योंकि ठग आपको फॉलो करके आप पर नज़र रख सकता है।

अगर आपको तस्वीरें और वीडियो डालने का शौक़ है, बिज़नेस प्रोफाइल या सोशल मीडिया ब्लॉग है तो ऐसी सामग्री डालने से बचें जिससे आपको नुक़सान पहुंच सकता है।

निजी ज़िंदगी से जुड़े कोई भी पल साझा करने से बचें।

पहले जांच लें कि...

सोशल मीडिया या मैसेंजर पर, कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसे अच्छी तरह से जांच लें। आपने अपनी कोई तस्वीर खींची है तो उसके आसपास मौजूद वस्तुओं को एक बार देख लें। कहीं आपके पीछे, बगल या फिर टेबल पर कोई ऐसी वस्तु तो मौजूद नहीं जिसमें ज़रूरी जानकारी नज़र आए, जैसे दस्तावेज़, घर का पता या तस्वीर आदि। यहां तक कि घर के अंदर भी तस्वीर लेने से पहले देख लें कि आसपास अलमारी, तिजोरी या सोने-चांदी की मूर्ति या तस्वीर जैसी क़ीमती वस्तुएं तो इसमें नज़र नहीं आ रहीं, क्योंकि इससे अपराधी को आपकी आर्थिक स्थिति के बारे में पता चल जाएगा और आपके बारे में अधिक से अधिक जानकारी बटोर सकेगा।

सीमित रखें जानकारी

तस्वीर और वीडियो इस तरह पोस्ट करें कि उसमें अधिक जानकारी न हो। उदाहरण के लिए, तस्वीर कहां ली है उस जगह का नाम नहीं लिखें। कई बार लोग लोकेशन डाल देते हैं। कहां जा रहे हैं और कैसे जा रहे हैं, सब कैप्शन में लिखते हैं। ऐसा करके आप ख़ुद को जोखिम में डालते हैं। यह ख़ासतौर पर उन लोगों के लिए ख़तरनाक साबित हो सकता है जो अकेले सफ़र करते हैं। इसलिए इनके अलावा सोशल मीडिया पर लाइव होने से भी बचें।

बच्चों पर मां की मौजूदगी का असर ताउम्र रहता है

इस तथ्य से इंकार नहीं कर सकते कि बच्चे के जीवन में मां की भूमिका अहम होती है। नैपी बदलने से लेकर खेलों में उत्साह बढ़ाने तक मां बेहतर तरीके से मल्टीटास्किंग होती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि उनका समर्थन बच्चों के लिए मौजूद रहने से कहीं ज्यादा होता है।

मां जब छोटी-छोटी चीजों में बच्चों का ज्यादा सहयोग करती हैं, तो बच्चों का सामान्य बुद्धि स्कोर भी ज्यादा होता है। भले ही मां की बुद्धिमत्ता का स्कोर कम हो, तो भी बच्चों पर इसका असर नहीं पड़ता। यह प्रभाव बच्चे पर ताउम्र बना रहता है। यह दावा जर्नल इंटेलिजेंस में प्रकाशित ताजा स्टडी में किया गया है।

14 माह से 10 साल तक के बच्चों पर हुई स्टडी

शोधकर्ताओं ने 1,075 बच्चों को स्टडी में शामिल किया था। इनमें अलग-अलग और जातीय पृष्ठभूमि के लड़के और लड़कियां शामिल थे। नतीजों से पता चलता है कि सहायक मां होने का सीधा असर बच्चे की बुद्धि पर पड़ता है। जब माताओं ने अपने बच्चों के प्रति अधिक समर्थन दिखाया, तो बच्चे सामान्य बुद्धि होने पर भी ज्यादा अंक हासिल करने लगे।

स्टडी के लेखक और शोधकर्ता कर्टिस डंकल कहते हैं,'जीवन की शुरुआत में सामान्य बुद्धि में व्यक्तिगत अंतर काफी हद तक एक ही घर में रहने वाले लोगों द्वारा साझा किए गए वातावरण के कारण होता है। जबकि वयस्क होने पर बड़े पैमाने पर मतभेद, आनुवंशिकी की वजह से होते हैं।'

स्टडी के दौरान बच्चों (14 माह से 10 साल वाले) की बौद्धिक क्षमता का मूल्यांकन शब्दावली बनाने और उसकी समझ, प्रारंभिक इशारों व मानसिक विकास परीक्षणों की मदद से किया गया।

40 साल की उम्र में सामान्य बुद्धि के लिए मां का समर्थन मायने नहीं रखता

डंकल कहते हैं, कुछ स्टडी बताती है कि बच्चों पर यह प्रभाव वयस्कता की शुरुआत होने तक ज्यादा रहता है। यह उम्र का अहम पड़ाव है, जब बौद्धिक प्रदर्शन में थोड़ी बढ़त भी महत्वपूर्ण हो सकती है। जैसे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या कॉलेज में प्रवेश की यही उम्र होती है। हालांकि 40 साल की उम्र में सामान्य बुद्धि के लिए मां का समर्थन मायने नहीं रखता, पर यह किसी व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण हो सकता है। मां के सहयोग को बढ़ावा देकर, माता-पिता संभावित रूप से बच्चों की दीर्घकालिक बौद्धिक बेहतरी में अहम योगदान दे सकते हैं।

जो बच्चे माता-पिता से ज्यादा जुड़े रहते हैं, उन्हें सहयोग भी भरपूर मिलता है

डंकल कहते हैं,'मां का सहयोग भले ही कम समय का हो, पर महत्वपूर्ण है। लंबी अवधि में इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मां कितनी सहायक थीं। स्टडी के दौरान यह भी पता चला कि जो बच्चे अपनी सोच को प्रोत्साहित करने के लिए अपने माता-पिता की कोशिशों में ज्यादा रुचि रखते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं, उन्हें अपनी माताओं से अधिक प्रोत्साहन मिल सकता है।

यह सामान्य बुद्धि स्कोर को ऊंचा करने में अहम योगदान दे सकता है। उम्र बढ़ने के साथ भले ही मां का सहयोग कम होता है पर इसने समग्र प्रभाव को खत्म नहीं होने दिया।

दलिया खाने के फायदे और सही तरीका

दलिया खाना सेहत के लिए कारगर तरीके से काम करता है। पर सबसे ज्यादा वेट लॉस करने वाले लोग इसे खाते हैं। दरअसल, दलिया में फाइबर की मात्रा इतनी ज्यादा होती है कि ये फैट मेटाबोलिज्म को तेज करता है और फिर पाचन क्रिया में तेजी लाता है। इसके अलावा वेट लॉस के लिए जब आप इसे खाते हैं तो ये आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और फिर बेकार की भूख से बचाता है। इससे आपको क्रेविंग नहीं होती है और कम कैलोरी के साथ आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है। तो, आइए जानते हैं वेट लॉस के लिए कब और कौन सा दलिया खाएं। पर उससे पहले जानते हैं क्या रात को दलिया खाने के फायदे ज्यादा हैं।

रात को दलिया खाने के फायदे ज्यादा हैं?

रात को दलिया खाना, नाश्ते की तुलना में ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। ऐसा इसलिए कि ये मेटाबोलिक रेट बढ़ाने और बॉवेल मूवमेंट को तेज करने में मदद कर सकता है। इससे पेट साफ हो जाता है और शरीर से गंदगी डिटॉक्स हो जाती है। इसके अलावा ये ब्लोटिंग की समस्या को कम करने में भी मददगार है। बस आपको करना ये है कि आपको रात में गेहूं का दलिया नहीं खाना है बल्कि, इसकी जगह आपको इस दलिया का सेवन करना है।

वेट लॉस के लिए आपको बाजरे का दलिया खाना चाहिए। ऐसा इसलिए कि बाजरे में रफेज और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है जो कि आपकी आंतों के काम काज को तेज करता है। इसके अलावा ये वेट लॉस के प्रोसेस को तेज करता है और फैट पचाने की गति में तेजी लाता है। इस प्रकार से ये दलिया वजन घटाने में व्यापक तरीके से काम करता है। तो वेट लॉस के लिए बाजरे का दलिया रात के खाने में बनाकर खाएं।

वेट लॉस में बाजरा दलिया खाने के फायदे

बाजरा अघुलनशील फाइबर का एक उच्च स्रोत है जो पित्त एसिड के उत्पादन को कम करके सूजन, गैस, ऐंठन और आंत्र समस्याओं जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। कुल मिलाकर, ये उन कारणों पर काम करता है जिससे वेट लॉस के प्रोसेस में तेजी आती है। इस तरह से आपको वजन घटाना है तो रात के खाने में बाजरे का दलिया खाना शुरू करें।

उम्र के मुताबिक बच्चों को कितनी कैलोरी का सेवन करना चाहिए

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है कि बच्चे ऐसी हेल्दी डाइट का सेवन करें जिससे बॉडी को पर्याप्त पोषक तत्व मिले और बॉडी एनर्जेटिक रहे। खराब डाइट और बिगड़ता लाइफस्टाइल बच्चों को कम उम्र में ही मोटापा, किडनी और डायबिटीज का शिकार बना रहा है। 3-4 साल की उम्र में बच्चा अनहेल्दी पैकड स्नैक्स का सेवन करता है और धीरे-धीरे जैसे उम्र बढ़ती है वो चाउमीन, बर्गर और फैट से भरपूर फूड्स का सेवन करना पसंद करता है। ऐसे में बच्चे की बॉडी में फैट की मात्रा बढ़ने लगती है। पेरेंट्स को चाहिए कि अपने बच्चे को ऐसी डाइट दें जिससे उसे उम्र के मुताबिक पर्याप्त कैलोरी मिलती रहे।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक बच्चे की उम्र के मुताबिक उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए कैल्शियम,आयरन और कैलोरी का पर्याप्त सेवन करना जरूरी है। बच्चों की डाइट में कैलोरी की बढ़ती मात्रा उन्हें मोटापा और कई क्रॉनिक बीमारियों का शिकार बना रही है। बच्चे के विकास की गति के दौरान बच्चों के शरीर को बनाए रखने के लिए अधिक मात्रा में कैलोरी की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि उम्र के मुताबिक बच्चे को कितनी कैलोरी की आवश्यकता होती है।

2 से 3 साल –2 से 3 साल के बच्चे के लिए डेली कैलोरी का सेवन 1000 से 1400 kcal/dayहै।

4-6 साल-चार से छह साल के बच्चे को रोजाना 1,400 kcal/day की आवश्यकता होती है।

7 साल की उम्र में कैलोरी सेवन- 7 साल के बच्चे को आमतौर पर हर दिन 1530 और 1650 किलो कैलोरी के बीच की आवश्यकता होती है।

10 साल में कैलोरी की आवश्यकता-10 साल के बच्चे को एक वयस्क के समान, लगभग 1900 और 2000 kcal/day की आवश्यकता हो सकती है।

11 से 12 साल के बच्चे के लिए- 11 से 12 साल के बच्चे के लिए कैलोरी सेवन 1800 और 2200 kcal/day है।

नहीं खाने वाले भी भागकर खाएंगे करेले के पकोड़े की सब्जी

करेले की सब्जी का नाम सुनते ही ज्यादातर लोग अपना मुंह बनाने लगते हैं। कुछ लोगों की तो इस सब्जी से ऐसी दुश्मनी होती है कि वो इसे खरीदकर लाना भी पसंद नहीं करते। ऐसे ही लोगों के लिए आज हम एक ऐसी रेसिपी लाएं जिसके बाद से ये लोग करेला खाना शुरू कर देंगे। खात बात ये है कि इस रेसिपी में करेले की कड़वाहट लगभग गायब हो जाती है। इसके अलावा ये सब्जी इतनी चटपटी बनती है कि खाने के बाद आपको अहसास भी नहीं होगा कि आपने करेला भी खाया है। तो, आइए जानते हैं करेले की सब्जी कैसे बनाएं जो कड़वी ना लगे।

बिना कड़वाहट के करेले की सब्जी कैसे बनाएं-

सामग्री

बेसन , अजवाइन
करेला, नमक
पानी
हींग
चाट मसाला
तेल
जीरा
सरसों के दाने
लहसुन
अदरक
प्याज
टमाटर
धनिया
लाल मिर्च
हल्दी, धनिया और लाल मिर्च पाउडर
अमचूर पाउडर

इस सब्जी का नाम ही है करेले के पकोड़े की सब्जी। इसे बनाने के लिए आपको करना ये है कि पहले तो करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए इसे लंबा-लंबा काटकर नमक में लगाकर रख दें। अब दूसरी तरफ करेले के पकोड़े बनाने के लिए बेसन का बैटर तैयार करें।

-बेसन लें और इसमें अजवाइन, हींग और काला नमक मिला लें।

-इसमें थोड़ा हल्दी, मिर्च, चाट मसाला और धनिया पाउडर मिला लें।

-अब एक गाढ़ा बैटर तैयार करें।

-इसके बाद जिस करेले में आपने नमक लगाकर रखा था उसे पानी से धो लें।

-फिर आपको करना ये है कि बेसन में कटे हुए करेलों को डालें और फिर गर्म तेल में डालकर पकोड़े तलें।

सब्जी के लिए ग्रेवी बनाएं

-अब आपको सब्जी के लिए ग्रेवी बनानी है और इसके लिए पहले आपको प्याज, टमाटर, लहसुन और अदरक बारीक काटकर रख लेना है।

-अब एक कड़ाही लें और इसमें थोड़ा सा तेल डालें।

-तेल जब गर्म हो जाए तो इसमें जीरा और सरसों के दाने और 2 लाल मिर्च डालें।

-अब इसमें प्याज, टमाटर, लहसुन और अदरक सबको डाल लें।

-हल्का नमक और हल्दी, धनिया और लाल मिर्च पाउडर डालकर पकाएं।

-इसी दौरान इसमें अमचूर पाउडर डाल लें।

-हल्का पानी डालकर पकाएं।

अब जब ये पक जाए तो इसमें करेले के पकोड़े डाल लें और अच्छे से मिलाकर 2 मिनट तेज आंच पर पकाएं। फिर इसमें हरा धनिया काटकर मिलाएं और तैयार है आपकी चटपटी करेले की सब्जी। इसे आप रोटी या पराठा किसी के साथ भी खा सकते हैं।

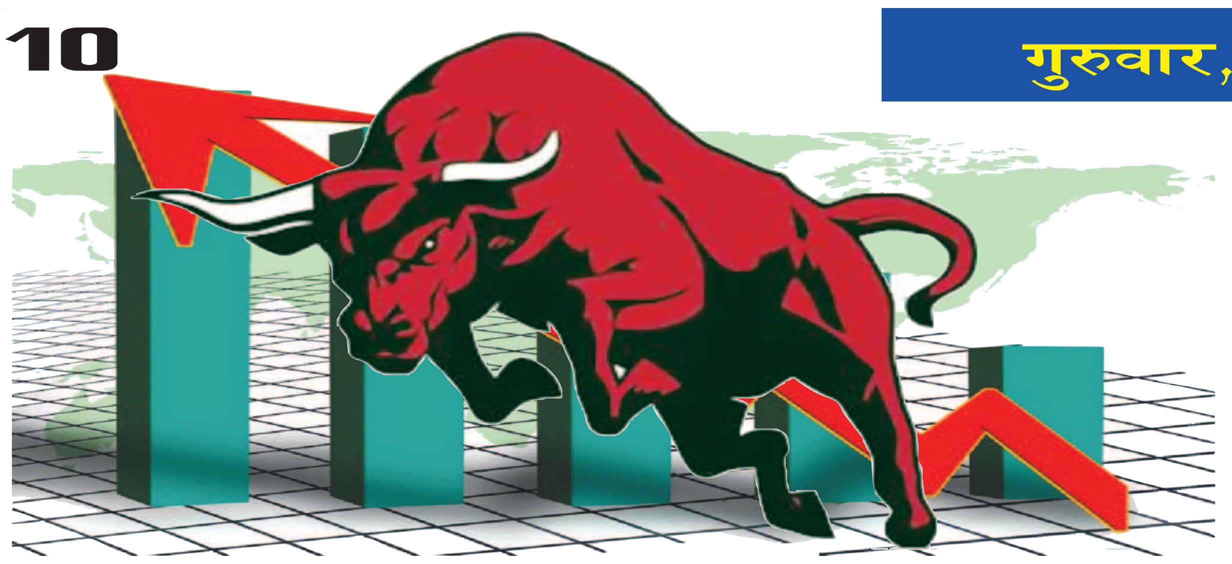

100 छोटे विमान खरीदेगी इंडिगो

कंपनी की एटीआर-एम्ब्रेयर और एयरबस से चल रही बात

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो 100 छोटे विमान खरीदने की तैयारी कर रही है। कंपनी अपने क्षेत्रीय नेटवर्क को बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके लिए उसे छोटे विमान चाहिए। इस सौदे के लिए उसकी एटीआर, एम्ब्रेयर और एयरबस के साथ बातचीत चल रही है।

इंडिगो पहले से ही 78 सीटों वाली 45 एटीआर-72 विमानों का संचालन कर रही है। हालांकि, एयरबस ए-220 और एम्ब्रेयर के ई-175 विमान भी होड़ में हैं।

इंडिगो ने पिछले साल एयरबस को 500 विमानों का ऑर्डर दिया था, जो एविएशन के इतिहास में सबसे बड़ा ऑर्डर था। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने अप्रैल में कहा था कि महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2030 तक एयरलाइन का आकार दोगुना करना है।

इंडिगो की घरेलू एयर ट्रैफिक में 60 फीसदी हिस्सेदारी

इंडिगो अंतरराष्ट्रीय मार्गों के बाद देश में अपने नेटवर्क को और मजबूत कर रह रही है। इससे पहले एयरलाइन ने 25 अप्रैल को 30 एयरबस ए-350-900 विमानों के ऑर्डर देने की घोषणा की थी। एटीआर के अलावा, इंडिगो के बेड़े में एयरबस ए-320 और ए-321 शामिल हैं। इंडिगो की भारत के घरेलू एयर ट्रैफिक में 60 फीसदी हिस्सेदारी है।

कंपनी कम आबादी वाले शहरों में अवसर देख रही है। हवाई अड्डे के बेहतर बुनियादी ढांचे और सरकार की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना से इन शहरों में एयर ट्रैफिक की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

एसबीआई ने एफडी की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। एसबीआई ने 46 दिन से 179 दिन तक की एफडी की ब्याज दर को 4.75% से बढ़ाकर 5.50% किया है। वहीं 180 दिन से 210 दिन तक की एफडी पर अब 5.75% की बजाय 6.00% किया है।

इसी तरह 211 दिन से 1 साल से कम समय की एफडी पर अब 6.00% की जगह 6.25% ब्याज मिलेगा। ब्याज की यह दरें 2 करोड़ रुपए की एफडी से कम के लिए हैं। बाकी अवधि की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया गया है। इन ब्याज दरें 15 मई से लागू हो गई हैं। एफडी से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह से टैक्सेबल होता है। आप एक साल में एफडी पर जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ता है।

'लड़कियों को मिले पूरा हक, तकनीक के क्षेत्र में हो बराबर हिस्सेदारी'

बोलीं ईशा अंबानी

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। चौथी औद्योगिक क्रांति के इस डिजिटल युग में भारत को अगर वर्ल्ड लीडर के तौर पर उभरना है तो लड़कियों को आगे लाना होगा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और सूचना व संचार टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी बढ़ानी होगी।

दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'गर्ल्स इन आईसीटी इंडिया– 2024' में लड़कियों से बात करते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने उन्हें प्रौद्योगिकी को एक करियर के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। ईशा ने कहा, टेक्नोलॉजी क्षेत्र में महिलाओं और पुरूषों का अनुपात बराबर होना चाहिए। इसके लिए हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

'गर्ल्स इन इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (जीआईसीटी) इंडिया– 2024' का आयोजन दूरसंचार विभाग- भारत सरकार, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (दक्षिण एशिया), इनोवेशन सेंटर-दिल्ली और संयुक्त राष्ट्र की अन्य एजेंसियों ने मिलकर किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए ईशा अंबानी ने कहा कि "सरकार आवश्यक सुधार कर रही है, और इसके परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। पिछले दशक में टेक्नोलॉजी कार्यबल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 6% बढ़ा है, पर उद्योग जगत को भी अपना योगदान देना होगा। लड़कियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे तरीके और साधन तैयार करने होंगे, जिससे महिलाओं के करियर में स्थिरता सुनिश्चित हो सके। साथ मिलकर, हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं जहां हमारी बेटियों को कल का नेतृत्वकर्ता बनने के समान अवसर मिलें। ईशा अंबानी ने अपनी मां नीता अंबानी का जिक्र करते हुए कहा कि वे बार बार कहती हैं कि ₹एक आदमी को सशक्त बनाओ तो वह एक परिवार का पेट भरेगा। जबकि एक महिला को सशक्त बनाया जाए तो वह पूरे गांव को खाना खिलाएगी।"

आज सोना-चांदी के दाम में तेजी : सोना 72,725 रुपए पर पहुंचा, चांदी 84,206 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 15 मई को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 390 रुपए महंगा होकर 72,725 रुपए पर पहुंच गया है।

वही चांदी की कीमत में भी आज तेजी देखने को मिली है। एक किलो चांदी 166 रुपए महंगी होकर 84,206 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले चांदी 84,080 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। बीते 5 सालों में सोना दोगुना महंगा हो गया है। यानी इसने 5 सालों में 100% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। 2019 में 10 ग्राम सोने की कीमत 35,220 रुपए थी, जो अब 72 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया है।

बोइंग पर संकट गहराया, अमेरिका बोला

दो 737 मैक्स हादसों के लिए कंपनी पर चलाया जा सकता है मुकदमा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। पांच साल पहले हुए दो अलग-अलग बोइंग 737 मैक्स विमान हादसे में बोइंग पर मुकदमा चलाया जा सकता है। इन हादसों में 346 लोगों की जान गई थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विभाग के अधिकारियों ने टेक्सास में एक संघीय अदालत को लिखे पत्र में कहा कि बोइंग ने एक समझौते के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण दुर्घटनाओं के लिए उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। दूसरी ओर, बोइंग ने एक समाचार एजेंसी से कहा, हम मानते हैं कि हमने उस समझौते की शर्तों का सम्मान किया है। बोइंग ने कहा है कि वह खुद का बचाव करने की योजना बना रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने पत्र में कहा कि बोइंग ने अपने संचालन के दौरान अमेरिकी धोखाधड़ी कानूनों के उल्लंघन को रोकने और पता लगाने के लिए मौजूदा निर्देशों को लागू करने में विफल रहकर अपने दायित्वों का उल्लंघन किया है।

अमेरिकीन्याय अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के उल्लंघन का मतलब है कि बोइंग पर दुर्घटनाओं से संबंधित संघीय कानून के किसी भी उल्लंघन के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। सरकार इस बात का मूल्यांकन कर रही है कि मामले में कैसे आगे बढ़ना है। इस मामले में बोइंग को 13 जून तक जवाब देने का निर्देश दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने लॉयन एयर फ्लाइट 610 और इथोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 के दुर्घटनाग्रस्त होने में मारे गए लोगों के परिवारों से भी मिलने की योजना बनाई है। दूसरी बोइंग एक समाचार एजेंसी को दिए बयान में कहा, हम पूरी पारदर्शिता के साथ विभाग के साथ सहयोग करेंगे, जैसा कि हमने समझौते की पूरी अवधि में किया है। इसमें अलास्का एयरलाइंस 1282 दुर्घटना के बाद उनके सवालों के जवाब देना भी शामिल है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-47 सूर्यास्त. -18-37
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 06-23 तक उपरान्त नवमी
मास - वैशाख शुक्ल, गुरुवार 16 May
नक्षत्र - मघा 18-13 तक उप पूर्वाफाल्गुनी
योग - ध्रुव 08- 22 तक उप व्याघात
करण- बव 06-23 तक उप बालव
विशेष:- व्रत -त्योहार - जानकी नवमी

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष--	05-42 बजे
चंद्र-	सिंह में	मिथुन..	07-42 बजे
मंगल	मीन में	कर्क...	09-55 बजे
बुध-	मेष में	सिंह...	12-07 बजे
गुरु-	वृष में	कन्या..	14-13 बजे
शुक्र-	मेष में	तुला.....	16-19 बजे
शनि-	कुंभ में	वृश्चिक..	18-29 बजे
राहु-	मीन में	धनु.....	20-43 बजे
केतु-	कन्या में	मकर...	22-49 बजे
		कुंभ....	00-39 बजे
		मीन...	02-17 बजे
		मेष....	03-53 बजे

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:49 से 15:26 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:47 - 07:22	शुभ	अमृत	18:37 - 20:03	शुभ
रोग	07:22 - 08:59	अशुभ	चंचल	20:03 - 21:26	शुभ
उत्पात	08:59 - 10:36	अशुभ	रोग	21:26 - 22:49	अशुभ
चंचल	10:36 - 12:13	शुभ	काल	22:49 - 24:12	अशुभ
लाभ	12:13 - 13:49	शुभ	लाभ	24:12 - 01:36	शुभ
अमृत	13:49 - 15:26	शुभ	उत्पात	01:36 - 02:59	अशुभ
काल	15:26 - 17:03	अशुभ	शुभ	02:59 - 04:22	शुभ
शुभ	17:03 - 18:37	शुभ	अमृत	04:22 - 05:47	शुभ

ब्लैकस्टोन समेत 3 विदेशी कंपनियां मिलकर खरीदेंगी हल्दीराम

कंपनी की 76% हिस्सेदारी खरीदने के लिए 70 हजार करोड़ की बोली लगाई

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। देश की पॉपुलर स्नैक्स कंपनी हल्दीराम की 76% हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ग्रुप ने कथित तौर पर 8.5 बिलियन डॉलर (करीब 70 हजार करोड़) की एक नॉन बाइंडिंग बिड प्रस्तुत की है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्राइवेट इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन के नेतृत्व में एक कंटोर्टियम अबु धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी सिंगापुर ने साथ मिलकर हिस्सेदारी खरीदने के लिए बोली प्रस्तुत की है। हालांकि, अभी तक हल्दीराम और कंटोर्टियम की ओर से इसके बारे में ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। हल्दीराम के स्नैक्स सिंगापुर और अमेरिका जैसे विदेशी बाजारों में भी बेचे जाते हैं। इसकी शुरुआत 1937 में एक छोटी सी दुकान से हुई थी। हल्दीराम के स्नैक्स सिंगापुर और अमेरिका जैसे विदेशी बाजारों में भी बेचे जाते हैं। इसकी शुरुआत 1937 में एक छोटी सी दुकान से हुई थी।

यह इंडिया की सबसे बड़ी प्राइवेट इक्विटी डील हो सकती है

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर यह डील होती है तो यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी प्राइवेट इक्विटी डील होगी। एचएसएफपीएल अग्रवाल फैमिली के दिल्ली और नागपुर गुट की कंबाइंड पैकेज्ड और स्नैक्स फूड बिजनेस है।

स्नैक मार्केट 13% हिस्सेदारी, 1937 में हुई थी शुरुआत

यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के अनुसार, भारत के 6.2 अरब डॉलर के स्नैक मार्केट में हल्दीराम की लगभग 13% हिस्सेदारी है। लेज चिप्स के लिए मशहूर पेप्सी का भी लगभग 13% हिस्सा है। हल्दीराम के स्नैक्स सिंगापुर और अमेरिका जैसे विदेशी बाजारों में भी बेचे जाते हैं। कंपनी के पास लगभग 150 रेस्तरां हैं। इसकी शुरुआत 1937 में एक छोटी सी दुकान से हुई थी।

सेंसेक्स 117 अंक टूटा

निफ्टी भी लाल निशान पर बंद

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार ने बुधवार को अपनी तीन दिन पुरानी बढ़त गंवा दी। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में मजबूत शुरूआत हुई, पर यह ऊपरी स्तरों से फिसल गया।

शुरुआती सत्र में करीब 200 अंकों की बढ़त के बावजूद बाजार पर बिकवाली हावी हो गई। आखिरकार, बीएसई सेंसेक्स 117.58 (0.16%) अंक टूटकर 72,987.03 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 17.30 (0.08%) अंक फिसलकर 22,200.55 पर पहुंच गया। बुधवार के कारोबारी सत्र के दौरान टाटा मोटर्स और एशियन पेंट्स के शेयरों में दो-दो प्रतिशत की गिरावट दिखी।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा बहुत सारे काम कतार में हैं हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,) — आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,) — इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो,) — अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,) — आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगीआप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,) — इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे) — आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था ,यह काम इससे कहीं मुश्किल है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दुबई में भारतीयों के पास डेढ़ लाख करोड़ की प्रॉपर्टी

>तंगहाल पाक के नागरिक 91 हजार करोड़ की संपत्ति के मालिक > जरदारी–मुशर्रफ का भी नाम

दुबई, 15 मई (एजेंसियां)। दुनियाभर के अमीरों में दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। भारत के 29 हजार 700 लोगों के पास दुबई में 35 हजार प्रॉपर्टीज हैं। इनकी कीमत 1.42 लाख करोड़ रुपए है। सेंटर फॉर एडवांस डिफेंस स्टडीज को मिले डेटा के आधार पर 58 देशों के 74 मीडिया हाउस ने यह रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट को 'दुबई अनलॉक्ड' नाम दिया गया है। इसमें 2020-22 तक दुबई में विदेशियों की संपत्ति की डीटेल साझा की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस लिस्ट सबसे ऊपर भारतीयों का नाम है। संपत्ति के मामले में दूसरे नंबर पर पाकिस्तान है। यहां के 17 हजार लोग करीब 23 हजार प्रॉपर्टीज के मालिक हैं। इनकी कुल कीमत 91.8 हजार करोड़ है।

मुकेश अंबानी के पास दुबई में 2 हजार करोड़ की प्रॉपर्टीज

सूची में तीसरे नंबर पर ब्रिटेन और चौथे पर सऊदी अरब के नागरिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पास दुबई में 2 हजार करोड़ की संपत्ति है। वहीं लुलु ग्रुप के चेयमैन एमए यूसुफ अली और उनके परिवार के पास 585 करोड़ की प्रॉपर्टी है। इस लिस्ट में अरबपति गौतम अडाणी के भाई का भी नाम है। इसके अलावा बॉलीवुड स्टार्स जैसे शाहरुख खान, अनिल कपूर और शिल्पा शेट्टी भी दुबई में करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 के आंकड़ों के हिसाब से दुबई में विदेशियों के पास कुल 160 अरब डॉलर की संपत्ति है।

जरदारी को मिला था 2.74 हजार करोड़ का पेंटहाउस

इनमें दुनियाभर में भ्रष्टाचार के आरोपी राजनेता, सेलेब्रिटीज, बिजनेसमैन के अलावा ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से लेकर पूर्व सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ तक का नाम इस लिस्ट में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2014 में अब्दुल गनी माजिद नाम के व्यक्ति ने दुबई का एक पेंटहाउस जरदारी को तोहफे में दिया था। इसकी कीमत तब 2.74 हजार करोड़ रुपए थी। बाद में राष्ट्रपति ने यह संपत्ति अपनी बेटी को तोहफे में दे दी। जरदारी के बेटे और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के पास भी दुबई में प्रॉपर्टी है। उनके अलावा नवाज शरीफ के बेटे हुस्सैन नवाज शरीफ, गृह मंत्री मोहसिन नकवी, कई सांसद और विधायक भी दुबई में करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं।

हिजबुल्लाह-हूती लड़ाके भी करोड़ों की संपत्ति के मालिक

जापानी मीडिया निक्केई एशिया ने दुबई अनलॉक्ड रिपोर्ट के हवाले से बताया कि दुबई में कई आतंकी संगठन के सदस्यों के पास भी लाखों-करोड़ों की संपत्ति है। इनमें हूती विद्रोहियों और लेबनान से ऑपरेट होने वाले हिजबुल्लाह संगठन के सदस्यों का नाम शुमार है।

हिजबुल्लाह संगठन के लिए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी अली ओसीरान के पास बुर्ज खलीफा में एक प्रॉपर्टी है। वहीं ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स भी दुबई में संपत्ति के मालिक हैं। इस लिस्ट में जापान के 1 हजार ऐसे लोगों का भी नाम हैं, जिन पर गैर-कानूनी काम करने का आरोप है। 3 साल में 55% बढ़ी बुर्ज खलीफा में एक कॉम्प्लेक्स की कीमत दुनिया का रियल स्टेट मार्केट तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन की प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी फर्म नाइट फ्रैंक के मुताबिक, साल 2020 में यहां घरों की कीमत में तीन गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। बुर्ज खलीफा में एक कॉम्प्लेक्स की कीमत 2021 के बाद से 55% बढ़ गई है।

दुबई में 2023 में 10 मिलियन डॉलर (करीब 83.49 करोड़ रुपए) मूल्य के 431 घर बिके। ये दुनिया के किसी भी शहर की तुलना में सबसे ज्यादा है। इस मामले में लंदन 240 घरों के साथ दूसरे और न्यूयॉर्क 211 घरों की बिक्री के साथ तीसरे नंबर पर है। दुबई में 2022 के बाद से साढ़े 4 करोड़ की प्रॉपर्टी खरीदने पर आसानी से यहां लंबे समय के लिए वीजा मिल जाता है। वीजा नियमों में इस बदलाव के बाद दुबई रियल एस्टेट ने 2022 में खरीद वैल्यू में 76.5% और संख्या में 44.7% की वृद्धि दर्ज की। रियल एस्टेट सेक्टर में निवेशकों की संख्या सिर्फ एक साल में ही 53% तक बढ़ी, जो एक रिकॉर्ड था।

केजरीवाल की परछाई जैसे हैं बिभव कुमार

वीडियो एडिटर से बने सीएम के पीए; स्वाति मालीवाल पर हमले का आरोप

नई दिल्ली, 15 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली सीएम के आवास में कथित रूप से मारपीट हुई है। डीसीपी (नॉर्थ) मनोज मीणा के मुताबिक स्वाति ने सोमवार सुबह 9:34 बजे पीसीआर को कॉल करके बताया कि वह सीएण हाउस आई हैं। वहां उन्होंने अपने पीए बिभव कुमार से मुझ पर हमला करवाया है।

बिभव कुमार को केजरीवाल का भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है। कभी मनीष सिसोदिया के साथ काम करते थे, फिर कैसे अरविंद केजरीवाल की परछाई बने। इसी साल मार्च में विजिलेंस डिपार्टमेंट ने बिभव कुमार को दिल्ली सीएम के पीए पद से बर्खास्त किया था। स्वाति मालीवाल पर कथित हमले से चर्चा में आए बिभव कुमार की पूरी कहानी...।

2000 के दशक की शुरुआत में बिभव, मनीष सिसोदिया के एनजीओ कबीर में काम करते थे। इसके बाद वो केजरीवाल के एनजीओ पब्लिक कॉज रिसर्च फाउंडेशन और कबीर के बीच कोऑर्डिनेशन का काम करने लगे। इसके चलते केजरीवाल के साथ बिभव की नजदीकियां बढ़ीं।

आगे चलकर इंडिया अगेंस्ट करप्शन मुहिम के सदस्यों की ओर से शुरू की गई एक मैगजीन के लिए बिभव वीडियो एडिटर के तौर पर काम करने लगे। बिभव इसी समय से केजरीवाल के साथ आ गए और उनके रोजमर्रा के कामों में उनकी मदद करने लगे। इंडिया अगेंस्ट करप्शन से जुड़े लोगों ने ही आगे चलकर आम आदमी पार्टी बनाई थी। तमाम अहम मौकों पर केजरीवाल के साथ रहने के बावजूद बिभव मीडिया और लाइमलाइट में बहुत कम आते हैं। बिभव के इस गुण की केजरीवाल प्रशंसा भी करते हैं।

अरविंद केजरीवाल के क्लोज्ड सर्कल में बिभव कुमार का नाम शुमार है। बिभव कुमार ही यह सुनिश्चित करते हैं कि केजरीवाल समय से अपनी दवाइयां, इन्सुलिन और खाना लेते रहें। 2014 लोकसभा चुनाव के दौरान पंजाब में केजरीवाल को दांत में दर्द हो रहा था। उस वक्त बिभव ने व्यवस्था की कि केजरीवाल को टाइम पर खाना मिल सके, जिससे वो अपनी दवाइयां समय पर ले सकें।

केजरीवाल के जीवन में इतनी अहम जगह रखने के कारण बिभव को केजरीवाल का 'मैन फ्राइडे' तक कहा जाता है। अंग्रेजी के इस टर्म का मतलब होता है सबसे करीबी और भरोसेमंद सहयोगी। 27 फरवरी 2015 को दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने अपने पर्सनल सेक्रेटरी के तौर पर बिभव कुमार को नियुक्त किया था। थे।

लंबे समय से केजरीवाल और दूसरे लोगों के बीच बिभव ब्रिज का काम करते आ रहे हैं। साथ ही बिभव उन दो लोगों में से थे, जिन्हें कोर्ट ने केजरीवाल से रोजाना जेल में मिलने की इजाजत दी थी। इसमें पहला नाम केजरीवाल की पत्नी सुनीता का था। कई लोग बिभव और अरविंद के रिश्ते की तुलना मनीष सिसोदिया और अरविंद के रिश्ते से करते हैं।

मार्च 2024 में बिभव को सीएम के पर्सनल सेक्रेटरी के पद से बर्खास्त कर दिया गया था। स्पेशल सेक्रेटरी विजिलेंस वाईवीवीजे राजशेखर ने आदेश जारी कर कहा था कि बिभव की सेवाएं तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी गई हैं। उनकी नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया और नियमों का पालन नहीं किया गया है। इसलिए ये नियुक्ति अवैध और शून्य करार दी जाती है। राजशेखर ने ये आदेश 2007 के एक मामले के आधार पर दिया।

दरअसल, 2007 में बिभव पर एक सरकारी अधिकारी के साथ कथित तौर पर मारपीट का आरोप लगा था। नोएडा विकास प्राधिकरण में तैनात महेश पाल ने बिभव पर आरोप लगाया था कि बिभव कुमार ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता (एक पब्लिक सर्वेंट) को उसकी ड्यूटी करने से रोका, उसे गाली और धमकी दी। महेश ने 25 जनवरी 2007 को नोएडा सेक्टर-20 के पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज करवाई थी। इस मामले में दिल्ली के उप-राज्यपाल की ओर से भी एक्शन लिया गया था।

दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 13 मई को सुबह 9 बजकर 10 मिनट पर स्वाति मालीवाल अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के लिए सीएम आवास पहुंचीं, लेकिन केजरीवाल के पर्सनल स्टाफ ने स्वाति को मिलने से मना कर दिया। इसके बाद सुबह 9:30 बजे स्वाति ने पुलिस कंट्रोल रूम से मदद मांगी। बाद में उनका कॉल सुबह 9:34 बजे नॉर्थ कंट्रोल रूम में ट्रांसफर कर दिया गया।

इसके बाद नॉर्थ कंट्रोल रूम ने पुलिस अधिकारियों को तुरंत सीएम आवास भेजा। कुछ देर बाद एसएचओ भी सीएम आवास पहुंचे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसएचओ के साथ बातचीत होने के बाद स्वाति पुलिस के साथ थाने जाने के लिए तैयार हो गईं। इसी बीच स्वाति पर हमले की खबर फैलने लगी। कुछ देर बाद स्वाति पुलिस स्टेशन से चली गईं। हालांकि, उन्होंने कोई लिखित शिकायत नहीं दर्ज करवाई है।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि कॉलर ने अपना नाम राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल बताया। कॉल करने वाली महिला ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री का पीए बिभव कुमार पीट रहा है।

ये कॉल सीएम हाउस से की गई। प्रोटोकॉल के तहत दिल्ली पुलिस सीएम हाउस के अंदर नहीं जा सकती है। पीसीआर कॉल की सच्चाई क्या है? पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है।

19 फरवरी 2018 को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के घर हुई बैठक के दौरान दिल्ली के मुख्य सचिव रहे अंशु प्रकाश से मारपीट की गई थी। इस मामले में कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के दो विधायकों- अमानतुल्लाह खान और प्रकाश जरवाल को दोषी ठहराया था। अंशु प्रकाश के साथ केजरीवाल की मौजूदगी में विधायकों ने बदसलूकी और धक्कामुक्की की थी। इसके बाद मुख्य सचिव ने रात में ही उप-राज्यपाल से मिलकर इसकी शिकायत की थी।

'यहां बैठकर पीएम भी नहीं कर पाएंगे समस्या का हल'

ढेबर के बयान पर बीजेपी बोली-अपनी कुर्सी भाजपा पार्षद को दे दीजिये

रायपुर, 15 मई (एजेंसियां)। रायपुर के वार्डों की समस्या को लेकर महापौर एजाज ढेबर ने बड़ा बयान दिया है। ढेबर ने कहा कि इस जगह पर पीएम साहब को भी बैठा दिया जाये, फिर भी शहर के समस्याओं का हल नहीं होगा। इस बयान के बाद भाजपा लगातार मेयर को घरने में लग गई है।

एजाज ढेबर ने कहा कि वार्डों की जो समस्या है वह अगर यहां पर पीएम साहब को भी बैठा दें, तो भी यह परेशानी रहेगी। क्योंकि यह समस्या अनवरत है। इस बात को मानना पड़ेगा कि पानी, साफ-सफाई और बिजली की यह समस्या अनवरत रहेगी। इसको कोई खत्म नहीं कर सकता।

उन्होंने दावे के साथ कहा कि अगर नगर निगम में समस्या खत्म हो गई, तो नगर निगम की डिपार्टमेंट की जरूरत ही नहीं होगी। जन्म से मरण तक के नगर निगम काम करता है। उन्होंने कहा कि यह समस्या नगर निगम में कभी खत्म नहीं हो सकती, अनवरत रहेगी।

महापौर के इस बयान के बाद भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। पोस्ट में उन्होंने महापौर की कुर्सी को किसी भाजपा पार्षद को देने की बात कही है। वहीं भाजपा के मीडिया विभाग प्रमुख अमित चिमनानी ने भी मेयर ढेबर पर निशाना साधा है।

अमित चिमनानी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देखो महापौर जी, समस्या बनी रहेगी तो आपका काम क्या है फिर? मोदी राज में देश चमक रहा है, लेकिन रायपुर में आप लाइट-सफाई की समस्या पर हाथ खड़ा कर रहे हैं। यह बयान रायपुर की जनता से हुए धोखा का प्रमाण है। पीएम साहब के आशीर्वाद भाजपा का महापौर इस समस्या से जनता को निजात जरूर दिलाएगा।

राजमहल लोकसभा सीट से इन दो प्रत्याशियों का नामांकन रद्द, क्या है इसकी वजह

साहिबगंज, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में झारखंड के तीन सीटों राजमहल, दुमका और गोड्डा के सीटों पर मतदान होना है. इसे लेकर इन तीन सीटों पर बुधवार को स्क्रूटनी है. इसी कड़ी में खबर मिल रही है कि राजमहल के दो उम्मीदवारों का डीसी हेमंत सती ने नामांकन रद्द कर दिया है. दोनों प्रत्याशी निर्दलीय चुनाव लड़ रहे थे. इसके बाद अब इस सीट से केवल 15 ही चुनाव मैदान में रह गये हैं.

क्या है रद्द होने की वजह

डीसी हेमंत सती ने दोनों की उम्मीदवारी रद्द करने की वजह शपथ पत्र को नहीं भरना बताया है. उन्होंने कहा कि निर्दलीय प्रत्याशी नाथालियल माल्टो और गंगाराम माल्टो फॉर्म 6 शपथ पत्र नहीं भरा था. इस वजह से उनका नामांकन रद्द कर दिया गया. बता दें कि दुमका, गोड्डा, राजमहल लोकसभा सीटों पर नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशी 17 मई तक दोपहर 3 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं.

किन किन प्रत्याशियों ने दाखिल किया था नामांकन

राजमहल लोकसभा सीट से भाजपा के ताला मरांडी, झामुमो के विजय हांसदा, सीपीआइएम के गोपिन सोरेन, बसपा के मरीयम मरांडी, समता पार्टी की लीली हांसदा, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमिन के पॉल सोरेन, दाउद मरांडी, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी के अजीत मरांडी, लोकहित अधिकार पार्टी के विनोद कुमार मंडल, नवयुवक प्रगतिशील मोर्चा के मुंशी किस्कू, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिव के खलिफा किस्कू, निर्दलीय उम्मीदवार सह बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम, निर्दलीय प्रत्याशी नाथालियल माल्टो, निर्दलीय प्रत्याशी महेश पहाड़िया, निर्दलीय प्रत्याशी गंगाराम माल्टो, निर्दलीय प्रत्याशी दीपा टुडू, निर्दलीय प्रत्याशी सेवास्टियन हेंब्रम ने नामांकन दाखिल किया था.

बता दें कि राजमहल लोकसभा क्षेत्र में कुल 1702033 मतदाता हैं. इसमें साहिबगंज जिला से ही मतदाता की संख्या 860254 है. जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 433755 व महिलाओं की 427094 एवं थर्ड ट्रांसजेंडर की संख्या पांच है. वहीं, पाकुड़ क्षेत्र के अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 841179 है, जिनमें पुरुषों की संख्या 416158 व महिला 425019. वहीं थर्ड ट्रांसजेंडर की संख्या 02 है.

पूर्व सीएम भूपेश बोले- रायबरेली के लोग लोकसभा सदस्य नहीं

बल्कि प्रधानमंत्री चुनने जा रहे हैं

रायपुर, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दौरान रायबरेली सीट में मोर्चा संभालने के लिए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ऑब्जर्वर बनाया गया है। कांग्रेस पार्टी के पक्ष में बघेल लगातार चुनावी प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान पूर्व सीएम का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने रायबरेली के बथुआ में बड़ा दावा करते हुए कहा कि रायबरेली के लोग सिर्फ लोकसभा सदस्य नहीं चुन रहे हैं, बल्कि स्व. इंदिरा गांधी के बाद अब रायबरेली के लोग देश का प्रधानमंत्री चुनने जा रहे हैं।

रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस ने राहुल गांधी को चुनावी मैदान में उतारा है। इस सीट पर भूपेश बघेल को ऑब्जर्वर बनाया गया है। इन दिनों बघेल रायबरेली लोकसभा क्षेत्र में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। लोगों के बीच सवांद करते हुए उन्होंने यह बड़ा दावा किया है।

पूर्व सीएम बघेल ने रायबरेली के आशानंदपुर में उन्होंने कहा कि देशभर में मतदान को लेकर जनता में अंडर करेंट चल रहा है। मोदी सरकार इस अंडर करंट से बेहद घबराई हुई है। मोदी सरकार समझ चुकी है कि जनता का आशीर्वाद अब कांग्रेस के साथ है, कांग्रेस का न्याय भाजपा के अहंकार को हराने जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि रायबरेली की जनता का आशीर्वाद सदैव हमें मिला है और लोकतंत्र को बचाने की इस अहम लड़ाई में रायबरेली की जनता दोगुने उत्साह के साथ हमारा साथ दे रही है।

भालू के हमले से महिला की मौत

तेंदुपत्ता तोडने जंगल गई थी इंदरमती

मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम

रायगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तेंदुपत्ता तोड़ने जंगल गई महिला पर भालू ने अचानक हमला करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले छाल रेंज के बोजिया 505 पीएफ जंगल में तेंदुपत्ता तोड रही महिला इंदरमति पति होरीलाल अगरिया पर एक भालु ने अचानक हमला कर दिया। जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला बुधवार की सुबह अपने साथियों के साथ जंगल गई थी इस बीच जंगल में भालू से सामना हो जाने के बाद यह घटना घटित हो गई। भालू के हमले से महिला की मौत की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर वन विभाग की टीम के अलावा पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

बीट गार्ड की मां है मृतका

गांव के ग्रामीणों के अनुसार बताया जा रहा है कि मृतक महिला इंदरमति अगरिया सामहरसिंघा बीट में पदस्थ श्याम अगरिया फारेस्टगार्ड की मां है जो कि छाल में रहती थी। वह आज सुबह बोजिया के जंगल में तेंदुपत्ता तोड़ने गई थी तभी ये हाादसा हुआ

गिरिडीह में युवक की दिन-दहाड़े चाकू मारकर हत्या

आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

गिरिडीह, 15 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया टैक्सी स्टैंड के समीप बुधवार सुबह आधा दर्जन से अधिक लोगों ने एक युवक पर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी. युवक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह के रहने वाले छोटी कुमार के रूप में हुई है. घटना के बाद स्थानीय लोगों व परिजनों के सहयोग से युवक को इलाज के लिए नवजीवन नर्सिंग होम लाया गया. जहां चिकित्सकों ने युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया. लेकिन वहां पर इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी. इसके बाद आक्रोशित लोगों ने जिला परिषद कार्यालय के पास सड़क जाम कर दिया. जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी. मृतक के परिजन लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे. इधर घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद, मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया.

टैक्सी स्टैंड के पास खड़ा था युवक तभी हुआ हमला

फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है. मिली जानकारी के अनुसार सिहोडीह का रहने वाला छोटी कुमार नामक युवक सुबह करीब 8.30 बजे गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया के समीप स्थित टैक्सी स्टैंड के पास खड़ा था. इसी दौरान अचानक आधा दर्जन युवक पहुंचे और अचानक से उस पर चाकू से वार कर दिया. जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया. हत्या की वजह जमीन विवाद बतायी जा रही है. वहीं, कुछ लोगों का तो ये भी कहना है कि वारदात को अंजाम मृत युवक के सगे संबंधियों ने ही दिया है. हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या की वजह की पुष्टि नहीं की है. वह जांच के बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचने की बात कर रहे हैं.

इलाके में अफरा-तफरी का माहौल

युवक के ऊपर हमला होने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया था.. करीब 10 से 12 बार युवकों ने युवक के ऊपर चाकू से वार किया था. जिसके कारण वह सड़क पर गिर गया. वारदात को अंजाम देने के बाद सभी मौका पाकर फरार हो गए. इधर घटना काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. इसके बाद इसकी सूचना जब नगर थाना पुलिस को हुई तो सबसे पहले घटनास्थल पर जाकर आसपास के लोगों से मामले की जानकारी ली और आगे की छानबीन में जुट गई. फिलहाल वह आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुट गयी है.

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

बाल-बाल बचे टीआई

इलाके में सर्चिंग अभियान जारी

रायपुर, 15 मई (एजेंसियां)। नक्सलियों ने बुधवार की सुबह फरसेगढ़ टीआई की वाहन में आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इस घटना में जहां टीआई सुरक्षित है। वहीं वाहन को क्षति पहुंची हैं। फरसेगढ़ से बीजापुर आने के दौरान सोमनपल्ली के पास घटना हुई है।

पुलिस मिली जानकारी के मुताबिक, फरसेगढ़ थाना प्रभारी आकाश मसीह प्रधान आरक्षक संजय के साथ आज सुबह चारपहिया वाहन से सरकारी काम से फरसेगढ़ से बीजापुर आ रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों ने कुटरू और फरसेगढ़ मार्ग पर सोमनपल्ली के पास टीआई की वाहन पर आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इस घटना में जहां टीआई आकाश मसीह व प्रधान आरक्षक संजय सुरक्षित है, तो वहीं विस्फोट से वाहन को क्षति पहुंची हैं।

ग्राहक को पेट्रोल देते समय लगी भीषण आग

महिला जिंदा जली, युवक भी बुरी तरह झुलसा

अम्बिकापुर, 15 मई (एजेंसियां)। सरगुजा जिले के अंबिकापुर शहर से लगे ग्राम कंचनपुर में मोमबत्ती जलाकर ग्राहक को पेट्रोल देते समय मोमबत्ती की आग और पेट्रोल का संपर्क हो गया जिससे महिला के घर में भीषण आग लग गई। इस आगजनी में महिला और ग्राहक जल गए। दोनों को गंभीर अवस्था में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उपचार के कुछ देर बाद ही महिला की मौत हो गई। वहीं इस घटना में महिला का कच्चा मकान भी पूरी तरह से जलकर राख हो गया। ग्राम कंचनपुर निवासी 34 वर्षीय महिला दरीना सिंह जो कि किराना दुकान का संचालन करती थी, दैनिक उपयोग की वस्तुओं के साथ पेट्रोल भी बिक्री करती थी। बताया जा रहा है कि गत एक युवक दुकान में पेट्रोल खरीदने आया हुआ था। उस दौरान लाइट नहीं थी महिला मोमबत्ती जलाकर रखी हुई थी। युवक को पेट्रोल देते समय भीषण आग लग गई। इस दौरान महिला और युवक दोनों आग की चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया दुकान में रखे फ्रीज का कंप्रेशर भी फट गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग काबू पाया और महिला को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

झारखंड में साइक्लोन का असर खत्म

40 के पार पहुंचने लगा पारा, आज कैसा रहेगा मौसम

रांची, 15 मई (एजेंसियां)। झारखंड में साइक्लोन का असर खत्म हो गया है. इसका असर तापमान पर दिखने लगा है. बादल छट गये हैं, जिससे राजधानी का तापमान भी चढ़ने लगा है. कई जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेसि के पार पहुंच गया है. सबसे अधिक करीब 41 डिग्री सेसि तापमान डालटनगंज का रिकार्ड किया गया. संताल परगना के करीब सभी जिलों का अधिकतम तापमान 40 या उससे अधिक हो गया है. वहीं अगर हम आज के मौसम की बात करें तो तकरीबन रांची समेत सभी जिलों में मौसम साफ रहेगा. दिन भर धूप खिली रहेगी. जबकि जमशेदपुर की बात करें तो तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस का इजाफा होगा. आने वाले दिनों यह आंकड़ा पांच डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा. 20 मई तक शहर का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं.

रांची मौसम विज्ञान केंद्र का अनुमान है कि यह धीरे-धीरे तापमान और बढ़ेगा. राजधानी रांची का अधिकतम तापमान भी तीन से चार डिग्री सेसि बढ़ सकता है. 20 मई को संताल परगना इलाके में बारिश हो सकती है. वहां गरज के साथ हल्की बारिश का अनुमान है. शेष राज्यों में आकाश में हल्के बादल छाये रहेंगे. मौसम शुष्क रहेगा. 17 और 18 मई को राजधानी का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेसि या इससे अधिक हो सकता है. न्यूनतम तापमान भी 26 डिग्री सेसि या इससे अधिक रहने का अनुमान है. राज्य में केजी से आठवीं तक की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से दिन के 11:30 बजे तक और नौवीं से 12वीं तक कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक ही चलेंगी. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिया है. विभाग द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न जिलों से विद्यालयों में कक्षा संचालन के समय भिन्नता की जानकारी मिल रही थी. इस कारण विभाग द्वारा विद्यालय संचालन का समय निर्धारित कर दिया गया है. विभाग का आदेश सभी कोटि के विद्यालय पर प्रभावी होगा. गर्मी की छुट्टी के बाद सभी कक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित समय पर संचालित होंगी. निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा-निर्देश के अनुरूप होगा.

मैक्सिको और फ्लोरिडा की अलग-अलग घटनाओं में 19 लोगों की मौत

कहीं हुई फायरिंग तो कहीं हुआ भयानक हादसा

ओकाला, 15 मई (एजेंसियां)। मैक्सिको और फ्लोरिडा में दो अलग-अलग घटनाओं में कुल 19 लोगों की मौत हो गई है। मैक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के एक छोटे से कस्बे में मंगलवार को सामूहिक गोलीबारी की घटना में 11 लोगों की मौत हो गई। राज्य अभियोजक के कार्यालय ने यह जानकारी दी। अभियोजक कार्यालय ने बताया कि चियापास के चिकोमुसेलो कस्बे में गोलीबारी हुई थी। इस क्षेत्र को प्रवासियों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए जाना जाता है। वहीं अमेरिका के फ्लोरिडा में एक सड़क दुर्घटना में 8 लोग मारे गए। राज्य अभियोजक के कार्यालय ने बताया कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करों के गिरोहों के बीच विवाद सामने आते रहे हैं और हाल में सोमवार को भी नशीले पदार्थ बेचने वाले समूहों में टकराव हुआ था। उसने बताया कि मंगलवार को हुई गोलीबारी में मारे गए कुछ लोग चिकोमुसेलो के ही निवासी हैं।

फ्लोरिडा में ट्रक की टक्कर लगने से 8 बसयात्रियों की मौत

फ्लोरिडा हाईवे गश्ती दल (एफएचपी) ने उस ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने मंगलवार सुबह एक बस में टक्कर मार दी थी और आठ लोगों की जान चली गई थी। एफएचपी ने एक बयान में कहा कि ट्रक चालक ब्रयान मैक्लीन होवार्ड पर नशे की हालत में लोगों की जान लेने का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में कम से कम 40 लोग घायल हो गए। बस में 53 खेतिहर श्रमिकों को ले जाया जा रहा था तभी सुबह करीब 6.40 बजे ओर्लाडों के उत्तर में करीब 80 किलोमीटर दूर मेरियन काउंटी में यह हादसा हुआ।

अमेरिका ने ड्रैगन को दिया झटका, चीनी सामानों के आयात पर अब लगेगा 100 फीसदी तक टैक्स; कौन-कौन से प्रोडक्ट शामिल?

वाशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने चीन की मुश्किलें बढ़ा दी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन से आयात किए जाने वाले सामानों पर भारी टैक्स लगाने का फैसला किया है। इसमें बैटरी, ईवी, स्टील, सौर सेल और एल्यूमीनियम सहित कई चीनी प्रोडक्ट्स शामिल है। साथ ही इनमें चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100 प्रतिशत शुल्क, सेमीकंडक्टर पर 50 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है। बता दें कि इसी साल नवंबर में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले है और बाइडेन सरकार के इस फैसले से दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ सकता है।

व्हाइट हाउस के रोज गार्डन से राष्ट्र को संबोधित करते हुए, जो बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी श्रमिकों को अनुचित व्यापार प्रथाओं से रोका न जाए और देश अपनी इच्छानुसार किसी भी प्रकार की कार खरीदना जारी रख सके। उन्होंने पीटीआई के हवाले से कहा कि 'मैं चीन के साथ निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा चाहता हूं, संघर्ष नहीं। हम चीन के खिलाफ 21वीं सदी की आर्थिक प्रतिस्पर्धा जीतने के लिए किसी अन्य की तुलना में अधिक मजबूत स्थिति में हैं क्योंकि हम फिर से अमेरिका में निवेश कर रहे हैं।' बाइडेन ने जोर देकर कहा कि चीनी सरकार सालों से विभिन्न चीनी उद्योगों में राज्य निधि का निवेश कर रही है, जिसमें स्टील, एल्यूमीनियम, अर्धचालक, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर पैनल और दस्ताने और मास्क जैसे आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण शामिल हैं।

आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध बढ़ने से चीन को भारतीय बाजारों में माल डंप करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इसको लेकर वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डारेक्टोरेट जनरल आफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) को सतर्क रहना होगा। अमेरिका ने मंगलवार को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), बैटरी और कई अन्य वस्तुओं सहित आयात पर प्रस्तावित टैरिफ वृद्धि की घोषणा करके चीन के साथ व्यापार युद्ध को फिर से शुरू कर दिया। अमेरिका और यूरोपीय संघ चीन पर निर्भरता कम करने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं।

भारत के साथ व्यापार बढ़ाएगा अमेरिका

जीटीआरआइ ने कहा कि अमेरिका द्वारा ईवी, बैटरी और कई अन्य नई प्रौद्योगिकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने से चीन इन उत्पादों को भारत सहित अन्य बाजारों में खपाने के लिए प्रेरित हो सकता है। हालांकि, इसमें कहा गया है कि चीनी फेस मास्क, सीरिंज और सुई, मेडिकल दस्ताने और प्राकृतिक ग्रेफाइट पर उच्च शुल्क भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर भी पेश करता है। इन मांग वाले प्रोडेक्टों के उत्पादन और निर्यात में तेजी लाकर भारत अमेरिकी बाजार में अपने व्यापार को बढ़ा सकता है।

फिल्मी स्टाइल में पुलिस काफिले पर हमला

दो गार्ड्स की हत्या कर कैदी को छुड़ा ले गए हथियारबंद लोग

पेरिस, 15 मई (एजेंसियां)। फ्रांस में पुलिस के काफिले पर हमला कर कैदी को छुड़ाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। फिल्मी स्टाइल में हथियारबंद लोगों ने पहले पुलिस के काफिले पर हमला किया और फिर पुलिस की हिरासत में मौजूद कैदी को छुड़ाकर ले गए। इस हमले में दो गार्ड्स की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। इस घटना से पूरा फ्रांस स्तब्ध है क्योंकि वहां ऐसी घटनाएं बेहद दुर्लभ हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

घटना को लेकर फ्रांस में गुस्सा

फ्रांस के न्याय मंत्री एरिक ड्युपोंड मोरेत्ती ने बताया घटना उस वक्त घटी, जब एक कैदी को अदालत से जेल में शिफ्ट किया जा रहा था। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक काले रंग की एसयूवी कार ने पहले पुलिस वाहन में टक्कर मारी उसके बाद दूसरी कार से हथियारबंद लोग उतरे और उन्होंने पुलिस वैन पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले में पुलिसकर्मियों को संभलने का मौका नहीं मिला। हमले में दो गार्ड्स की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद अपराधी कैदी को लेकर फरार हो गए। गौरतलब है कि फ्रांस में इस तरह की घटनाएं बेहद दुर्लभ हैं। इससे पहले साल 1992 में जेल के एक गार्ड की हत्या हुई थी।

अब चांद पर भी चलेगी ट्रेन, घूमने जाएंगे इंसान, क्या है ये प्रोजेक्ट?

वॉशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां)। वैज्ञानिक वर्ष 2030 तक चांद पर जीवन बसाने की सोच रहे हैं। ऐसा हुआ तो चांद पर रहने वालों को एक जगह से दूसरी जगह जाने-आने के लिए परिवहन सुविधा की आवश्यकता भी होगी, इसलिए नासा ने चांद पर परिवहन प्रणाली बनाने की योजना बनाई है। अमरीकी स्पेस एजेंसी नासा जल्द ही चांद पर ट्रेन चलाने जा रही है। फ्लोट चुंबकत्व का उपयोग कर चंद्रमा की सतह पर सामान और उपकरणों को इधर-उधर ले जाने में मदद करेगा। चूंकि चंद्रमा पर गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से कम है, इसलिए फ्लोट जैसी प्रणाली अंतरिक्ष में मददगार हो सकती है।

चांद पर परिवहन जरूरत क्यों?

एक ब्लॉग पोस्ट में नासा ने 'फ्लेक्सिबल लेविटेशन ऑन ए ट्रैक फ्लोट' नामक इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि वो भविष्य में चांद पर रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की मदद के लिए एक रोबोटिक परिवहन प्रणाली तैयार करेगा। फ्लोट का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा पर उन इलाकों में परिवहन सेवाएं मुहैया कराना होगा, जहां अंतरिक्ष यात्री काम कर रहे हैं। फ्लोट प्रणाली चंद्रमा के धूल भरे और कठिन वातावरण में बिना किसी बाहरी मदद काम कर सकेगी और इसे चलने के लिए बहुत कम तैयारी की जरूरत होगी। इसमें पटरियों को मोड़ा जा सकता है और जरूरत के अनुसार इधर-उधर भी किया जा सकता है, ताकि सामान के परिवहन में आसानी हो।

कैसा है फ्लोट का डिजाइन?

चांद पर काफी मात्रा में धूल होने के कारण वहां पहियों या पैरों वाली गाडियों का उपयोग नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ये धूल में फंस सकते हैं। इसलिए नासा नए तरह के डिजाइन फ्लोट पर काम कर रहा है, इसमें छोटे चुंबकीय रोबोट शामिल हैं, जो धूल में नहीं फंसेंगे। इन रोबोट्स पर गाडियां लगाई जाएंगी जो लगभग 1।61 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। इसकी मदद से हर दिन 100 टन सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकेगा।

कैसे काम करेगी पतली फिल्म वाली पटरी?

इस तीन परत की पतली फिल्म वाली पटरी की पहली परत ग्रेफाइट की बनी होगी जो कि चुंबक की तरह काम करेगी, जिससे रोबोट हवा में तैरते रहेंगे। इसकी दूसरी परत में इलेक्ट्रॉनिक सर्किट होंगे, जिनकी मदद से रोबोट को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसमें तीसरी परत वैकल्पिक होगी, जिसमें सोलर पैनल लगाए जा सकते हैं।

आसान करेगा काम : शालर

नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के रोबोटिक्स विशेषज्ञ इथन शालर ने बताया कि हम चांद पर पहली रेलवे प्रणाली बनाना चाहते हैं, जिसकी मदद से स्वचालित और कुशलतापूर्वक तरीके से चांद पर सामान लाने ले जाने का काम हो सके। यह रोबोटिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम चांद पर बने किसी भी स्थायी ठिकाने के रोजमर्रा के कामों को आसान बनाने में बहुत अहम होगा।

भारत की मदद से लघु शस्त्र विनिर्माण इकाई स्थापित करने में श्रीलंका ने दिखाई दिलचस्पी, चर्चा जारी

कोलंबो, 15 मई (एजेंसियां)। आर्थिक तंगी से गुजरने के बाद श्रीलंका एक लघु हथियार विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए भारत के साथ संपर्क में है। श्रीलंका के रक्षा मंत्री प्रेमिता बंडारा तेनाकून ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका को भारत से अभी बहुत कुछ सीखना है। रक्षा मंत्री प्रेमिता बंडारा तेनाकून ने कहा, देश में एक लघु हथियार विनिर्माण इकाई को स्थापित करने के लिए हम भारत से चर्चा कर रहे हैं। हम भारतीय समकक्षों के संपर्क में हैं। हम भारत से बहुत कुछ ले सकते और सीख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, इस पर चर्चा जारी है। अप्रैल की शुरुआत में श्रीलंका में आयोजित भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग के दूसरे सेमिनार के बाद इस पर विचार किया गया। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में भारतीय दूत संतोष झा ने अपने संबोधिन में कहा कि भारतीय रक्षा उद्योग आज उन्नत टेक्नोलॉजी और विश्व स्तरीय उपकरण पेश करता है।

'हमें भी मोदी जैसा नेता चाहिए'

प्रधानमंत्री के मुरीद हुए पाकिस्तानी-अमेरिकी उद्योगपति

वॉशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मूल के बिजनेसमैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने भारत को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले गए। वह तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। बाल्टीमोर स्थित पाकिस्तानी अमेरिकी व्यवसायी साजिद तरार ने कहा कि मोदी न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए एक अच्छे नेता हैं और उम्मीद है कि पाकिस्तान को भी उनके जैसा नेता मिलेगा। उन्होंने कहा, "मोदी एक अद्भुत नेता हैं। वह जन्मजात नेता हैं। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में पाकिस्तान का दौरा किया। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि पीएम मोदी पाकिस्तान के साथ बातचीत और व्यापार शुरू करेंगे। तरार ने कहा कि इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पीएम मोदी एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

भारत सबसे बड़ा लोकतंत्रः साजिद तरार

तरार 1990 के दशक में अमेरिका चले गए थे फिर वो पाकिस्तानी समुदाय के साथ मिलकर उन्होंने अपना व्यापार बड़ा बनाया। तरार ने आगे कहा कि यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि भारत में 97 करोड़ लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है। मैं वहां पीएम मोदी की लोकप्रियता देख रहा हूं। आप भविष्य में देखेंगे कि लोग भारतीय लोकतंत्र से सीखेंगे।

तरार ने पाकिस्तान की बुरी आर्थिक हालात का किया जिक्र

वहीं, तरार ने पाकिस्तान की बुरी आर्थिक व्यवस्था का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आर्थिक संकट से गुजर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) सहित देश के कई हिस्सों में सामाजिक अशांति पैदा हो गई है। पाकिस्तान में महंगाई बहुत है। पेट्रोल के दाम ऊंचे हैं। आईएमएफ टैक्स बढ़ाना चाहता है। बिजली के दाम बढ़ गए हैं। हम (पाकिस्तान) निर्यात करने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अफसोस की बात है कि पाकिस्तान में जमीनी स्तर के मुद्दों को हल करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। देश में निर्यात कैसे बढ़ाया जाए। आतंकवाद पर कैसे काबू पाया जाए और कानून व्यवस्था कैसे सुधारी जाए इन सभी मुद्दों पर काम नहीं हो रहा। हम चाहते हैं कि हमें कोई ऐसा नेतृत्व मिले जो हमें इन सभी मुद्दों को सुलझा सके।

लंदन में भारतीय महिला पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार, गई जान

लंदन, 15 मई (एजेंसियां)। लंदन में बस स्टॉप पर खड़ी 66 वर्षीय भारतीय मूल की महिला की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस घटना में एक 22 साल के युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को उसे कोर्ट में भी पेश किया गया, जहां से उसे हिरासत में भेजा गया है। कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई अगस्त में होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 9 मई को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में मेडिकल सचिव के रूप में काम करने वाली अनीता मुखी लंदन के एजवेयर इलाके में बर्न्ट ओक ब्राडवे स्टॉप पर बस का इंतजार कर रही थीं। सुबह तकरीबन 12 बजे जलाल देबेला नाम के युवक ने चाकू लेकर उन पर हमला कर दिया और उनके सीने व गले में कई वार किए। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि बर्न्ट ओक ब्रॉडवे में चाकूबाजी की घटना की जानकारी देने के लिए 9 मई को करीब 11:50 बजे पुलिस को बुलाया गया था। पुलिस ने कहा कि लंदन एम्बुलेंस सेवा और एयर एम्बुलेंस सभी घटनास्थल पर मौजूद थे, लेकिन 66 वर्षीय महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

नाटो के गढ़ में घुसकर इजराइल को चोट पहुंचाने की प्लानिंग, इस देश को प्रयोगशाला बना रहा हमास

जेरूसलम, 15 मई (एजेंसियां)। गाजा में ऑपरेशन के दौरान आईडीएफ को हमास का एक डॉक्यूमेंट मिला है जिसमें खुलासा हुआ है कि हमास तुर्की और दूसरे देशों के अंदर अपने सीक्रेट बेस खोलने का प्लान कर रहा है। आईडीएफ को मिले इस डाक्यूमेंट के बारे में ब्रिटेन के कई खुलासे किए हैं। हमास पड़ोसी देशों में इजराइलियों और इजराइली संपत्तियों को निशाना बनाने के लिए इन बेसों का इस्तेमाल कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमास तुर्की के साथ-साथ नाटो देशों में भी ऐसे बेस खोलने की तैयारी कर रहा है। इन बेसों का इस्तेमाल हमास दूसरे देश में मिलिट्री ऑपरेशन, हत्या, रणनीतिक और कूटनीतिक तौर पर कर सकता है।

सीनियर लीडर के यहां मिला डॉक्यूमेंट

आईडीएफ के मुताबिक, उनको ये डॉक्यूमेंट गाजा में सीनियर हमास लीडर हमजा अबू शहानाब के घर से मिला है। शानाब के बारे में कहा जा रहा है कि ये हमास लीडर याहया सिनवार के ऑफिस का हेड है और गाजा में हमास की बड़ी जिम्मेदारी देखता है। इस डॉक्यूमेंट में हमास के तीन सालों के प्लान के बारे में बताया गया है, लेकिन द टाइम्स को इस प्लान के एक हिस्से की ही जानकारी मिल पाई है।

विदेशी बेसों से हमास क्या करेगा

शनाब के घर से मिली तीन साल की योजना में कई देशों में सैन्य सेल और सेफ हाउस खोलने की तैयारी शामिल है। जिसे पता चलता है हमास विदेशों में भी हत्या, किडनैपिंग और हाईजैकिंग जैसी वरदात को अंजाम देने का सोच रहा है। दस्तावेज़ में मोसाद अधिकारियों और कमांडरों के साथ-साथ प्रभावशाली इजराइलियों को निशाना बनाने का जिक्र है।

तुर्की से हमास के संबंध

तुर्की और हमास संबंध किसी से छिपे नहीं है। तुर्की खुले तौर पर हमास का समर्थन करता है और उसे लिबरेशन ग्रुप कहता है। अंकारा में हुई एक प्रेस कांफ्रेंस में तुर्की राष्ट्रपति ने कहा था कि तुर्की के अस्पतालों में करीब एक हजार हमास के लड़ाकों का इलाज किया जा रहा है।

गाजा में भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी की हत्या पर संयुक्त राष्ट्र ने जताया दुख इस्राइल पर लगे आरोप

गाजा, 15 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में भारतीय सेना के एक पूर्व अधिकारी की हत्या पर दुख जताया और भारत से माफी मांगी। दरअसल भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी युद्धग्रस्त गाजा के राफा में सोमवार सुबह एक गाड़ी में सफर कर रहे थे, तभी उनकी गाड़ी पर पीछे से हमला हुआ, जिसमें पूर्व सैन्य अधिकारी की मौत हो गई। राफा में मारे गए कर्नल वैभव अनिल काले (46 वर्षीय) ने साल 2022 में सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी और फिलहाल वे संयुक्त राष्ट्र के डिपार्टमेंट ऑफ सेफ्टी एंड सिक्योरिटी के साथ सुरक्षा समन्वय अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे।

कंगाल पाकिस्तानियों ने दुबई में खरीदे 23000 घर, बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान वैसे तो कंगाली से जूझ रहा है और वहां की जनता दाल आटे के लिए तरस रही है, लेकिन वहां के 17000 अरबपतियों ने दुबई में 23000 घर खरीद डाले। इनमें कई नेता भी शामिल हैं। इनकी संपत्ति करीब 11 अरब डॉलर है। एक रिपोर्ट में दुबई में दुनियाभर से लोगों की प्रॉपर्टी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। 'दुबई अनलॉक्ड' की रिपोर्ट में ऐसे लोगों की लिस्ट भी जारी की गई है, जिसमें राजनीतिक हस्तियां, प्रतिबंधित लोग और कई अपराधी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में आवासीय प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं।

29,700 लोगों के पास 35,000 प्रॉपर्टी हैं। वहीं, पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। दुबई में 17,000 पाकिस्तानियों ने 23,000 आवासीय संपत्तियों को खरीदा। तीसरे नंबर पर ब्रिटेन और चौथे पर सऊदी के नागरिक हैं। इस रिपोर्ट में दुबई में 2020-22 तक सैकड़ों हजारों संपत्तियों और उनके मालिक की जानकारी दी गई। पाकिस्तानियों की बात करें तो राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के 3 बच्चे, हुसैन नवाज शरीफ, गृह मंत्री मोहसिन नकवी की पत्नी, 4 सांसद, सिंध और बलूचिस्तान की विधानसभाओं के 6 से ज्यादा विधायक हैं।

इस रिपोर्ट में पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ, पूर्व पीएम शौकत अजीज और एक दर्जन से ज्यादा रिटायर्ड सेना के जनरलों के साथ-साथ एक पुलिस प्रमुख, एक राजदूत और एक वैज्ञानिक भी शामिल हैं, जिनमें से या तो इन्होंने सीधे अपने नाम पर प्रॉपर्टी खरीदी है या फिर अपने बच्चों और पत्नी के नाम पर। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि साल 2014 में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को विदेशी संपत्ति तोहफे में मिली थी।

व्हाइट हाउस में बजा सारे जहां से अच्छाःमेहमानों को परोसी गई पानी पुरी, जो बाइडन भी मौजूद रहे

वॉशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मौजूदगी में व्हाइट हाउस में एएएनएचपीआई (एशियन अमेरिकन,नेटिव हवाईयन और पैसिफिक आइलैंड) विरासत माह मनाया गया। यह कार्यक्रम अमेरिका में रहने वाले अल्पसंख्यकों के सम्मान में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में सारे जहां से अच्छा गीत बजाया गया। कार्यक्रम में लोगों को पानी पुरी भी परोसी गई। अजय जैन भुतोरिया ने ट्विटर पर यह वीडियो शेयर किया। वह भारतीय अमेरिकी कम्युनिटी के नेता हैं। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी मौजूद रहीं।

अमेरिका और पाकिस्तान ने मिलाया हाथ इस देश के आतंकियों को बनाएंगे निशाना

वॉशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए पाकिस्तान से हाथ मिलाया है। अमेरिका और पाकिस्तान के इस गठजोड़ से तालिबान की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल, पाकिस्तान और अमेरिका ने तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और आईएसआईएस जैसे आंतकी संगठनों से निपटने के लिए हाथ मिलाया है। इसके बाद से अफगानिस्तान पर काबिज तालिबान की टेंशन बढ़ी है, क्योंकि तालिबान को टीटीपी का ही सहयोगी माना जाता है। वहीं, पाकिस्तान टीटीपी को अपने देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता है। ऐसे में अमेरिका की सहायता से पाकिस्तान अफगानिस्तान में टीटीपी पर हमला कर सकता है। पाकिस्तान अनुसार, 10 मई को वॉशिंगटन में पाकिस्तान और अमेरिका आतंकवाद विरोधी वार्ता हुई। इसमें पाकिस्तान और अमेरिका के अधिकारियों ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पर जोर दिया था। इसमें तकनीकी, जांच, सीमा सुरक्षा के बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया। बयान में कहा गया कि पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने माना है कि आईएसआईएस खुरासान, जिसे दाएश के नाम से भी जाना जाता है, टीटीपी और अन्य आतंकवादी संगठनों का मुकाबला करने के लिए साझेदारी की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को संबोधित करने के लिए द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग के एक मॉडल के रूप में काम किया जाएगा। दोनों सरकारों आतंकवाद को रोकने के लिए सहयोग जारी रखने का संकल्प लिया। पाकिस्तान अब खुद ही आतंकवादी हमलों से परेशान है, इसलिए वह अमेरिका के साथ साझेदारी कर रहा है। इस साल अप्रैल में सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज की एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें बताया गया कि पाकिस्तान में कम से कम 92% मौतें और 86% हमले आतंकवाद की वजह से हुई हैं। 2024 की पहली तिमाही में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में सबसे ज्यादा ऐसी घटनाएं दर्ज की गईं। रिपोर्ट में उल्लेख है कि देश में आतंकवादी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों की 245 घटनाओं हुईं। इसमें आम नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और अपराधियों की कम से कम 432 मौतें हुईं और 370 घायल हुए। 432 मौतों में से 281 नागरिक और सुरक्षा बल के जवान शामिल थे।

कांग्रेस की नीति और नीयत ठीक न होने से जनता ने दिखाया बाहर का रास्ता : सीएम भजनलाल

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियाणा के रोहतक लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा को विजयी बनाने की अपील करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा, सबसे ज्यादा समय सत्ता में रहने पर भी नहीं ली गरीबों की सुध।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद, तुष्टीकरण और गरीबी की जननी है। इस पार्टी को सबसे ज्यादा समय सत्ता में रहने का मौका मिला मगर गरीबों की सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार का आलम यह था कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी कहते थे कि दिल्ली से हम एक रुपया भेजते हैं तो जनता तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं।

आतंकवाद के कारण लोग डर के साये में जीते थे। आंतकवादी आये दिन बंम फोड़कर चले जाते थे। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के सिर भी काट दिए जाते थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। गरीब कल्याण और देश के विकास के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव भी बढ़ा है। मुख्यमंत्री शर्मा हरियाणा के बहादुरगढ़ में रोहतक लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार और आतंकवाद की एक भी घटना सामने नहीं आई है। मोदी जनता को 100 रुपये भेजते हैं तो उनके खाते में 100 रुपये ही पहुंचते हैं, बीच में कट नहीं लगता। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने अपनी हर दिवाली सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ मनाकर उनका हौसला बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस 70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी के बाद अब राहुल गांधी भी गरीबी हटाने की बात कर रहे हैं, मगर गरीबों से इनका कोई वास्ता नहीं है। सीएम ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण की योजनाएं चलाकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और लगभग 50 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का वर्चस्व था, मगर इनकी नीति और नीयत ठीक नहीं होने के कारण जनता ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा कि कांग्रेस स्वार्थ और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है तो उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर जनसंघ का गठन किया और उनके राष्ट्रवाद के सिद्धांत पर चलते हुए आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने रोहतक लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा के प्रत्याशियों को दिया हुआ एक-एक वोट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिलेगा और वे तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनकर भारत को प्रगति की नई बुलंदियों तक पहुंचायेंगे।

मानव अंग तस्करी मामले में अब एसआईटी करेगी पूछताछ, फंसेंगे कई डॉक्टर्स

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में अब एसआईटी का गठन किया गया है। जबकि हरियाणा पुलिस की ओर से दो सप्ताह पहले ही एसआईटी का गठन कर दिया गया था। एसीबी ने जयपुर में फर्जी एनओसी मामला पकड़ा था। इसके बाद हरियाणा पुलिस की ओर से जयपुर में मानव अंगों की तस्करी का पर्दाफाश किया गया था। अंगों की तस्करी के मामले में जयपुर सबसे बड़ा अड्डा है।

जहां पर निजी अस्पतालों में ऑर्गन ट्रांसप्लांट होना सामने आया। मानव अंगों की तस्करी सामने आने के बाद राजस्थान सरकार भी हरकत में आ गई। ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में लाखों रुपए में मानव अंगों को खरीदना बेचना सामने आया है। अब एसआईटी पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

इधर जयपुर पुलिस की ओर से अब तक इस मामले में दो डॉक्टर सहित 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लेकिन इस मामले में दलाल रांची निवासी मुर्तजा अंसारी व नेपाल निवासी मोहन अब तक गिरफ्त से बाहर है। अब उनकी तलाश अब हरियाणा पुलिस की एसआईटी और राजस्थान पुलिस की एसआईटी कर रही है।

एसआईटी करेगी डॉक्टर्स से पूछताछ, कई फंसेंगे..

अब एसआईटी की ओर से डॉक्टर्स से पूछताछ की जाएगी। जिन अस्पतालों में फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट हुए है।

उन डॉक्टर्स से पूछताछ की जाएगी। जिसके बाद कई डॉक्टर्स अब फंसते हुए नजर आ रहे है। एसीबी और जयपुर पुलिस की ओर से अब तक आधा दर्जन से ज्यादा निजी अस्पतालों में जाकर डॉक्टरों से पूछताछ की जा चुकी है।

फरार दलालों के सपंर्क में कौन डॉक्टर, अब चलेगा मालूम...

जयपुर मानव अंगों की तस्करी का अड्डा है। अंतराष्ट्रीय स्तर के गिरोह के तार जयपुर के डॉक्टर्स से जुड़े है।

अंतराष्ट्रीय स्तर के गिरोह के दलाल बाहरी देशों में डोनर्स को लालच देकर सौदा करते। उसके बाद जयपुर में डॉक्टर्स से बात कर रिसीवर से लेन देन तय करते।

उसके बाद कागजों में झूठे रिश्ते दिखाकर जयपुर में डॉक्टर्स से ऑर्गन ट्रांसप्लांट कराते। अब एसआईटी उन डॉक्टर्स की जन्मकुंडली खंगालेगी। जो इस खेल में शामिल है।

अब तक इनसे हो चुकी पूछताछ..

फर्जी एनओसी से अंग प्रत्यारोपण के मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।। इनमें फर्जी एनओसी बनाने वाले रिसीवर और डोनर को लाने वाले दलाल भी शामिल है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सवाई मानसिंह अस्पताल का सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह, फोर्टिस अस्पताल का विनोद सिंह, गिरिराज शर्मा, भानू लववंशी, ईएचसीसी हॉस्पिटल का अनिल जोशी, बांग्लादेशी नागरिक नूरूल इस्लाम, मेहंदी हसन शमीम, मोहम्मद अहसानुल, मोहम्मद आजाद हुसैन, सुमन जाना और सुखमय नंदी शामिल है। इसके अलावा डॉ. संदीप गुप्ता और डॉ. जितेन्द्र गोस्वामी से पूछताछ की गई है।

पूर्व राज्यपाल डॉ. कमला बेनीवाल का निधन

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। पूर्व राज्यपाल और राजस्थान की पूर्व डिप्टी सीएम रहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. कमला बेनीवाल (97) का निधन हो गया। बुधवार दोपहर बाद उन्होंने जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। जवाहर सर्किल के पास आवास पर आज खाना खाने के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें फोर्टिस अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान उनका देहांत हो गया। अंतिम संस्कार कल जयपुर में होगा। कमला बेनीवाल के एक बेटा और चार बेटियां हैं। उनके बेटे आलोक बेनीवाल शाहपुरा से निर्दलीय विधायक रह चुके हैं। कमला बेनीवाल के निधन पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट सहित कई नेताओं ने शोक जताया है। कमला बेनीवाल का जन्म 12 जनवरी 1927 को झुंझुनूं जिले के गोरिर गांव में एक किसान परिवार में हुआ था।

मंत्री किरोड़ी लाल ने सीएम भजनलाल को लिखा पत्र
1146 करोड़ के घोटाले की जताई संभावना; बोले- काम रुकवाओ

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने जल जीवन मिशन में घोटाले धांधली को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा था। जिसके बाद विभाग ने सभी टेंडरों को निरस्त कर दिया था। लेकिन अब मंत्री किरोड़ी लाल मीणा फिर एक घोटाले को लेकर सीएम भजनलाल को पत्र लिखा है।

उन्होंने जयपुर में गांधीनगर स्थित ओल्ड एमआरईसी कैम्पस व राजकीय कॉलोनी के पुनर्विकास योजना के नाम पीपीपी मॉडल पर मल्टीस्टोरी बिल्डिंग बनाने के प्रोजेक्ट में 1146 करोड़ रुपए का घोटाला होने की संभावना जताई है। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने इस प्रोजेक्ट में कुछ अफसरों पर आरईडीसीसी से सांठ-गांठ कर काली कमाई करने का आरोप लगाते हुए पत्र लिखा है।

किरोड़ी लाल का

अधिकारियों पर आरोप

कृषि मंत्री ने आरोप लगाया है कि योजना को मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री व केबिनेट से अनुमोदित करवाए बिना ही काम शुरू कर दिया। जबकि मुख्यमंत्री ने फाइल लौटी दी। वर्तमान सरकार को विश्वास में लिए बिना इस योजना को क्रियान्वित करना कुछ अधिकारियों की स्वार्थ सिद्धि व मिलीभगत है।

मीणा की मांग है कि प्रकरण की पूर्ण वित्तीय जांच व विभिन्न बिंदुओं की जांच करवाई जाए। जब तक इस योजना को लागू करने पर प्रतिबंध लगाया जाए। आचार संहिता के दौरान आवास खाली करवाने के नोटिस देना, आउट ऑफ टर्न मकान आवंटित करना व नई योजना का क्रियान्वयन करना उचित नहीं है।

इन वजह से सवालों के घेरे में प्रोजेक्ट

मास्टर प्लान में यहां 18 से 19 मंजिला बिल्डिंग बनाने का प्रावधान ही नहीं है। यहां व्यावसायिक उपयोग की अनुमति भी नहीं है। योजना की लागत 5 साल पहले 277 करोड़ आंकी गई, लेकिन अब 218 करोड़ रु. ही रह गई। इसे घाटे की योजना बताकर 108 फ्लैट के साथ ही 25 फ्लैट निजी हाथों में दे दिए जाएंगे। यहां हाईकोर्ट के न्यायाधिपति का निवास है। यह वीआईपी सड़क के पास बनाई जा रही है।

रविंद्र सिंह भाटी को फिर मिली जान से मारने की धमकी
समर्थकों ने अब कर डाली ये बड़ी मांग

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर शेयर वीडियो में आरोपी खुलेआम कहते हुए नजर आ रहा है कि 'खुलेआम कह रहा हूं, तेरे (भाटी समर्थक) बाप रविंद्र सिंह भाटी को खुलेआम मारेंगे'। साथ ही वीडियो में आरोपी ने ओम बन्ना को लेकर भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया। जिस पर लोगों ने कमेंट कर पुलिस से कार्रवाई की अपील की है। हालांकि पुलिस ने इस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

पहले भी मिल चुकी धमकी

इससे पहले रविंद्र सिंह भाटी को सोशल मीडिया पर मेघाराम नाम के युवक ने धमकी दी थी। आरोपी ने बालोतरा में चल रहे धरना प्रदर्शन के दौरान फेसबुक लाइव पर जान से मारने की धमकी का कमेंट किया था। पुलिस ने बताया था कि रोहित गोदारा कपूरीसर के नाम की आईडी करीबन 45 दिन पहले बालोतरा में सर्वेश्वर उद्योग 3 फेस जेरला चौराया बलोतरा जहां कपड़े का काम करता है। इस मामले में एसपी नरेंद्र सिंह मीणा के सुपरविजन में पुलिस की टीम ने आरोपी को बालोतरा में कपड़े के दुकान में गिरफ्तार किया था।

गौरतलब है कि रविंद्र सिंह भाटी की सुरक्षा के लिए Z+ सुरक्षा की मांग की जा रही थी। जिसके बाद राजस्थान पुलिस ने पुलिस मुख्यालय में बैठक करने के बाद सुरक्षा देने का फैसला किया। राजस्थान पुलिस ने रविंद्र सिंह भाटी को PSO यानी पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर की सुरक्षा देने का फैसला किया था। भाटी को दो PSO सुरक्षा के लिए दिये गए हैं। हालांकि पुलिस ने कहा है कि उनकी आगे सुरक्षा बढ़ाई भी जा सकती है।

दिव्या ने एसपी पर लगाए अवैध खनन और भूमाफिया को संरक्षण देने के आरोप
सोशल मीडिया पर लिखी ये बात

जोधपुर, 15 मई (एजेंसियां)। ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव पर ओसियां की पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने अवैध खनन और भूमाफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।

दिव्या ने सोशल मीडिया एक्स पर एसपी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए लिखा है कि आजकल पिक्चर देखकर सुपर कॉप या सिंघम बनने की होड़ लगी हुई है। सोशल मीडिया में पुलिस अधिकारी हीरो बनने के चक्कर में पब्लिक शेमिंग और पब्लिक ह्यूमैनिटेशन के अनेक हथकंडे अपनाते हैं, जबकि आम जनता या पीड़ित को ये जानकारी ही नहीं होती कि पुलिस कस्टडी में बने वीडियो में जुर्म कबूल करवा वायरल करवाना, सिर मूंछ दाढ़ी मुंडवाना और जुलूस निकलवाना पूरी तरह से गैरकानूनी है। गौरतलब है कि गत पांच मई को जोधपुर के ओसियां थाना क्षेत्र में सिरमंडी टोल पर मारपीट के मामले में गिरफ्तार आरोपी के माफी मांगने के वायरल वीडियो को लेकर

ओसियां की पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने ग्रामीण एसपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देशों पर ही थाने में ही गिरफ्तार होने वाले अपराधियों के वीडियो वायरल किए जाते हैं। इसमें पैर तोड़ना, पैर पर गोली मारना, उनके निर्देश से ही एक फर्जी एनकाउंटर भी हुआ जो अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर बायतु के ओमाराम जाट का किया था।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में लिखा है कि गिरफ्तार व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार न किया जाए, लेकिन पुलिस वाहवाही बटोरने के चक्कर में और कभी किसी से बदला लेने के चक्कर में या राजनीतिक दबाव में पुलिस पब्लिक शेमिंग कर अपना खुद का समानांतरण कर रही है। इसे पूरी तरह से रोका जाना चाहिए, क्योंकि इसका व्यक्ति पर घातक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है जो आत्महत्या का कारण बन सकता है। ऐसे लोगों के खिलाफ तुरंत पुलिस अधिकारी एक्शन लेना चाहिए।

दिव्या ने लिखा कि हम अपराधी और आपराधिक गतिविधियों के सख्त खिलाफ है, लेकिन न्याय प्रणाली को धता बताकर नहीं। पुलिस को पब्लिक शेमिंग का अधिकार नहीं है। अब जो मन में आए पुलिस उस अभियुक्त के साथ पुलिस कस्टडी में करने करने लग गई है। एसपी अपनी खुद की खुंदक निकालने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

शिक्षक प्रेमी ने नाबालिग प्रेमिका के संग की आत्महत्या
पानी के कुंड में मिले प्रेमियों के शव

बीकानेर, 15 मई (एजेंसियां)।देशनोक थाना क्षेत्र के गांव पलाना में गौशाला के कुंड में प्रेमी युगल के शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। सूचना पर जाब्ते के साथ पहुंची देशनोक एसएचओ सुमन शेखावत ने शव कुंड से निकलवाकर देशनोक सीएचसी भिजवाए, जहां परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किए गए।

प्रेमी की शिनाख्त पूनमचंद प्रजापत निवासी बंगला नगर के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि

पूनमचंद बंगला नगर के एक निजी विद्यालय में शिक्षक है इसी विद्यालय में पढ़ने वाली नाबालिग प्रेमिका कक्षा दसवीं की छात्रा है। इस प्रेम प्रसंग के कारण प्रेमी शिक्षक को विद्यालय से निकाले जाने की बात भी सामने आई है।

हिंदुस्तान कॉपर खदान में फंसे एक अधिकारी की मौत
14 को सुरक्षित बाहर निकाला, तीन जयपुर रेफर

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। नीम का थाना जिले के खेतड़ी के कोहिलान खदान में फंसे 15 में से एक अधिकारी की मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले चीफ विजिलेंस ऑफिसर उपेंद्र पांडे हैं। बाकी सभी 14 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। जिनमें से तीन को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। मौके पर अभी भी पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौजूद हैं।

दरअसल, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की कोलिहान खदान में करीब 1800 फीट गहराई में 15 लोग फंस गए थे। यह सभी ऑफिसर खदान में विजिलेंस का काम करके वापस लौट रहे थे इस दौरान अचानक लिफ्ट का रस्सा टूटने से लिफ्ट खदान में गिर गई और उसमें सभी लोग फंस गए। इसके बाद से लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन कर उन्हें बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे थे। करीब 15 घंटे बाद 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि एक की मौत हो गई है।

प्रशासन ने संभाला था मोर्चा

इस घटना के बाद जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक नीम का थाना के साथ सीएमएचओ और एसडीआरएफ की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया था। रेस्क्यू टीम लगातार रात भर खदान में फंसे अधिकारियों को बाहर निकलने के प्रयास करने में जुटी थी। आज सुबह अलग-अलग समय पर टीम ने लोगों को खदान से बाहर निकाला। झुंझुनू सरकारी अस्पताल के डॉ. प्रवीण शर्मा ने बताया कि खदान में फंसे सभी लोग सुरक्षित हैं। लेकिन, किसी के हाथ तो किसी के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। तीन लोगां की हालत गंभीर थी, ऐसे में उन्हें जयपुर रेफर किया गया है। जहां, उनका इलाज चल रहा है।

कोहिलान की खदान के अंदर फंसे अधिकारियों में केसीसी यूनिट चीफ जीडी गुप्ता, दिल्ली से आए मुख्य सतर्कता अधिकारी उपेंद्र पांडे, कोलिहान खदान के उप महाप्रबंधक एके शर्मा शामिल थे. खदान में फंसे अन्य लोगों में विनोद सिंह शेखावत, एके बैरा, अर्णव भंडारी, यशोराज मीणा, वनेंद्र भंडारी, निरंजन साहू, करण सिंह गहलोत, प्रीतम सिंह, हरसीराम और भागीरथ शामिल थे। इनमें दिल्ली से आए मुख्य सतर्कता अधिकारी उपेंद्र पांडे की मौत हो गई है।

आग का गोला बनी चलती बस
शॉर्ट सर्किट से लगी आग, सभी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला

बीकानेर, 15 मई (एजेंसियां)। जिले के नाल थाना इलाके में एक बस में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अचानक लगी आग ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते पूरी बस आग का गोला बन गई। बीकानेर से डेली तलाई जा रही निजी बस के इंजन में कोडमदेसर के पास अचानक आग लग गई, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

गनीमत रही कि आग लगने से किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई और बस में बैठे यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। आग लगने के बाद स्थानीय लागों ने अपने स्तर पर ही आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। बाद में अग्निशमन सेवा की टीम व नाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग इतनी भयावह थी कि बस का पूरा हिस्सा जलकर राख हो गया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का बड़ा बयान
बोले- देश में डर का माहौल; हमारा सरकार से मोहभंग

अलवर, 15 मई (एजेंसियां)। ज्योतिष पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचाय स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोप लगाया है कि अभी देश में डर का माहौल है, लोकतंत्र को चलने नहीं दिया जा रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में गौसेवक प्रत्याशी को चुनाव लड़ने से रोका जा रहा है, प्रशासन की ओर से उनके प्रस्तावकों को डराया जा रहा है। वहां के मेयर रात के दो बजे प्रस्तावकों के दरवाजे खटखटा कर उन्हें प्रस्तावक से नाम वापस लेने के लिए दबाव डाल रहे हैं। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को अलवर में पत्रकारों से बातचीत में केन्द्र की मोदी सरकार, भाजपा, कांग्रेस व आप सहित अन्य पार्टियों पर भी खूब बरसे। उन्होंने कहा कि इस बार वाराणसी में गौसेवक आंध्र प्रदेश के पोलीसती के शिवकुमार ने सबसे पहले नामांकन दाखिल किया है। वे गौमाता गठबंधन में शामिल हैं और उनके अधिकत प्रत्याशी हैं।

रज्जो की गैंग ने चलाई पुलिस पर गोलियां
जवाबी फायरिंग में घायल डकैत पुलिस गिरफ्त में

धौलपुर, 15 मई (एजेंसियां)। इनामी डकैत राजवीर और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में जांघ में गोली लगने से घायल डकैत को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। घायल डकैत का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। राजवीर पर मप्र और उप्र पुलिस ने भी इनाम घोषित कर रखा है।

पुलिस और इनामी डकैत राजवीर उर्फ रज्जो की गैंग के मध्य बसेड़ी थाना इलाके में पिपरोंन की पुलिया के पास बीती रात हुई मुठभेड़ में डकैत राजवीर की जांघ में गोली लगने से पुलिस ने उसे मौके से दबोच लिया। वहीं उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। घायल डकैत राजवीर को जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को 25 हजार के इनामी डकैत राजवीर उर्फ रज्जो के बसेड़ी इलाके में पिपरोंन की पुलिया के पास होने की सूचना मिली थी। सूचना पर स्पेशल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही डकैत गैंग ने गोली चलाना शुरू कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली डकैत राजवीर की जांघ में लगी गई, जिससे घायल हुए डकैत को पुलिस ने मौके से दबोच लिया और जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवा दिया।

घायल डकैत पर राजस्थान के अलावा मप्र और उप्र में भी इनाम घोषित है। घायल डकैत राजवीर के खिलाफ डकैती, लूट, अपहरण ,मारपीट एवं राजकार्य में बाधा जैसे एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

जज के फैसला सुनाते ही कोर्ट से फरार हो गया अपराधी
दुष्कर्म के मामले में सुनाई गई तीन साल की सजा

अलवर, 15 मई (एजेंसियां)। अलवर के पॉस्को न्यायालय संख्या एक से मनीष कुमार नाम का अपराधी फरार हो गया। मनीष कुमार के खिलाफ दुष्कर्म के मामले में दोष सिद्ध होने पर उसे तीन साल की सजा और 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई थी। इसी दौरान मनीष न्यायालय कक्ष से फरार हो गया। कुछ देर बाद इसका पता चलने पर मामले की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू कर दी है। दोषी की तलाश के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।

कोतवाली एसएचओ नरेश शर्मा ने बताया कि पॉस्को के एक मामले में अखेपुरा मोहल्ला निवासी मनीष को तीन साल की सजा सुनाई गई थी। इस दौरान मनीष कोर्ट में भीड़ का फायदा उठाकर न्यायालय परिसर से फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।

अगले चार दिन बारिश की संभावना; येलो अलर्ट जारी

हैदराबाद , 15 मई (स्वत्रंत वार्ता)। हैदराबाद में भीषण तापमान से मिल रही राहत और कुछ दिन और रहेगी क्योंकि आगामी दिनों में बारिश का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग - हैदराबाद ने अगले चार दिनों के लिए शहर भर में आंधी और बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है | आईएमडी हैदराबाद के अनुसार, 16 से 19 मई तक तेलंगाना के दक्षिण और मध्य भागों के अधिकांश क्षेत्रों में वर्षा होने का अनुमान है, जो 1% और 18 मई को अपने चरम पर पहुंच जाएगी। इस अवधि के दौरान, शहर में तापमान लगभग 35 डिग्री तक गिरने की उम्मीद है।

रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, महबूबनगर, नगरकुरनूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलंबा गडवाल, कोमाराम भीम आसिफाबाद में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। तेलंगाना के मंचेरियल, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपलपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव और यदाद्री भुवनगिरी जिले, में भी वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है।

रविवार को हैदराबाद का तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया| जबकि संगारेड्डी, विकाराबाद, कामारेड्डी, मेडक और नागरकुर्नूल जैसे कुछ अलग-अलग इलाकों में तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, वहीं तेलंगाना के लगभग आधे जिलों में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। जगतियाल के धर्मपुरी में उच्चतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद करीमनगर में वीणावंका में 41.8 डिग्री सेल्सियस और पेद्दापल्ली में रामागुंडम में 41.% डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लोहिया विचार मंच की सभा कल आयोजित

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 17 मई1 को कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का 90वां स्थापना दिवस है। इस अवसर पर लोहिया विचार मंच, हैदराबाद की ओर से शुक्रवार दिनांक 17 मई को सायंकाल 5.00 बजे दोड्डी कोमरेय्या हॉल, सुंदररूया विज्ञान केंद्र, बागलिंगमपल्ली, हैदराबाद में एक सभा का आयोजन किया गया है। गोपाल सिंह अध्यक्ष ने कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की।

इंफोसिस पुरस्कार की आयु सीमा संशोधित

आईएसएफ ने की घोषणा

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इंफोसिस साइंस फाउंडेशन (आईएसएफ) ने घोषणा की है कि वह इंफोसिस पुरस्कार को एक नई दिशा में ले जा रहा है। पुरस्कार विजेताओं के लिए ऊपरी आयु सीमा को संशोधित कर 40 वर्ष किया जा रहा है। इंफोसिस पुरस्कार का मूल उद्देश्य सर्वोत्तम शोध को मान्यता देना है जो मानवता को लाभ पहुंचाता है और भारत में युवा विद्वानों और महत्वाकांक्षी वैज्ञानिकों के लिए रोल मॉडल तैयार करता है।

इंफोसिस पुरस्कार जिन श्रेणियों को मान्यता देता है वे मोटे तौर पर वही रहेंगी। हालांकि, अर्थशास्त्र अब इन्फोसिस पुरस्कार में एक अलग श्रेणी होगी। 2024 से, इंफोसिस पुरस्कार जिन छह श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा वे अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, जीवन विज्ञान, गणितीय विज्ञान और भौतिक विज्ञान हैं।

आवारा कुत्तों के हमले में बकरियों की मौत

पीड़ित ने नगर निगम कार्यालय में मरी हुई बकरियां रखकर विरोध जताया

करीमनगर, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के कोत्तापल्ली नगरपालिका टाउन के अजीजुद्दीन फैज़ान की बकरियों पर अवारा कुत्तों ने हमला कर उन्हें मार डाला।

इससे पहले इसी युवक की बकरियों और मुर्गियों पर भी इसी तरह हमला किया गया और उन्हें मार डाला गया था। युवक ने बताया कि उसने कई बार शिकायत की है कि उसकी पाली हुई मुर्गियों और बकरियों को अवारा कुत्तों से खतरा है, लेकिन अधिकारियों ने आश्वासन के सिवाय कोई कार्रवाई नहीं की। नतीजतन आज कुत्तों ने उक्त हमले को अंजाम दे ही दिया। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि आवारा कुत्तों के हमले में उसने अपनी लाखों रुपए की बकिरियां खो दी है। उसकी बातों को अनसुना करते हुए अधिकारियों ने लापरवाही भरा जवाब दिया। उन्होंने जब इस संबंध में नगर निगम आयुक्त से पूछा तो उन्होंने भी युवक को वहां से चले जाने को कहा। पिछले हमले के बारे में जिला कलेक्टर से भी शिकायत की थी, लेकिन कोत्तापल्ली के नगरपालिका अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने अधिकारियों को व्यापक जांच करने और कोत्तपल्ली नगरपालिका अधिकारियों की लापरवाही पर कार्रवाई करने की मांग की है।

के. बी. आर. पार्क स्थित इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा, आरती करते मॉर्निंग वॉकर्स राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार गोयल, गोपाल बलदेव, विट्ठल दास अग्रवाल, प्रमोद सरायवाला, विजय अग्रवाल, महेश डाकोतिया, विजय कुमार दिल्लीवाले, सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, विजय तुंबी, शेषैया, मोहन लाल मित्तल, विनोद टिकमानी, माया अग्रवाल, संध्या रानी आदि उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर 19 मई को

हैदराबाद,15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं रक्तदान शिविर 19 मई को आयोजित की गई है। आयोजित बैठक में सर्व प्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई। सर्व सम्मति से ये निर्णय लिया गया की रविवार 19 मई को शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन शिवरामपल्ली स्थित राघवेंद्र नगर कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में प्रातः 11 से 3 बजे तक किया जाएगा। शाखा के सभी सदस्यों से रक्तदान करने की अपील की गई है। सभा में उपस्थित शाखा के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, राकेश कुमार जालान, राजेश जैलिया, ललित मांडीवाला, सुशील अग्रवाल, अनिल बंसल, पवन अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, पंकज गुप्ता, महेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

तेलुगु कथा साहित्य पर चर्चा और कवि गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 15 मई (स्वत्रंत वार्ता)। हिंदी लेखक संघ की मासिक गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार के सभागृह में संपन्न हुआ, जिसमें तेलुगु कथा साहित्य पर चर्चा और कवि गोष्ठी संपन्न हुई। ठाकुर दिनेश सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया। श्रुतिकांत भारती, चंपालाल बैद, सादुल्लाह ख़ान सबील, डॉ. फरीदुदीन सादिक़ बतौर विशेष अतिथि उपस्थित थे। तेलुगु और हिंदी के कवि जी. परमेश्वर ने तेलुगु कथा साहित्य पर हिंदी में अपना आलेख प्रस्तुत किया। आलेख पर सामूहिक चर्चा भी हुई। श्रुतिकांत भारती ने कहा कि दक्षिण का साहित्य भी बड़ा सशक्त है। दक्षिण के साहित्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार आदि प्राप्त हो चुके हैं।

अध्यक्षीय टिप्पणी में दिनेश सिंह ने कहा कि तेलुगु कथा साहित्य के आरंभ से लेकर अब तक पर जी. परमेश्वर ने अपने आलेख में गागर में सागर भर दिया। यह आलेख शोधार्थियों के लिए बहुत ही लाभकारी है।

सादुल्लाह ख़ान सबील ने कहा कि हिंदी लेखक संघ साहित्य पर चर्चा का आयोजन कर एक सेतु का कार्य कर रहा है जो प्रशंसनीय है। संस्था हिंदी, तेलुगु और उर्दू के कवियों को भी प्रोत्साहित कर रही है। कवि गोष्ठी में कवियों ने देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ कर समाँ बाँध दिया। कविता पाठ करने वाले कवियों में चंपालाल बैद, रत्नकला मिश्र, सुधा ठाकुर, राज कुमार यादव, जितेंद्र कुमार यादव, आर. दुर्गाराज पटून, अनिल कुमार गुप्ता, नागेश्वर राव, शिव कुमार तिवारी कोहिरी, डॉ. मुमताज सुल्ताना, रेखा देवी वर्मा, डॉ. फरीदुदीन सादिक़ आदि शामिल थे।

सांप्रदायिक झड़प के आरोप में 20 गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सांप्रदायिक झड़पों में शामिल होने और सोमवार को जैनूर मंडल केंद्र में गड़बड़ी पैदा करने के आरोप में बुधवार को बीस लोगों को गिरफ्तार किया गया। आसिफाबाद के डीएसपी पी सदैया ने कहा कि 13 मई की शाम को जैनूर मंडल केंद्र में हुई सांप्रदायिक झड़पों में उनकी भूमिका के लिए आरोपी व्यक्तियों को पकड़ लिया गया और अदालत में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए 200 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। उन्होंने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

सदैया ने कहा कि विशेष पुलिस टीमें बाकी आरोपियों की पहचान कर रही हैं। उन्होंने सभी वर्गों के लोगों, समुदायों और धर्मों के बुजुर्गों और निर्वाचित प्रतिनिधियों से संयम बरतने का आग्रह किया। उन्होंने उनसे मंडल मुख्यालय में कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपना सहयोग देने का अनुरोध किया। यह कहते हुए कि जैनूर मंडल केंद्र में अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए सीआरपीसी की धारा 144 लागू थी और 4 से अधिक लोगों के इकट्ठा होने, जुलूस निकालने और धरना देने पर रोक थी। लोगों को भड़काने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की जाएगी। नागरिकों को सलाह दी गई कि जब तक कोई आपातकालीन स्थिति न हो, वे बाहर न निकलें।

तनाव तब फैल गया जब एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के सदस्यों पर लाठियों, लोहे की छड़ों, चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। एक समुदाय के एक युवक ने दूसरे समुदाय के दूसरे युवक पर हमला कर दिया था, जब उसकी मोटरसाइकिल गलती से उससे टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। झड़पों के मद्देनजर व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

श्री विप्र सेवा संघ द्वारा निशुल्क मेरा भारत संस्कार शिविर पारिक भवन में 19 तक आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष रामबाबू कौशिक द्वारा किया गया। संस्कार शिविर में 8 से 14 वर्ष के बालक एवं बलिकाओ को सनातन धर्म संस्कृति की शिक्षा दिलाई जा रही है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें स्ट्रांग रूम पहुंचीं: वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर और चुनाव अधिकारी वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर स्ट्रॉन्ग रूम में संग्रहीत आरक्षित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को भारी सुरक्षा के बीच ले जाया गया और बाजार प्रांगण में ईवीएम गोदाम में संग्रहीत किया गया। अपर समाहर्ता दसारी वेणु सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिला केंद्र के मार्केट यार्ड में ईवीएम गोदाम का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने कहा कि आदिलाबाद संसद के सिरपुर और आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के लिए रिजर्व में रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें सिरपुर के सिरपुर कस्बे में बने स्ट्रांग रूम में रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस गोदाम पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरे लगातार काम कर रहे हैं। इसके लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इस कार्यक्रम में आसिफाबाद के तहसीलदार श्रीनिवास राव देस पांडे, नायब तहसीलदार जितेंद्र और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बिहार एसोसिएशन ने की पीड़िता की सहायता

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भवन निर्माण में कार्यरत बिहार के भोजपुर, आरा के रहने वाले सुमित कुमार पिता राजनंदन सिंह का अमीरपेट स्थित मधुरापुर में दुर्घटनावश तृतीय मंजिल से गिरकर मौत हो गई। उक्त जानकारी देते हुए बिहार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि संगठन के अध्यक्ष हरे राम सिंह, कार्यकारिणी वरिष्ठ मानवेंद्र मिश्रा, उपाध्यक्ष, उत्तम यादव, सहित कार्यकारणी के विजय यादव, हरे राम यादव, विनोद गुप्ता, विकास यादव, दीपक यादव, जितेंद्र शाह एवं बाल किशन यादव इत्यादि सदस्यों ने भवन मालिक बी पेंटाइया से मुलाकात कर 4 लाख का मुआवजा एवं एयरलिफ्ट के माध्यम से मृतक के शव को उनके पैतृक निवास पहुंचाने की अपील की। जिसे स्वीकारते हुए उन्होंने उक्त सुविधाएं पीडित परिवार को उपलब्ध कराया। एसोसिएशन के इस सराहनीय कार्य के लिए पीडित परिवार ने जहां आभार जताया वहीं सदस्यों ने पदाधिकारियों के कार्य की सराहना की।

मोटरसाइकिल विस्फोट में घायल एक और व्यक्ति की मौत

हैदराबाद , 15 मई (स्वत्रंत वार्ता)। मोटरसाइकिल विस्फोट में झुलसे एक और व्यक्ति की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या दो हो गई। रविवार को मुगलपुरा में एक रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल में आग लगने और सड़क के बीच में विस्फोट होने से दो पुलिसकर्मियों सहित नौ लोग घायल हो गए। दो पुलिसकर्मियों के अलावा, एक फोटोग्राफर भी झुलस गया।

एक दंपत्ति मोटरसाइकिल से जा रहे थे तभी इंजन में आग लग गई और वे तुरंत नीचे उतर गए. यह देखने के बाद स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे।

पैन इंडिया फिटनेस मास्टर गेम का आयोजन 22 से 24 मई तक

गेम वाउचर लॉन्च करते हुए गोपाल बलदेवा सचिव दिनेश राजोरिया,संयुक्त सचिव डॉ. संदीप मिश्रा,कोषाध्यक्ष डॉ.क्वीन विक्टोरिया

हैदराबाद, 12 मई(स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद में मिनी विश्व चैंपियनशिप की तरह पैन इंडिया फिटनेस मास्टर गेम का आयोजन 22 मई से 24 मई तक किया गया है। इस बारे में पैन इंडिया मास्टर स्विमिंग एसोसिएशन तेलंगाना प्रमुख अधिकारी गणेश भाई ने बताया कि यह मास्टर गेम उन खिलाड़ियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिन्होंने अपने सपनों को बीच में ही छोड़ दिया है। उनके लिए अपने सपनों को साकार करने का यह बहुत अच्छा अवसर है। यह गेम फिटनेस के लिए एक बड़ी जागरूकता ला सकता है। इससे संबंधित कार्यक्रम इसी माह के 22 से 24 तक होने जा रहा है, जो तीन दिनों तक जारी रहेगा। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम स्विमिंग पूल सिकंदराबाद के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इसमें 12 से अधिक देशों के मास्टर तैराक हिस्सा ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट में 80 से अधिक उम्र के लोग से लेकर सौ साल तक के लोग भी इस तैराकी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

इस स्तर के मास्टर खेलों में भारत में पहली बार है इसे एक मिनी विश्व चैंपियनशिप की तरह आयोजित किया जा रहा हैं। उन्होने कहा कि, यह केवल तैराकी ही नहीं है, बल्कि तत्संबंधित अलग-अलग खेल जो गच्चीबोवली अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम, लाल बहादुर स्टेडियम जैसे विभिन्न स्टेडियमों में आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें विभिन्न खेलों का समावेश है, उनमें एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेनिस,तैराकी, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस,बास्केटबॉल,पिकलबॉल, फुटबॉल, हॉकी खेल शामिल है।

जब्त नकदी का दुरुपयोग करने वाले दो पुलिसकर्मी निलंबित

हैदराबाद , 15 मई (स्वत्रंत वार्ता)। लोकसभा चुनाव से पहले वाहन चेकिंग के दौरान जब्त किए गए पैसों का कथित तौर पर दुरुपयोग करने वाले दो पुलिसकर्मियों को रचाकोंडा पुलिस आयुक्त तरूण जोशी ने निलंबित कर दिया है।

रचाकोंडा सशस्त्र रिजर्व के साथ काम करने वाले पुलिसकर्मी, हेड कांस्टेबल साई कुमार और कांस्टेबल कार्तिक ने दो व्यक्तियों कृष्णा और श्रीकांत को रोका था और मेडिपल्ली के करीमगुडा में 25 लाख रुपये जब्त किए थे। हालाँकि, पुलिसकर्मियों ने रिकॉर्ड पर दिखाया कि उन्होंने 19 लाख रुपये जब्त किए थे और बाकी रकम हड़पने का आरोप लगाया। श्रीकांत ने इसकी जानकारी पुलिस के आला अधिकारियों को दी थी, जिसके बाद जांच की गई। जांच के बाद रचाकोंडा पुलिस कमिश्नर ने हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को निलंबित कर दिया।

इस बीच, दोनों पुलिसकर्मियों के एक दोस्त रंजीत, जिसने कथित तौर पर उन्हें नकदी के परिवहन के बारे में सूचना दी थी, की कथित तौर पर दो दिन पहले अपने घर पर आत्महत्या कर ली।

परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि रंजीत घटनाक्रम से चिंतित हो गया था और हो सकता है कि उसने अपनी जान दे दी हो। उच्च अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या दोनों पुलिसकर्मी ऐसे और मामलों में शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

राहुल ने ओडिशा ...

वही काम ओडिशा में नवीन बाबू कर रहे हैं। इसका पूरा का पूरा फायदा मुट्ठी भर लोगों को होता है और बाकी जनता देखती रह जाती है।

3 मई की रैली में राहुल ने ओडिशा के लिए 5 गारंटी गिनाईं

राहुल गांधी ने ओडिशा के लिए पांच गारंटी गिनाई। उन्होंने कहा-ओडिशा में महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए, बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपए, 200 यूनिट फ्री बिजली, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और धान के लिए 3,000 रुपए/क्विंटल।

ओडिशा में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव

ओडिशा में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव भी होने हैं। यहां लोकसभा की 21 सीटें हैं, जिन पर 13 मई, 20 मई, 25 मई, 1 जून को चौथे, पांचवें, छठे और सातवें फेज में चुनाव होगा। राज्य में विधानसभा की 14% सीटों के लिए भी 13 मई से 1 जून के बीच वोटिंग होगी। दोनों चुनावों के नतीजे 4 जून को आएंगे।

नवीन पटनायक साल 2000 से ओडिशा के मुख्यमंत्री

ओडिशा में लोकसभा की 21 और विधानसभा की 14% सीटें हैं। यहां 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को चार फेज में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हो रही है। राज्य में 5 मार्च 2000 से नवीन पटनायक के नेतृत्व में बीजू जनता दल (बीजेडी) की सरकार है। 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेडी ने 146 सीटों में से 112, भाजपा ने 23 और कांग्रेस ने 9 सीटें जीती थीं। लोकसभा चुनावों में बीजेडी ने 12 और भाजपा ने 8 सीटें जीतीं। कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली थी।

चारधाम यात्रा-45 ...

यहां न खाने का ठिकाना है और न रुकने का। आसपास के गांवों के लोग पानी की बोतल के 30 से 50 रु. तो शौचालय उपयोग का 100 रु. तक ले रहे हैं। गंगोत्री रूट पर छह दिन से जाम में फंसे महाराष्ट्र, मप्र, गुजरात, राजस्थान, ओडिशा और दिल्ली के 7 हजार यात्रियों ने आगे की यात्रा स्थगित कर लौटना ही मुनासिब समझा। हांलाकि, केदारनाथ और बद्रीनाथ के रास्तों पर जाम कम है। मंगलवार को यहां 23 हजार लोगों ने दर्शन किए।

न्यूज क्लिक फाउंडर ...

इसके अलावा पुरकायस्थ पर 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने के लिए पीपुल्स अलायंस फॉर डेमोक्रेसी एंड सेक्युलरिज्म के साथ साजिश रचने का आरोप है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की इन्वेस्टिगेशन में सामने आया कि सिंघम के साथ मैसाचुसेट्स में एक थिंक टैंक, मैनहटन की संस्था, दक्षिण अफ्रीका में एक राजनीतिक दल, भारत और ब्राजील में न्यूज ऑर्गेनाइजेशन सहित कई ग्रुप जुड़े हैं। इनके पास अरबों डॉलर के साधन हैं। सिंघम शिकागो में सॉफ्टवेयर कंसल्टेंसी कंपनी थॉटवर्क्स चलाते हैं। इससे एक भारतीय न्यूज वेबसाइट भी जुड़ी है। 69 साल के सिंघम शंघाई में बैठते हैं। वहां उनका नेटवर्क यूट्यब पर एक शो चलाता है। इसके लिए शंघाई का प्रोपेगैंडा विभाग भी कुछ पैसा देता है।

पूर्व पति का ...

सबसे पहली बात तो यह कि मेरा स्वाति से तलाक हो चुका है। मैं बीते चार साल से उनके साथ संपर्क में नहीं हूं। दूसरा, स्वाति के साथ जो भी हुआ उसकी प्लानिंग पहले से की गई थी और अब उसे डराया-धमकाया जा रहा है। स्वाति के साथ कुछ भी हो सकता है। जिस व्यक्ति ने स्वाति के साथ बदसलूकी की, उसमें इतनी हिम्मत भी नहीं है कि वह अपनी आवाज उठा सके। उसने ये सब किसी के निर्देश पर किया है। स्वाति को भी सामने आना चाहिए और अपनी बात रखनी चाहिए। उन्हें किस बात का डर है। हम सब उनके साथ हैं। उनकी जिंदगी खतरे में है।

पुलिस के मुताबिक, स्वाति मालीवाल सोमवार को सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन आई थीं और मुख्यमंत्री के पर्सनल स्टाफ के खिलाफ शिकायत की। पुलिस को उनकी तरफ से औपचारिक रूप से शिकायत नहीं मिली। डीसीपी (नॉर्थ) मनोज मीना ने बताया, 'हमें सुबह 9:34 बजे एक पीसीआर कॉल मिली जिसमें कॉल करने वाले ने कहा कि उसके साथ सीएम आवास के अंदर मारपीट की गई है। उसके बाद स्थानीय पुलिस और एसएचओ ने कॉल का जवाब दिया। कुछ समय बाद, सांसद स्वाति मालीवाल पुलिस स्टेशन सिविल लाइन्स आईं। इस मामले में उनकी ओर से कोई शिकायत नहीं दी गई है।' सीएम हाउस से मालीवाल ने पीसीआर कॉल की थी। कॉल के बाद दिल्ली पुलिस सिविल लाइंस स्थित सीएम हाउस पर पहुंची। हालांकि, मौके पर स्वाति नहीं मिलीं। जब पुलिस सीएम हाउस पहुंची तो स्वाति मालीवाल वहां से जा चुकी थीं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगे

डीसी इस सीजन में पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट खोने वाली टीम

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल-2024 के 64वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार को लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने होमग्राउंड पर 20 ओवर में 4 विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में लखनऊ 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन ही बना सकी।

मैच में कुल 20 छक्के लगे। इसी के साथ इस सीजन सबसे ज्यादा सिक्स लगने का रिकॉर्ड बन गया। दिल्ली ने इस सीजन पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट खोए। वहीं दिल्ली 200 रन डिफेंड करने में लगातार 13वीं बार कामयाब रही। मैच रिकॉर्ड्स...

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स का रिकॉर्ड लीग स्टेज में ही टूटा

आईपीएल 2024 में अब तक कुल 1125 सिक्स लग चुके हैं। इसके साथ ही पिछले सीजन बना रिकॉर्ड टूट गया। पिछले सीजन सबसे ज्यादा सिक्स लगे थे, जिनकी संख्या 1124 थी। इस सीजन यह रिकॉर्ड लीग स्टेज में ही टूट गया।

पावरप्ले में दिल्ली ने सबसे ज्यादा विकेट गंवाए

इस सीजन पावरप्ले में दिल्ली कैपिटल्स ने सबसे ज्यादा विकेट गंवाए हैं। टीम ने 14 मैचों में पावरप्ले के शुरुआती 6 ओवर्स में 28 विकेट खोए। वहीं, इस मामले में लखनऊ कल 5 विकेट गिरने के बाद तीसरे नंबर पर आ गई।

डीसी-एलएसजी के बीच एक मैच में सबसे ज्यादा रन बने

दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच एक मैच में टॉप एग्रीगेट स्कोर, यानी सबसे ज्यादा टोटल रन बने। हुए मैच में दिल्ली ने 208 और लखनऊ ने 189 रन बनाए यानी कुल 397 रन बने। इससे पहले साल 2022 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली - लखनऊ मैच में 384 रन बने थे।

दिल्ली ने लगातार 13वीं बार 200+ रन डिफेंड किए

दिल्ली ने लगातार 13वीं बार 200+रन डिफेंड किए है। कोई भी टीम अब तक दिल्ली के खिलाफ 200+ रन चेज नहीं कर सकी है। इसी तरह लखनऊ और मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी अब तक कोई 200+ रन चेज नहीं कर सका है। मुंबई 14 बार और लखनऊ 2 बार ये कारनामा कर चुका है।

एक IPL सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स

सीजन	सिक्स
2024	1125
2023	1124
2022	1062
2018	872
2019	784

IPL 2024 में पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट गंवाने वाली टीम

टीम	मैच	विकेट
DC	14	28
MI	13	25
LSG	13	24
RCB	13	20
PBKS	12	20

भारत के मेइराबा थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में

हमवतन प्रणय से होगा सामना

बैंकॉक, 15 मई (एजेंसियां)। भारत के मेइराबा मेसनाम ने यहां थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले मणिपुर के 21 साल के मेइराबा ने हमवतन शाश्वत दलाल को 15-21 21-14 21-16 से हराने के बाद मलयेशिया के कोक जिंग होंग को 21-19 21-9 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

बुधवार को मुख्य ड्रॉ में उनकी भिड़ंत हमवतन भारतीय और पांचवें वरीय एचएस प्रणय से होगी। पुरुष एकल क्वालिफिकेशन में हिस्सा ले रहे चार अन्य भारतीय एस शंकर मुथुसामी, आयुष शेट्टी, कार्तिकेय गुलशन कुमार और रवि हार के कारण मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में नाकाम रहे। महिला एकल में निक्की रापरिया और पुरुष युगल में विमलराज अन्नादुरई और मयुरन काथिरवन भी क्वालिफाइंग दौर में हार गए।

वेटलिफ्टिंग में दस लिफ्टर डोप में फंसे

पदक के लिए प्रतिबंधित शक्तिवर्धक ड्रग्स का प्रयोग किया

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। पदक और नौकरी के लिए खेलों में प्रतिबंधित शक्तिवर्धक ड्रग्स का चलन कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस वर्ष जनवरी में ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में हुई राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में एक या दो नहीं 10 वेटलिफ्टर डोप पॉजिटिव पाए गए हैं। ये सभी पदक विजेता हैं। इनमें सात पुरुष और तीन महिलाएं हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से कुछ लिफ्टरों के सैंपल में तीन से चार तरह के प्रतिबंधित ड्रग्स का कॉकटेल मिला है। इनमें स्टेरायड, सार्म, स्टीमुलेंट सभी कुछ है। नाडा ने इन लिफ्टरों को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है।

कम उम्र के हैं लिफ्टर

हरियाणा के सोमनाथ और अनुष ने ईटानगर में 109 और 67 किलो में कांस्य पदक जीता। दोनों की उम्र 18 से 20 के बीच है, लेकिन इनका केस खेलों में घुसी डोपिंग की जड़ों और इसकी गंभीरता को बयां करता है। सोमनाथ के सैंपल में एनाबॉलिक स्टेरायड मिटेंडियोनॉन, ड्रॉस्टेनोलॉन, लिगेंड्रॉल (सार्म) और स्टीमुलेंट मिफेनटरमाइन पाया गया है। हाल-फिल्हाल में एक सैंपल में इतने प्रतिबंधित ड्रग्स मिलते नहीं देखे गए हैं। वहीं अनुष के सैंपल में ट्रेंबोलॉन, ओस्टारिन (सार्म), मिफेनटरमाइन मिले हैं। अन्य पॉजिटिव खिलाड़ियों में देवीश्री (आंध्र प्रदेश), सागर (बिहार), मृणमय गोगोई (असम), गौरव (पुलिस बोर्ड), राखी पुरोहित (राजस्थान), शीतल भाटी (हरियाणा), सुमित राजपूत (मध्य प्रदेश), सचिन पंवार (उत्तर प्रदेश) शामिल हैं।

दस प्रशिक्षकों पर भी लगा प्रतिबंध

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने भी राष्ट्रीय शिविर के बाहर बढ़ते डोप के मामलों पर संज्ञान लेते हुए 10 प्रशिक्षकों पर तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। ये उन 10 लिफ्टरों के प्रशिक्षक हैं, जो 2023 की नागरकोइल राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग में डोप में फंसे थे। इनमें हरियाणा, यूपी के दो-दो और एक कोच सर्विसेज का भी है। इन पर 2026 तक का प्रतिबंध लगा है।

ये महासंघ की प्रशिक्षण की किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं रह सकते हैं। महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव का कहना है कि शिविर के बाहर डोपिंग रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। राष्ट्रीय शिविर में नाडा की निगरानी रहती है, लेकिन सीधे चैंपियनशिप में खेलने आ रहे लिफ्टरों को डोपिंग से रोकना चुनौती है।

'समय के साथ विकसित होना जरूरी'

रवि शास्त्री ने किया इम्पैक्ट प्लेयर नियम का समर्थन

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। जहां एक तरफ इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सभी क्रिकेटर्स अपनी-अपनी राय रख रहे हैं तो वहीं अब पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने भी इस पर अपना पक्ष रखा है। टीम इंडिया के स्पिन गेंदबाज आर अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत करते हुए रवि शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है ये काफी अच्छा नियम है ये अन्य खेलों में भी होता है। हमें समय के साथ अब विकसित होना होगा। जब कोई नया नियम आता है तो लोगों की उसपर अलग-अलग राय होती है।

क्या है इम्पैक्ट प्लेयर नियम?

बीसीसीआई ने आईपीएल 2023 में इम्पैक्ट प्लेयर नियम की शुरुआत की थी। जिसका

सबसे ज्यादा फायदा इस सीजन देखने को मिला है। हर मैच में टॉस के दौरान सभी टीमें अपने-अपने 5 इम्पैक्ट प्लेयर के नाम देती है। ये 5 खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन से अलग होते हैं। जिसमें से मैच के दौरान टीम एक ही खिलाड़ी को यूज कर सकती है। जब टीम की बल्लेबाजी कमजोर होती है तो कप्तान एक बल्लेबाज को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में शामिल करता है।

तो वहीं जब टीम की गेंदबाजी कमजेर होती है तो कप्तान किसी गेंदबाज का यूज करता है। इस दौरान एक मैच में सभी टीमें 11 की बजाय 12 खिलाड़ियों को खिलाती है।

आईपीएल 2024 में सभी फ्रेंचाइजीज ने इस नियम का भरपूर फायदा उठाया। जिसके चलते इस सीजन 8 बार 250 से ज्यादा का स्कोर बना है।

रोहित शर्मा ने ठहराया था गलत

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम को गलत ठहरा चुके हैं। रोहित शर्मा ने इसको लेकर कहा था कि ये नियम वास्तव में ऑलराउंडर्स के प्रदर्शन पर बाधा डालता है। क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का खेल होता है लेकिन इस नियम के चलते 12 खिलाड़ी खेल रहे हैं। मैं इस नियम को बहुत ज्यादा पसंद नहीं करता हूं।

मनिका को सऊदी स्मैश में शानदार प्रदर्शन का मिला फायदा

करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचीं

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत की शीर्ष महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को हाल ही में संपन्न हुए सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला और वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ सिंगल्स रैंकिंग पर पहुंच गईं। मनिका अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर सिंगल्स रैंकिंग में 24वें स्थान पर पहुंच गईं हैं और वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं।

मनिका ने लगाई लंबी छलांग

सऊदी स्मैश टूर्नामेंट से पहले 39वें स्थान पर काबिज 28 वर्षीय खेल रत्न पुरस्कार विजेता मनिका ने जेद्दा में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी और अपने इस प्रदर्शन से 15 स्थान की लंबी छलांग लगाने में सफल रहीं। व्यक्तिगत और टीम श्रेणियों में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका ने सऊदी स्मैश में अंतिम आठ के सफर के दौरान कई बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वैंग मान्यु को हराकर उलटफेर किया था। यह पहली बार था जब कोई भारतीय महिला खिलाड़ी टूर्नामेंट में इतनी आगे बढ़ी। मनिका को इस प्रदर्शन के लिए 350 अंक मिले।

'ओलंपिक से पहले आत्मविश्वास बढ़ा'

मनिका ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि रैंकिंग में सुधार सही समय पर हुआ है क्योंकि उनका लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में जगह पक्की करना है। मनिका ने लिखा, 'पेरिस 2024 की राह पर काफी आत्मविश्वास बढ़ा। शीर्ष 25 में जगह बनाना और आईटीटीएफ रैंकिंग के महिला एकल में किसी भारतीय द्वारा अब तक हासिल की गई सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग।' मनिका ने अपनी सफलता के लिए अपने कोच अमन बालगु और बेलारूस के ट्रेनिंग जोड़ीदार किरिल बारबानोव को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, आपके आशीर्वाद और समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद। विशेष रूप से निरंतर समर्थन के लिए मेरे कोच अमन बालगु, मेरे साथी किरिल बारबानोव और मेरे परिवार को। पेरिस 2024 की तरफ आगे और ऊपर बढ़ी।

हार्दिक पांड्या के सपोर्ट में उतरे गौतम गंभीर

एबी डिविलियर्स और केविन पीटरसन पर निकाली भड़ास

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। आईपीएल के इस सीजन में मुंबई इंडियंस काफी कमजोर टीम साबित हुई है। मुंबई ने इस बार रोहित शर्मा को हटाकर कप्तानी बदलने का प्रयोग किया था, लेकिन ये कारगर साबित नहीं हुआ। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में टीम 13 में से 9 मुकाबले हार चुकी है। मुंबई प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है। ऐसे में हार्दिक पांड्या को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कई दिग्गज उनकी आलोचना करते नजर आ रहे हैं, लेकिन इस बीच केकेआर के मेंटर गौतम गंभीर ने हार्दिक पांड्या को सपोर्ट किया है।

उनका खुद का प्रदर्शन क्या है?

स्पोर्ट्सकीड़ा से बातचीत के दौरान गंभीर से पूछा गया कि हार्दिक पांड्या को केविन पीटरसन और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों से कप्तानी को लेकर आलोचना झेलनी पड़ रही है। इसके जवाब में गंभीर ने कहा- उन्होंने खुद जब

कप्तानी की होगी, उस दौरान उनका खुद का प्रदर्शन कैसा रहा? मुझे नहीं लगता कि चाहे केविन पीटरसन हों या फिर एबी डिविलियर्स, उनके करियर में उन्होंने कभी लीडरशिप में कोई अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने टीम के लिए क्या अचीव किया है?

गंभीर ने आगे कहा- अगर आप उनके रिकॉर्ड उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि किसी भी दूसरे लीडर से उनकी तुलना नहीं की जा सकती। मुझे नहीं लगता कि एबी डिविलियर्स ने तो आईपीएल में कभी भी कप्तानी की हो या फिर अपने स्कोर के अलावा कभी कुछ अचीव किया है। टीम के नजरिए से देखें तो उन्होंने कभी कुछ अचीव नहीं किया है।

हार्दिक पांड्या आईपीएल विनिंग कप्तान

गंभीर ने इसके बाद हार्दिक पांड्या का समर्थन किया। उन्होंने कहा- कम से कम हार्दिक पांड्या एक आईपीएल विनिंग कैप्टन तो हैं। इसलिए हमें एक जैसे खिलाड़ियों की तुलना करनी चाहिए। आपको बता दें कि हार्दिक पांड्या को टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का उप कप्तान बनाया गया है। वह रोहित शर्मा के डिप्टी के रूप में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

केविन पीटरसन और एबी डिविलियर्स ने क्या कहा था?

हार्दिक पांड्या की आलोचना करते हुए केविन पीटरसन ने कहा था कि वह ओवर एक्टिंग करते हैं। वह दबाव में होते हैं, लेकिन हमेशा खुश दिखने की एक्टिंग करते रहते हैं। वहीं एबी डिविलियर्स ने कहा था कि वे हार्दिक को कप्तान के रूप में पसंद नहीं करते। रोहित और बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के सामने खुद को बड़ा दिखाना सही नहीं है। हालांकि डिविलियर्स ने कहा था कि उन्हें पांड्या को खेलते हुए देखना अच्छा लगता है।

पाकिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

2-1 से सीरीज जीती ; बाबर-रिजवान के बीच शतकीय साझेदारी

इस्लामाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने तीसरे टी-20 मैच में आयरलैंड को 6 विकेट से हराकर टी-20 सीरीज 2-1 से जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 7 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए।

वहीं 179 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने 4 विकेट के नुकसान पर 181 रन बना कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वहीं पहला टी-20 मैच आयरलैंड ने जीता था।

आयरलैंड के लिए लोर्कन टकर ने बनाए सबसे ज्यादा रन

पाकिस्तान ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसे पहला झटका 15 रन के स्कोर पर लगा। उसके ओपनर रॉस अडायर शाहीन अफरीदी की गेंद पर बोल्ड हो गए।

उसके बाद एंड्रयू बालबर्नी और कप्तान लोर्कन टकर ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 49 गेंदों पर 85 रन की पार्टनरशिप हुई। बालबर्नी 26 गेंदों पर 35 रन बना कर आउट हो गए। वहीं टकर ने उसके बाद हैरी टेक्टर के साथ 17 गेंदों पर 32 रन की साझेदारी हुई। टकर ने 41 गेंदों पर 73 रन बनाए। जबकि टेक्टर 20 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाए।

पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए। अब्बास अफरीदी ने 4 ओवर में 43 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं मोहम्मद अमिर और सईम अयूब को 1-1 विकेट मिले।

मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम के बीच 139 रन की साझेदारी

179 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। 16 रन पर उसको पहला झटका लगा। सईम अयूब 11 गेंदों पर 14 रन बना कर पवेलियन लौट गए। हालांकि, उसके बाद कप्तान बाबर आजम ने मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर पारी को संभाला।

दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 74 गेंदों पर 139 रन की साझेदारी हुई। रिजवान ने 38 गेंदों पर 56 रन और बाबर आजम 42 गेंदों पर 75 रन बनाए। उसके बाद आजम खान ने 6 गेंदों पर नाबाद 18 रन बना कर पाकिस्तान को जीत दिलाई।

शूटिंग में मनु-विजयवीर का जलवा

25 मीटर पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रायल स्पर्धा में जीते

भोपाल, 15 मई (एजेंसियां)। ओलंपियन मनु भाकर और पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता विजयवीर सिद्धू ने चौथे और आखिरी ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा जीत ली।

मध्यप्रदेश राज्य निशानेबाजी में मनु ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल ओएसटी टी4 फाइनल में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने वाला 42 स्कोर किया। वहीं, विजयवीर ने पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल ओएसटी टी4 में फाइनल में 34 स्कोर किया।

मनु ने ट्रायल में पूरा दबदबा बनाए रखा।

अभिंद्या पाटिल (35) दूसरे और सिमरनप्रीत कौर बरार (30) तीसरे स्थान पर रहीं। ईशा सिंह और रिदम सांगवान चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरूषों की रैपिड फायर स्पर्धा में विजयवीर ने पांच शॉट की दूसरी सीरीज के बाद बढ़त बना ली थी। उन्होंने आठवीं और आखिरी सीरिज तक बढ़त बनाए रखी।

अनीश भानवाला दूसरे और आदर्श सिंह तीसरे स्थान पर रहे। अंकुर गोयल चौथे और भावेश शेखावत पांचवें स्थान पर रहे।

आंध्र प्रदेश में हिंसा पर चुनाव आयोग नाराज

सीएस और डीजीपी को दिल्ली तलब किया

अमरावती, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग (ईसी) ने पलनाडु और चंद्रगिरी में हुई हिंसा की घटनाओं सहित कई हिंसा की घटनाओं पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। आयोग ने मुख्य सचिव जवाहर रेड्डी और डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता को चुनाव के दौरान और उसके बाद हुई हिंसा की घटनाओं के संबंध में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। ईसी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर घटनाओं के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है।

पहले से ही चेतावनी दी गई थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि चुनाव आयोग ने उनसे पूछा है कि मतदान के दिन वे इतने उदासीन क्यों थे। उन्हें मामले पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है। दोनों अधिकारियों को गुरुवार को दिल्ली जाकर भारत के चुनाव आयोग के समक्ष पेश होना है। चुनाव आयोग ने कहा कि स्थानीय अधिकारी चुनाव सहित उसके बाद हुई हिंसा के मद्देनजर उदासीन और लापरवाह थे। बताया जा रहा है कि आंध्र प्रदेश के विशेष पर्यवेक्षक राममोहन मिश्रा ने व्यक्तिगत रूप से पलनाडु का दौरा किया था। उन्होंने सीधे सीईसी को मामले की सूचना दी है।मतदान के बाद मंगलवार को ताड़ीपत्री, तिरुपति और करमपुडी जैसे इलाके रणक्षेत्र में तब्दील हो गए।

वाईएसआरसीपी नेताओं ने तिरुपति में श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय के परिसर में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर कथित तौर पर आग्नेयास्त्रों से हमला किया। चंद्रगिरी टीडीपी उम्मीदवार पुलिवर्थी नानी ईवीएम संग्रहीत किए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करने आए थे। उन पर हमला कर हत्या का प्रयास किया गया।

चंद्रगिरी वाईएसआरसीपी विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, उनके बेटे और अब पार्टी उम्मीदवार मोहित रेड्डी के समर्थकों ने उन पर लाठी, पत्थरों और बीयर की बोतलों से हमला करके हंगामा किया। नानी के साथ, उनके ड्राइवर और बंदूकधारी पर हमला किया गया। संभलने से पहले, हमलावरों ने हवा में गोलियां चलाईं क्योंकि हमलावरों ने उन पर हमला किया। वाईएसआरसीपी की भीड़ के हमले में नानी के कंधे में चोटें आईं। बंदूकधारी के सिर में भी गंभीर चोटें आईं। विधायक पिन्नेल्ली रामकृष्ण रेड्डी ने अपने समर्थकों के साथ पलनाडु जिले के माचेरला निर्वाचन क्षेत्र के करमपुडी में उत्पात मचाया वे करमपुडी से होते हुए जा रहे थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके काफिले की कार पर पत्थर फेंका। काफिला पास के टीडीपी कार्यालय की ओर गया और रुक गया। कारों में सवार वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने लाठी, चाकू और रॉड निकाल लिए और टीडीपी कार्यालय में घुस गए। कुर्सियाँ तोड़ दी गईं। पत्थर फेंके गए। फ्लेक्स फाड़ दिए गए। दरवाजे तोड़ दिए गए। टीडीपी कार्यकर्ता मस्तान जनीबाशा के बेटे बुड्डू और शेख जान को कार से रोका गया। उन्हें बाहर निकाला गया और उन पर हमला किया गया और फिर उनकी कार में आग लगा दी गई। वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर घूम-घूम कर उत्पात मचाया। दुकानदारों पर भी हमला किया गया। पुन्नम्मा नामक एक व्यक्ति की थोपू (टिफिन बेचने वाली) गाड़ी तोड़ दी गई। वहां बैठी उनकी बेटी और पोती पर हमला किया गया।अनंतपुर जिले का ताड़ीपत्री युद्ध के मैदान में बदल गया।

विधायक केतिरेड्डी पेड्डारेड्डी ने हंगामा किया। ताड़ीपत्री के चिंतलारायुनी पालम में मौजूद वाईएसआरसीपी एजेंट संजीव, अजय व चार अन्य ने टीडीपी एजेंट भानु व पार्टी समर्थक मोहन पर हमला कर दिया। इसी बीच टीडीपी नेता सूर्य मुनि के समर्थकों ने वाईएसआरसीपी एजेंट संजीव को रोक लिया और उसने विधायक पेद्दा रेड्डी को इसकी जानकारी दी। विधायक अपने समर्थकों के साथ सूर्य मुनि के घर गए और पथराव शुरू कर दिया। विशेष कमांडेंट श्रीनिवास राव सुरक्षा बलों के साथ इलाके में गए और भीड़ को तितर-बितर किया। उनके साथ शहर के सीआई मुरलीकृष्ण भी हमले में घायल हुए हैं।

इसकी जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष जेसी प्रभाकर रेड्डी सूर्य मुनि के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। बाद में टीडीपी कार्यकर्ताओं ने पेद्दा रेड्डी की अराजकता के विरोध में रास्ता रोको आंदोलन किया। वहां से वे सरकारी जूनियर कॉलेज मैदान पहुंचे, जहा हमला करने की योजना बना रहे वाईएसआरसीपी कार्यकर्ता ट्रैक्टरों में पत्थर भरकर टीडीपी कार्यकर्ताओं पर फेंके।

खिलवत में 31 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के खिलवत में मंगलवार रात एक 31 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर दी गई। चारमीनार निवासी पीड़ित मोहम्मद मकसूद अली को आखिरी बार उसके परिवार के सदस्यों ने मंगलवार सुबह देखा था।

मंगलवार देर रात, स्थानीय लोगों ने पुराने पेंशन कार्यालय पार्किंग क्षेत्र में उसकी डेड बॉडी देखी तो पुलिस को सूचना दी। उसके शरीर पर चोटों के निशान थे। सूचना पर डीसीपी (दक्षिण) स्नेहा मेहरा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और अन्य ने घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस उन संभावित संदिग्धों के बारे में सुराग जुटाने के लिए पीड़ित के दोस्तों और रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है जिन्होंने मकसूद की हत्या की हो सकती है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बस में लगी आग, 6 की मौत, 20 घायल

निलायापलेम से हैदराबाद जा रही थी बस

42 लोग थे बस में सवार, वोट डालकर लौट रहे थे शहर

अमरावती, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में बुधवार तड़के एक टिप्पर लॉरी से टक्कर के बाद एक निजी बस में आग लगने से 6 लोगों की जलकर मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना चिलकलुरिपेटा मंडल में पासुमरू के पास उस समय हुई, जब निजी ट्रैवल्स की बस देर रात करीब एक बजे एक लॉरी से टकरा गई। बस बापटला जिले के निलायापलेम से हैदराबाद जा रही थी। घायल यात्रियों ने कहा कि वे सोमवार को राज्य विधानसभा और लोकसभा के लिए एक साथ हुए चुनाव में वोट डालने के बाद हैदराबाद लौट रहे थे।

मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के मूल निवासी काशी ब्रह्मेश्वर राव (62), लक्ष्मी (58), श्रीसाई (9), बस चालक अंजी, लॉरी

चालक हरि सिंह के रूप में की गई। एक मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया लेकिन तब तक दोनों पूरी तरह जल चुके थे। घायलों को चिलकलुरिपेट और गुंटूर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक व्यक्ति ने कहा कि टक्कर के बाद बस में आग लगने के बाद यात्री तुरंत बाहर निकल आए।

कुछ लोग खुद को बचाने के लिए खिड़की के शीशे तोड़कर बाहर कूद गए। हालांकि, एक बुजुर्ग दंपत्ति और एक बच्चा बाहर नहीं आ सके। बस में करीब 42 यात्री सवार थे। वे बापटला जिले के निलयपालेम मंडल के रहने वाले थे और सोमवार को वोट डालने के बाद हैदराबाद लौट रहे थे।

10 दिन बंद रहेंगे सिंगल-स्क्रीन थिएटर

नई रिलीज़ की कमी बना कारण

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सिंगल-स्क्रीन थिएटर 10 दिनों की अवधि के लिए बंद होने वाले हैं। इस सीज़न के दौरान प्रमुख ब्लॉकबस्टर रिलीज़ की कमी के कारण वित्तीय घाटे को कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया था। फिल्म एग्जिबिटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विजयेंदर रेड्डी ने बुधवार को कहा कि थिएटर मालिकों के लिए यह निर्णय लेने का मुख्य कारण सामग्री की कमी है। यह फिल्म उद्योग के लिए बहुत दुखद है कि पिछले महीने कोई भी रिलीज नहीं हुई, जिससे बॉक्स ऑफिस पर न्यूनतम कमाई हुई। थिएटर में फिल्म को चालू रखने के लिए हमें प्रतिदिन 12,000 रुपये का खर्च आता है, जबकि

राजस्व हिस्सेदारी कम रहती है।

रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि ओटीटी प्लेटफार्मों पर व्यापक सामग्री की उपलब्धता, आईपीएल द्वारा प्रदान किए गए मनोरंजन के विचलन और चुनावों में बढ़ती रुचि के कारण सिंगल-स्क्रीन थिएटरों में छोटी फिल्मों के लिए दर्शकों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि कई मल्टीप्लेक्स भी अपने शो कम कर रहे हैं, लेकिन सिंगल स्क्रीन के विपरीत, वे आम तौर पर संचालन बनाए रखते हैं, जिसमें विकल्पों की कमी होती है और उन्हें पूरी तरह से बंद करना पड़ता है।

तेलंगाना में लगभग 250 सिंगल-स्क्रीन थिएटर हैं, जबकि अकेले हैदराबाद में उनमें से लगभग 80 हैं। हालांकि कुछ थिएटर कम बजट की फिल्मों को फिर से खोलने का विकल्प चुन सकते हैं। रेड्डी ने उल्लेख किया कि अधिकांश थिएटरों ने 10 दिन की अवधि के बाद फिर से खोलने की योजना को अंतिम रूप नहीं दिया है और एक बड़ी फिल्म रिलीज होने तक इंतजार करेंगे।

धान खरीद की मांग को लेकर किसानों ने दिया धरना

राजन्ना-सिरसिला, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धान की फसल खरीदने में अधिकारियों की लापरवाही के विरोध में किसानों ने बुधवार को कोनारावपेट मंडल के मल्केपेटा में धरना दिया। एक माह बाद भी खरीद प्रक्रिया शुरू न होने पर उन्होंने अधिकारियों को दोषी ठहराया। किसानों का कहना है कि अधिकारियों को भी किसानों की समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल खरीद शुरू करने की मांग करते हुए आगे भी यही स्थिति जारी रहने पर जिलाधिकारी कार्यालय पर हल्ला बोल की चेतावनी दी। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को अपना विरोध वापस लेने के लिए मनाया।

महिला कर्मचारी ने किया आत्महत्या का प्रयास

पर्यवेक्षक पर लगाया परेशान करने का आरोप, पर्यवेक्षक निलंबित, जांच कमेटी गठित

आदिलाबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)-आदिलाबाद में एक आउटसोर्स रोगी देखभाल कर्मचारी ने बुधवार को अपने पर्यवेक्षक पर उसे परेशान करने का आरोप लगाते हुए कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कथित तौर पर शौचालय साफ करने वाला तरल पदार्थ पीने वाली महिला की हालत खतरे से बाहर है।

शहर के दासनापुर की एक आउटसोर्स कर्मचारी गणपति लक्ष्मी ने बताया कि पर्यवेक्षक बियाला रवि के उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ होने के कारण उसे फिनाइल पीकर आत्महत्या करने की कोशिश करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

उन्होंने आरोप लगाया कि रवि छोटे-मोटे कारण बताकर अधीनस्थों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है।

रिम्स-आदिलाबाद के निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़ ने कहा कि पर्यवेक्षक को पहले ही निलंबित कर दिया गया है और घटना की पांच सदस्यीय टीम द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अचंपेट हमला: केटीआर ने डीजीपी से कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों के दौरान अचंपेट में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुए हमले पर आज प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपने ट्विटर हैंडल पर टैग करते हुए पूछा, "यही है क्या आपकी मोहब्बत की दुकान"। उन्होंने तेलंगाना के डीजीपी से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया। केटीआर ने चेतावनी देते हुए कहा, "यह शर्मनाक है कि पुलिस विरोधियों पर हमले और सत्ता के दुरुपयोग का हिस्सा है। हमले के लिए जिम्मेदार गुंडों और तमाशबीन की भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। अन्यथा, हम मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाएंगे।" पूर्व आईपीएस अधिकारी और नागरकुर्नूल बीआरएस सांसद उम्मीदवार आरएस प्रवीण कुमार ने भी ट्विटर पर पूछा, "क्या यह दोस्ताना पुलिसिंग है। उन्होंने घटना का एक वीडियो साझा किया और आरोप लगाया कि हमले के दौरान पुलिस "तमाशबीन की भूमिका" में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में लापरवाही बरत रही है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को नागरकुर्नूल जिले के अचंपेट में बीआरएस पार्षद सुनकारी निर्मला बलराजू के घर पर कथित तौर पर लाठियों से हमला किया। पुलिस वहां मौजूद थी, लेकिन उसने उन्हें शांत करने की कोशिश नहीं की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हमले में कई बीआरएस कार्यकर्ता घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी ओर, बीआरएस कार्यकर्ताओं ने बलराजू के घर से रैली निकाली और पुलिस थाने के सामने धरना देकर कांग्रेस से राजनीतिक हमले बंद करने की मांग की।

हैदराबाद में इंडी फेस्ट 19 मई को

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद 19 मई को आगामी क्वीर इंडी फिल्म एंड लिटरेचर फेस्टिवल (क्यूआईएफएलआईएफ) में विचित्र कथाओं के उत्सव की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कोंडापुर में वेवर्क में होने वाला यह उत्सव, विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, जो सिनेमाई चमत्कारों, कलात्मक प्रदर्शनों और सामुदायिक जुड़ाव से भरे दिन का वादा करता है।

क्यूआईएफएलआईएफ में पाँच मनोरम फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी, जिनमें से प्रत्येक विचित्र अनुभवों का प्रामाणिक चित्रण पेश करेगी। फिल्मों के अलावा, उपस्थित लोग एक ओपन माइक सत्र, एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला ड्रैग शो, विचारोत्तेजक लघु कहानी वाचन और विचित्र लेखकों की कृतियों को प्रस्तुत करने वाला एक साहित्यिक शोकेस सहित कई गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

अमेरिकी महावाणिज्यदूत ने रिसर्च लैब्स का किया दौरा

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यूएसएआईडी/भारत मिशन निदेशक, वीना रेड्डी और हैदराबाद में अमेरिकी महावाणिज्य दूत, जेनिफर लार्सन ने बुधवार को हैदराबाद में क्वालकॉम इंडिया की ओआरएएन रिसर्च लैब्स का दौरा किया और देखा कि कैसे संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत खुले, सुरक्षित और अंतर-संचालनीय को बढ़ावा देने के लिए सहयोग कर रहे हैं।

यूएसएआईडी दूरसंचार हार्डवेयर के एक प्रमुख अमेरिकी आपूर्तिकर्ता क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज, इंक. के साथ साझेदारी कर रहा है, ताकि 5जी और ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क

सहित नई अत्याधुनिक वायरलेस प्रौद्योगिकियों के परीक्षण में स्थानीय भारतीय दूरसंचार कंपनियों का समर्थन किया जा सके, जो इंटरऑपरेबल, सुरक्षित और विश्वसनीय विक्रेताओं से प्राप्त होते हैं।

यूएसएआईडी मिशन निदेशक वीना रेड्डी ने कहा कि जैसा कि जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान जोर दिया गया था, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत सुरक्षित और विश्वसनीय दूरसंचार, लचीली आपूर्ति श्रृंखला और वैश्विक डिजिटल समावेशन का दृष्टिकोण साझा करते हैं। हम डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने, डिजिटल विभाजन को पाटने और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ भारत में सुरक्षित, कम खर्चीले और अधिक सुलभ वायरलेस संचार नेटवर्क तक पहुंच बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी कर रहे हैं।

मानू मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के मॉडल स्कूल, हैदराबाद के कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने सीबीएसई द्वारा घोषित परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. कफ़ील अहमद के अनुसार, कक्षा 10वीं के 47 विद्यार्थियों ने 100% सफलता प्राप्त की है। उर्दू शिक्षक डॉ. फहीम अशरफ ने कहा कि सभी विद्यार्थी उर्दू विषय में उत्कृष्ट अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। 47 में से 13 विद्यार्थियों ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि पाँच विद्यार्थियों ने 99, चार ने 98, चार ने 97, पाँच ने 96, दो विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत, एक ने 94 और तीन विद्यार्थियों ने 93 अंक प्राप्त किए। इसी तरह कक्षा 12वीं में कुल 31 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए और उनमें से 30 उत्तीर्ण हुए जबकि एक को कम्पार्टमेंट मिला। बुतूल खातून और तैय्यबा बेगम ने उल्लेखनीय 91.47 अंक प्राप्त किए। बुतूल खातून ने राजनीति विज्ञान में 100%, उर्दू में 96, भूगोल में 93 और हिंदी विषय में 95 अंक प्राप्त किए। तय्यबा बेगम ने अंग्रेजी विषय में 100 में से कुल 90, उर्दू में 97, अर्थशास्त्र में 92 और भूगोल में 93 अंक प्राप्त किए।

प्रो. सैयद ऐनुल हसन, कुलपति और प्रो. इश्तियाक अहमद, रजिस्ट्रार ने सभी छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉ. कफ़ील अहमद ने भी सभी छात्रों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी।

पद्मावती परियणोत्सव 17 से 19 मई तक

तिरुमाला, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री पद्मावती श्रीनिवास परियणोत्सव का तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव 17 से 19 मई तक तिरुमाला में मनाया जाएगा। श्रीदेवी भूदेवी और श्रीनिवास का दिव्य विवाह समारोह हर साल नारायणगिरि गार्डन में परियणोत्सव मंडपम में बड़ी धूमधाम से किया जाता है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन गजवाहनम, दूसरे दिन अश्व वाहनम और अंतिम दिन गरुड़ वाहनम पर श्री मलयप्पा स्वामी की पूजा की जाती है। टीटीडी ने इन तीन दिनों में अर्जित ब्रह्मोत्सवम और सहस्र दीपालंकार सेवा रद्द कर दी है। पुराणों के अनुसार, लगभग पाँच हज़ार वर्ष पूर्व, अर्थात् कलियुग के आरंभिक दिनों में, श्री महाविष्णु वैकुंठ से श्री वेंकटेश्वर के रूप में पृथ्वी पर आए थे। टीटीडी, तिरुमाला के नारायणगिरी उद्यान में प्रत्येक वैशाख शुद्ध दशमी तिथि से एक दिन पहले और एक दिन बाद तीन दिनों के लिए पद्मावती परिणयोत्सव का आयोजन करता है।

तमाम राजनीतिक उठा-पटक के बीच जौनपुर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकला धनंजय सिंह ने आज गृहमंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। हैदराबाद की रहने वाली श्रीकला रेड्डी पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी हैं।

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग दंपत्ति की मौत, दो घायल

खम्मम, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के बोनाकल मंडल के मुष्टिकुंटा में मुख्य सड़क पर बुधवार को एक दुर्घटना में एक बुजुर्ग दंपति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मृतक सत्यनारायण और रुक्मिणी, दोनों की उम्र 75 वर्ष से अधिक थी और वे खम्मम शहर के ममिलागुडेम इलाके के रहने वाले थे। जब यह घटना हुई तो वे एक कार में यात्रा कर रहे थे। कार चला रहे व्यक्ति ने सड़क पर एक मोड़ पर वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे कार पेड़ से टकरा गई और हादसे के बाद वाहन में आग लग गई। स्थानीय लोग कार में सवार लोगों को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग दंपत्ति की मौके पर ही मौत हो गई। दो घायल युवक, जो बेहोशी की हालत में थे, उन्हें इलाज के लिए खम्मम के सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। बोनाकल एसआई मधुसूदन ने बताया कि घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

टीजीओ ने सरकार से सभी लंबित मांगों को हल करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राजपत्रित अधिकारी संघ ने राज्य सरकार से अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को हल करने और हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले अधिकारियों को प्रदान किए गए पारिश्रमिक में विसंगतियों को दूर करने का आग्रह किया है।

राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष एलुरी श्रीनिवास राव, महासचिव ए सत्यनारायण, एसोसिएट अध्यक्ष श्याम, संयुक्त सचिव परमेश्वर रेड्डी और अन्य के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को यहां सचिवालय में मुख्य सचिव शांति कुमारी से मुलाकात की और विभिन्न मांगों को हल करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा।याचिका में उल्लिखित मांगों में अंशदायी पेंशन योजना को रद्द करना और पुरानी पेंशन प्रणाली को जारी रखना शामिल है। कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए समान अंशदान वाली कर्मचारी स्वास्थ्य योजना लागू करने, लंबित महंगाई भत्ते जारी करने, मई में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए चुनाव आयोग से विशेष अनुमति लेने, 2018 से लंबित कर्मचारियों के तबादलों से संबंधित जीओ को हटाने और कर्मचारियों से संबंधित सभी लंबित बिलों का निपटान करने समेत अन्य मांगों पर एसोसिएशन ने कहा कि राज्य के विभाजन के दौरान आंध्र प्रदेश को आवंटित 144 कर्मचारियों को तेलंगाना में फिर से आवंटित किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्य सचिव से आग्रह किया कि नए गठित जिलों को अतिरिक्त कैडर की संख्या मंजूर की जानी चाहिए और गोपनपल्ली में 101 एकड़ हाउस साइट्स से संबंधित भूमि का समाधान किया जाना चाहिए।

त्रिपुरा राज्यपाल ने 'स्पेक्ट्रम कला प्रदर्शनी' का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। त्रिपुरा राज्य के राज्यपाल एन इंद्रसेन रेड्डी ने बुधवार को माधापुर में राज्य कला गैलरी में 'स्पेक्ट्रम कला प्रदर्शनी' का उद्घाटन किया। 20 मई तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में चित्र, तेल चित्रकला, नक़्क़ाशी, सिरेमिक मूर्तियां और फाइबर मूर्तियां सहित कलात्मक अभिव्यक्तियों की एक विविध श्रृंखला शामिल है। ये विविध कलाकृतियाँ तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और गोवा के सात कुशल कलाकारों- पीवाई राजू, गोपाल, क्रांति चारी, प्रियदर्शन, राजेश चोदनकर, श्री हर्ष और वासुदेव शेट्टी द्वारा तैयार की गई हैं। रेड्डी ने कलाकारों के कौशल और रचनात्मकता के लिए सराहना व्यक्त करते हुए, प्रदर्शन पर मौजूद कलाकृतियों की गहराई और सुंदरता की सराहना की। कार्यक्रम में फिल्म निर्देशक थम्मारेड्डी भारद्वाज और संगीत निर्देशक माहित नारायण भी मौजूद थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.